@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 22 मार्च 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 136 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से की बातचीत

● क्षेत्रीय शांति और सुरक्षित शिपिंग पर दिया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बातचीत कर ईद और नौरोज़ की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि की कामना की। प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र में महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर पर हो रहे हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि ऐसे हमले न सिर्फ क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा हैं, बल्कि वैश्विक सप्लाई चेन को भी प्रभावित करते हैं। उन्होंने समुद्री मार्गों की सुरक्षा पर विशेष जोर देते हुए कहा कि नेविगेशन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है, ताकि अंतरराष्ट्रीय शिपिंग लेन खुली

और सुरक्षित बनी रहें। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने ईरान में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए ईरान सरकार द्वारा दिए जा रहे सहयोग की सराहना की। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बनी हुई है।

'आधुनिक युद्ध सीमाओं से परे'

राष्ट्रहित की रक्षा के लिए सशक्त सेना और तैयार नागरिकों का होना जरूरी : रक्षा मंत्री

एजेंसी

देहरादून। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज का युद्ध सीमाओं से परे चला गया है, जिसमें देश की सुरक्षा में आर्थिक, डिजिटल, ऊर्जा और यहां तक कि खाने की सुरक्षा भी शामिल है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश की रक्षा के लिए एक मजबूत सेना के साथ-साथ तैयार नागरिकों की भी जरूरत है, जो हर परिस्थिति में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रह सकें।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को उत्तराखंड के घोड़ाखाल स्थित सैनिक स्कूल के स्थापना दिवस और हीरक जयंती समारोह को वर्चुअली संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज संघर्षों का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। किसी भी राष्ट्र को आर्थिक, साइबर, अंतरिक्ष और सूचना युद्ध के माध्यम से कमजोर किया जा सकता है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को हर समय सतर्क और तैयार रहने की जरूरत है। राजनाथ सिंह ने कहा, 'तैयार रहने से मेरा

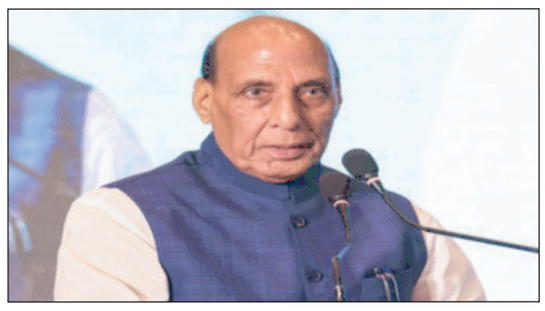

मतलब यह नहीं कि आप केवल किसी युद्ध के लिए ही तैयार रहें, बल्कि तैयार रहने का मेरा मतलब यह है कि आप सामने आने वाली हर परिस्थिति के लिए तैयार रहें। यह तैयारी मानसिक दृढ़ता की है, ताकि आप कठिन परिस्थितियों में भी संयम बनाए रखें। यह तैयारी बौद्धिक स्पष्टता की है, ताकि आप सही और गलत में फर्क कर सकें।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार रक्षा बलों को आधुनिक हथियारों और तकनीकों से लैस करने में जुटी है। साथ ही उन्होंने युवाओं से अनुशासन और दृढ़ संकल्प के माध्यम से मानसिक मजबूती और बौद्धिक स्पष्टता विकसित करने का आह्वान किया, ताकि वे हर चुनौती का सामना कर सकें। वीयूसीए (अस्थिर, अनिश्चित, जटिल और अस्पष्ट) के कॉन्सेप्ट का जिक्र करते हुए उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे आधुनिक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए वीयूसीए का अपना संस्करण विकसित करें, जिसमें दूरदर्शिता, समझ, साहस और अनुकूलन क्षमता शामिल है। देश बनाने के लिए जरूरी मूल्यों को अधिक से अधिक युवाओं तक पहुंचाने के लिए सरकार की ओर से उठाए गए कदमों के बारे में बताते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि हाल ही में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल में देशभर में 100 नए सैनिक स्कूल बनाने का फैसला लिया गया है। उन्होंने आगे कहा, 'एक और पहल में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) में खाली सीटों की संख्या बढ़ाना शामिल है।

भाजपा ने केरल चुनाव के लिए 11 और पुडुचेरी में उतारे 9 प्रत्याशी

तिरुवनंतपुरम/पुडुचेरी। भाजपा ने केरल और पुडुचेरी विधानसभा चुनाव 2026 के लिए शनिवार को अपने उम्मीदवारों की नई सूची जारी कर दी है। पार्टी के केंद्रीय कार्यालय की ओर से जारी प्रेस रिलीज के अनुसार, केरल में 11 और पुडुचेरी में 9 प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारे गए हैं। भाजपा ने केरल के लिए जारी तीसरी सूची में 11 उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया गया है। इस सूची में पीरुमेड सीट से वी. रतीश, पुथुप्पल्ली से रवींद्रनाथ वकाथनम, मवेलिक्कारा (एससी) से अजीमोन और अदूर (एससी) से पंडालम प्रतापन को टिकट दिया गया है। इसके अलावा, चवारा से केआर राजेश, चडायमंगलम से आरएस अरुण राज, चिरायिनकीझु (एससी) से बीएस अनूप को उम्मीदवार बनाया गया है। राजधानी क्षेत्र की सीटों पर भी भाजपा ने अपने प्रत्याशी उतारे हैं। तिरुवनंतपुरम से करमना जयन, अरुविक्कारा से विवेक गोपन, कोवलम से टीएन सुरेश और नेय्याट्टिंकारा से एस राजशेखरन नायर को टिकट दिया गया है।

वहीं, पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के लिए भी भाजपा ने उम्मीदवारों की सूची जारी की है। इस संबंध में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक 18 मार्च 2026 को पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन की अध्यक्षता में हुई थी। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और अन्य वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए थे। पुडुचेरी के लिए जारी सूची में मन्नादीपेट से ए. नमस्सिवायम, ओस्सुदु (एससी) से ई. थीप्पैथन, कालापेट से पीएमएल कल्याणसुंदरम और राज भवन सीट से वीपी रामलिंगम को उम्मीदवार बनाया गया है। इसके अलावा, मुदलियारपेट से ए. जॉनकुमार, मनावेली से एम्बलम आर. सेल्वम, तिरुनल्लार से जीएनएस राजसेकरन, नेरावी-टीआर पट्टिनम से टीकेएसएम मीनाक्षीसुंदरम और माहे से ए. दिनेशन को चुनावी मैदान में उतारा गया है। केरल और पुडुचेरी में एक ही चरण में 9 अप्रैल को चुनाव होना है। वोटों की गिनती 4 मई को की जाएगी और चुनाव के नतीजे घोषित कर दिए जाएंगे।

2014 के बाद 13,669 वर्ग किमी बढ़ा देश का वन क्षेत्र : भूपेंद्र यादव

● भारत ने प्रकृति संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं।

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड में अंतरराष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने देश के विकास के लिए अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस संतुलन को हासिल करने के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना बेहद जरूरी है। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत ने प्रकृति संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने 'नेचर-फर्स्ट' यानी प्रकृति को प्राथमिकता देने वाले दृष्टिकोण को अपनाने की आवश्यकता बताई और कहा कि केवल प्रकृति के साथ सामंजस्य

बनाकर ही पृथ्वी को रहने योग्य बनाए रखा जा सकता है। उन्होंने वन संरक्षण के आंकड़े भी साझा किए। उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 की तुलना में देश का वन क्षेत्र 13,669 वर्ग किलोमीटर बढ़ा है। 2014 में जहां वन क्षेत्र 7,01,673 वर्ग किलोमीटर था, 2026 में बढ़कर 7,15,342 वर्ग किलोमीटर हो गया है। इसके साथ ही वन और पेड़ों के जरिए कार्बन सिंक भी बढ़ा है, जो 2014 में 1.97 बिलियन टन सीओटू था और अब 2026 में बढ़कर 2.29 बिलियन टन सीओटू हो गया है। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, वन एवं पर्यावरण विभाग से जुड़े विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों और तकनीकी अधिकारियों की बड़ी भागीदारी रही। वन अनुसंधान संस्थान और अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी इसमें हिस्सा लिया।अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'जैसे ही हम 'अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस' मना रहे हैं, पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत अपने वन क्षेत्र का विस्तार कर रहा है, साथ ही विभिन्न भू-परिदृश्यों में वनीकरण को बढ़ावा दे रहा है और वन संरक्षण को सुदृढ़ कर रहा है।'

> ● ''नेचर-फर्स्ट' यानी प्रकृति को प्राथमिकता देने वाले दृष्टिकोण को अपनाने की आवश्यकता बताई'

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया सरगुजा ओलंपिक-2026 का शुभारंभ

● मुख्यमंत्री साय ने ओलंपिक मशाल जलाकर शुभारंभ किया।

एजेंसी

अंबिकापुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को अंबिकापुर पीजी कॉलेज ग्राउंड में आयोजित तीन दिवसीय सरगुजा ओलंपिक 2026 का शुभारंभ किया। इस दौरान सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, बलरामपुर, जशपुर और एमसीबी जिले के खिलाड़ियों ने परेड में सलामी दी। मुख्यमंत्री साय ने ओलंपिक मशाल जलाकर शुभारंभ किया। अंतर्राष्ट्रीय महिला रेसलर गीता फोगाट भी कार्यक्रम में शामिल हुईं। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि बस्तर का क्षेत्र अपने आप में बहुत बड़ा है लेकिन बीते 40 वर्षों से नक्सलवाद से ग्रसित रहा। इस वजह से उस क्षेत्र में विकास नहीं हो पाया। छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद मुक्त करने के लिए काम शुरू हुआ। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह का नक्सलवाद के खात्मे का संकल्प पूरा

हो रहा है। हम लोगों ने वहां के युवाओं को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए बस्तर ओलंपिक का आयोजन किया था। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद को छोड़कर मुख्य धारा में शामिल होने वाले लोगों ने भी बस्तर ओलंपिक में भाग लिया था। आत्मसमर्पण करने वाले 700 खिलाड़ी ओलंपिक का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि हम लोगों का सौभाग्य है कि जब हम लोगों ने सुरगुजा ओलंपिक का शुभारंभ किया तो गजरू को शुभंकर बनाया। इस ओलंपिक के लिए तीन लाख 49 हजार से ज्यादा पंजीकरण हुआ है।

उन्होंने कहा कि सरगुजा ओलंपिक में खो-खो, कबड्डी, बालीबाल, फुटबाल समेत 12 खेलों का आयोजन किया जाएगा। सभी खिलाड़ियों को बहुत-बहुत बधाई। आने वाले वक्त में सरगुजा ओलंपिक का आयोजन करते रहेंगे।

भगवंत मान सरकार बैसाखी के दिन 'जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार एक्ट' में संशोधन के लिए पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र बुलाएगी

कौमी पत्रिका

अमृतसर, 21 मार्च: पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज घोषणा की कि पंजाब सरकार 'जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार एक्ट-2008' में संशोधन करने और सख्त कानून लाने के लिए 13 अप्रैल को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाएगी। प्रस्तावित कानून में कड़ी सज़ा, भारी जुर्माना, संपत्ति जब्ती और डिजिटल माध्यम से किए गए अपराधों को भी शामिल किया जाएगा। इस कानून का मसौदा संत समाज और कानूनी विशेषज्ञों से सलाह लेकर तैयार किया जा रहा है। सरकार ने स्पष्ट किया कि 'बेअदबी' के किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। संत समाज और धार्मिक नेताओं के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, खालसा साजना दिवस के पवित्र अवसर पर यह सत्र बुलाया जाएगा और संत समाज व कानूनी विशेषज्ञों से विचार-विमर्श कर एक्ट बनाया जायेगा। इस घिनौने अपराध के दोषियों को उदाहरणीय सज़ा सुनिश्चित करने के लिए देशभर के प्रमुख वकीलों से भी राय ली जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्र के दौरान पंजाब सरकार द्वारा लागू किए गए 'जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार एक्ट-2008' में आवश्यक संशोधन किए जाएंगे ताकि श्री गुरु ग्रंथ साहिब और अन्य धार्मिक ग्रंथों की 'बेअदबी' रोकने के लिए एक मजबूत और व्यापक कानून बनाया जा सके। संत समाज, विभिन्न संप्रदायों, टकसालों, निहंग सिंह समूहों, उदासी संप्रदायों, निर्मला संप्रदायों, कार सेवा जत्थों, रागियों और कथावाचकों को आमंत्रित करते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें विशेष सत्र में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्पीकर कुलतार सिंह संधवां और विधायक डॉ. इंदरबीर सिंह निज्जर जल्द ही समाना का दौरा करेंगे ताकि गुरजीत सिंह खालसा को अपना विरोध समाप्त करने और विशेष सत्र में शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया जा सके। पंजाब सरकार संत समाज और श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान करती है और सख्त कानून लाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो किसी भी शरारती तत्व को बेअदबी करने से रोकेगा। पंजाब के मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि कानून में सख्त सजाएं, भारी जुर्माने और यहाँ तक कि दोषियों की संपत्ति जब्त करने का प्रावधान भी शामिल होगा। नया एक्ट डिजिटल सामग्री

के माध्यम से की जाने वाली बेअदबी के खिलाफ भी कार्रवाई का प्रावधान करेगा। धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी की घटनाओं को रोकने के लिए पंजाब सरकार पूरी ईमानदारी से काम कर रही है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने संत समाज को भरोसा दिलाया कि सरकार सभी की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करती है और बेअदबी के दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने एक्स पर लिखा, आज, श्री अमृतसर साहिब स्थित सर्किट हाउस में संत समाज के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई, जहाँ पवित्र ग्रंथों की बेअदबी को रोकने के लिए जगत ज्योति श्री गुरु ग्रंथ साहिब सम्मान अधिनियम-2008 में संशोधन पर विचार-विमर्श किया गया। इस संबंध में 13 अप्रैल, 2026 को विधान सभा का विशेष सत्र बुलाया जाएगा। हम पवित्र श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को शब्द गुरु मानते हैं, जिनसे हमें सच, सेवा और मानवता की शिक्षाएँ मिलती हैं। यदि कोई बेअदबी के माध्यम से हमारे विश्वास को ठेस पहुँचाने की कोशिश करता है, तो उसे कभी भी माफ नहीं किया जाएगा। दोषियों को कड़ी एवं अनुकरणीय सजा दी जाएगी और पंजाब की आस्था और सम्मान की रक्षा के लिए सख्त कानून बनाए जाएंगे। इससे पहले संत समाज और विभिन्न धार्मिक समूहों के सदस्यों ने मांग की कि दोषियों को कड़ी सजा सुनिश्चित करने के लिए लंबित मामलों की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए।

राष्ट्रपति ने गिरिराज जी के किए दर्शन

● नंगे पांव चलकर शुरू की सप्तकोसी परिक्रमा

एजेंसी

मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मथुरा दौरे के तीसरे दिन शनिवार की सुबह ब्रजभूमि की आध्यात्मिक ऊर्जा में पूरी तरह सराबोर नजर आईं। गोवर्धन पहुंचकर उन्होंने गिरिराज महाराज की सात कोसीय परिक्रमा का शुभारंभ नंगे पांव किया और श्रद्धा, आस्था व सादगी का अनूठा संदेश दिया। राष्ट्रपति के साथ उनके परिजन भी मौजूद रहे।

परिक्रमा प्रारंभ करने से पहले राष्ट्रपति मुर्मु ने दानघाटी मंदिर पहुंचकर गिरिराज जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और दूध अर्पित किया। इस दौरान पूरा वातावरण 'गिरिराज महाराज की जय' के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धा का चरम उस समय देखने को मिला, जब राष्ट्रपति ने नंगे पांव परिक्रमा मार्ग पर कदम रखे। कुछ दूरी पैदल चलकर उन्होंने आस्था और सादगी का संदेश दिया। इसके बाद वे गोल्फ कार्ट में सवार हुईं और परिक्रमा मार्ग पर आगे बढ़ीं। उनके साथ आगरा मंडल के कमिश्नर नगेंद्र प्रताप भी थे। वहीं दूसरी गोल्फ कार्ट में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, जनपद के प्रभारी मंत्री संदीप सिंह और गोवर्धन विधायक मेघश्याम सिंह सवार रहे। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर गोवर्धन और राधाकुंड नगरी को दुल्हन की तरह सजाया गया था। जगह-जगह भव्य तोरण द्वार बनाए गए थे। स्थानीय लोगों ने फूलों की वर्षा कर राष्ट्रपति का भव्य स्वागत किया। राष्ट्रपति ने भी दोनों हाथ जोड़कर और हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान राष्ट्रपति ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण

भी किया। स्कूलों के बच्चों ने पारंपरिक परिधान में स्वागत किया। वहीं संस्कृत विद्यालयों के छात्रों ने मंत्रोच्चार और स्वागत गीतों के साथ पूरे माहौल को आध्यात्मिक बना दिया। पूरे परिक्रमा मार्ग, गोवर्धन और राधाकुंड कस्बे में विशेष साफ-सफाई और व्यवस्थाओं को देखकर श्रद्धालु और स्थानीय नागरिक काफी प्रसन्न दिखाई दिए। जिलाधिकारी सीपी सिंह व्यवस्थाओं की कमान संभालते नजर आए और हर व्यवस्था को बारीकी से मॉनिटर किया गया।

ओडिसी नृत्यांगना मधुमिता राउत का निधन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रख्यात ओडिसी नृत्यांगना एवं गुरु मायाधर राउत की पुत्री मधुमिता राउत का शनिवार सुबह यहां के एक निजी अस्पताल में हृदयाघात से निधन हो गया। वह 59 वर्ष की थीं। मधुमिता के परिवार ने यह जानकारी दी। मधुमिता ने कम उम्र में ही नृत्य सीखना शुरू कर दिया था और वे दिल्ली स्थित 'जयंतिका-मायाधर राउत स्कूल ऑफ ओडिसी डांस स्कूल' की निदेशक के रूप में नई पीढ़ी को प्रशिक्षण दे रही थीं।मधुमिता राउत नीदरलैंड के एक मंदिर में प्रदर्शन करने वाली पहली ओडिसी कलाकार बनीं और रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने शास्त्रीय नृत्य को जीवंत और प्रासंगिक बनाए रखने के प्रति अपने रचनात्मक दृष्टिकोण और समर्पण से दुनिया भर के नृत्यांगनाओं को प्रेरित किया।उन्होंने

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ओडिसी नृत्य के प्रचार में महत्वपूर्ण योगदान दिया और उन्हें भारत निर्माण (1997) और ओडिशा लिविंग लीजेंड (2011) जैसे पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था।

चलती बस में लगी आग

ओडिशा के कांग्रेस विधायक सहित 37 यात्री बाल-बाल बचे

एजेंसी

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिला में शनिवार तड़के एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जब एक निजी यात्री बस में अचानक आग लग गई। राहत की बात यह रही कि बस में सवार सभी 37 यात्री सुरक्षित बच गए और कोई जनहानि नहीं हुई।यह घटना रामभद्रपुरम मंडल के तारापुरम के पास तड़के करीब 3:00 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, 'ओडिशा ट्रेवल्स' की बस भुवनेश्वर से मलकानगिरी (ओडिशा) जा रही थी। इसी दौरान बस का पिछला टायर अचानक फट गया, जिससे निकली चिंगारी ने कुछ ही पलों में पूरी बस को आग की चपेट में ले लिया। बस में सवार यात्रियों में मंगू खिल्ला भी शामिल थे, जो ओडिशा के चित्रकोंडा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक हैं। वे भी इस हादसे में पूरी तरह सुरक्षित रहे।

प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस के अनुसार, टायर फटते ही बस चालक ने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को रोका और सभी यात्रियों को नीचे उतरने के लिए कहा। उस समय अधिकांश यात्री गहरी नींद में थे, लेकिन चालक ने खिड़कियां खोलकर और शोर मचाकर सभी को समय रहते जगा दिया।

सड़क हादसे में फरसा वाले बाबा की मौत पर भीड़ ने किया पथराव, सेना ने संभाला मोर्चा

तीन घंटे बाद खुला दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग का जाम

एजेंसी

मथुरा। उत्तर प्रदेश में मथुरा जिले की कोसीकलां थाना क्षेत्र में फरसा वाले बाबा से मशहूर गौ सेवक चंद्र शेखर की एक सड़क हादसे में मौत हो गई। उनके मौत के बाद बिगड़े तनावपूर्ण माहौल को शांत कराने के लिए सेना को बुलाना पड़ा। सेना के अधीक्षक श्लोक कुमार ने शनिवार को अपना बयान जारी कर बताया कि गौरक्षक की सड़क हादसे में मौत हुई है। एसएसपी ने बताया कि

> ● 'वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया सामान्य सड़क हादसा, गौतस्करी का कोई मामला नहीं'

सूझबूझ से फिलहाल शहर के हालात काबू में है। इसी बीच वरिष्ठ पुलिस कोसीकलां थाना क्षेत्र में देर रात करीब तीन से चार बजे के बीच में चंद्रशेखर उर्फ फरसा बाबा ने एक वाहन को संदिग्ध मानकर रोका। घना कोहरा होने के कारण पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दिया।

हादसे में उनकी मौत हो गई। बाबा ने जिस वाहन को रोका था, उसमें किराने का सामान पाया गया। वहीं, जिस ट्रक से हादसा हुआ है वो राजस्थान का नंबर है उसमें तार लदा हुआ था। हादसे में ट्रक के चालक और परिचालक अलवर के रहने वाले हैं। चालक हादसे में घायल हुआ है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पंजाब सरकार में 144 गाड़ियों की खरीद में घोटाले के आरोप : ईडी कोर्ट पहुंचा मामला

चड़ीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब पुलिस के लिए वर्ष 2023 में खरीदी गई 144 गाड़ियों को लेकर गड़बड़ी के गंभीर आरोप सामने आए हैं। मामले में ईडी की स्पेशल पीएमएलए कोर्ट में याचिका दायर हुई है, जिसमें कार्यकारी डीजीपी, विजिलेंस डायरेक्टर सहित तीन अधिकारियों पर आरोप लगाए गए हैं। कोर्ट ने याचिकाकर्ता से प्रारंभिक साक्ष्य पेश करने को कहा है। जानकारी के अनुसार, यह मामला 144 टोयोटा हिलक्स (मैन्युअल ट्रांसमिशन) वाहनों की खरीद से जुड़ा है। आरोप है कि इन वाहनों को बाजार कीमत से करीब 10.72 लाख रुपये प्रति गाड़ी अधिक कीमत पर खरीदा गया। यह याचिका सुप्रीम कोर्ट के वकील निखिल सराफ की ओर से दाखिल की गई है। याचिका में कार्यकारी डीजीपी गौरव यादव, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर्स के एमडी मसाकाजु योहिमुरा और पंजाब विजिलेंस ब्यूरो के चीफ डायरेक्टर प्रवीण सिन्हा पर भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और सरकारी धन के दुरुपयोग के आरोप लगाए गए हैं। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखकर शिकायतकर्ता को प्रारंभिक सबूत पेश करने के निर्देश दिए हैं। याचिका में यह भी कहा गया है कि बड़ी संख्या में सरकारी वाहन खरीदने पर आमतौर पर छूट मिलती है, लेकिन इस मामले में इसके उलट ज्यादा कीमत पर खरीदारी की गई, जिससे संदेह और गहरा गया है।

जमशेदपुर में मिला 250 किलो का अमेरिकी जिंदा मिसाइल बम, क्षेत्र में दहशत

जमशेदपुर (एजेंसी)। झारखंड के जमशेदपुर स्थित बहरागोड़ा थाना क्षेत्र में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब सुवर्णरेखा नदी के किनारे बालू खुदाई के दौरान एक विशालकाय जिंदा मिसाइल बम बरामद हुआ। यह घटना पानीपड़ा नागुड़साई गांव के पास की है, जहां ग्रामीण नदी किनारे बालू निकाल रहे थे। खुदाई के दौरान जमीन के भीतर से लोहे की एक भारी गोलाकार वस्तु निकली, जिसे देख ग्रामीण दंग रह गए और तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी।पुलिस और प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर सुरक्षा घेरा बना दिया है। प्रारंभिक जांच में यह पुष्टि हुई है कि यह लगभग 500 पाउंड (करीब 227 से 250 किलोग्राम) वजनी एक अमेरिकी मिसाइल बम है, जो वर्तमान में भी जिंदा अवस्था में है। बम का आकार गैस सिलेंडर जैसा है और इस पर 'एएन-एम-64' मॉडल नंबर के साथ 'मेड इन अमेरिका' साफ तौर पर अंकित है। भारी-भरकम और शक्तिशाली बम मिलने की खबर से सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट मोड पर हैं।ग्रामीण पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने बताया कि बम अत्यंत शक्तिशाली और विनाशकारी है। इसकी गंभीरता को देखते हुए रांची से बम निरोधक दस्ते और सेना की विशेषज्ञ टीम को बुलाया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह शक्तिशाली बम संभवत: द्वितीय विश्व युद्ध के समय का हो सकता है, जो दशकों से नदी किनारे मिट्टी और बालू के नीचे दबा रहा। फिलहाल, बम निरोधक दस्ते ने स्पष्ट किया है कि इसे केवल सेना की तकनीकी सहायता और विशेष उपकरणों के जरिए ही निष्क्रिय (डिफ्यूज) किया जा सकता है। सुरक्षा के मद्देनजर घटनास्थल के आसपास पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और ग्रामीणों को उस क्षेत्र से दूर रहने की सख्त हिदायत दी गई है। प्रशासन ने लोगों से धैर्य बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है।

भुवनेश्वर में बस में लगी आग, 40 यात्रियों की बाल-बाल बची जान

भुवनेश्वर (एजेंसी)। भुवनेश्वर से मालकानगिरि जा रही एक निजी नीलकंठ बस में आग लग गई। इस हादसे में चित्रकोण्डा विधायक मंगू खिलो समेत करीब 40 यात्री बाल-बाल बच गए। बस जलकर खाक हो गई। बताया जा रहा है कि बस आंध्र प्रदेश के सालूर के पास तारापुरम के नजदीक पंचर हो गई थी, जिसके बाद अचानक उसमें आग लग गई। चालक को घटना की जानकारी मिलते ही उसने तुरंत सभी यात्रियों को बस से नीचे उतार दिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। सालूर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बस में लगभग 40 यात्री सवार थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस और दमकल विभाग मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। बस में सवार यात्रियों को बाद में दूसरी सरकारी बस से उनके गंतव्य के लिए भेज दिया गया। हालांकि आग लगने से यात्रियों का सामान जलकर नष्ट हो गया।

आतंकी साजिश का पर्दाफाश : गाजियाबाद पुलिस ने जासूस गैंग के 9 और गुर्गों को दबोचा

गाजियाबाद (एजेंसी)। सैन्य ठिकानों और देश के संवेदनशील स्थानों की गोपनीय जानकारी सीमा पार पाकिस्तान भेजने वाले एक बड़े अंतरराष्ट्रीय जासूसी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए गाजियाबाद पुलिस ने शुक्रवार को नौ और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में पांच नाबालिग भी शामिल हैं, जिन्हें बाल संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया है। इस सनसनीखेज मामले में अब तक गिरफ्तार होने वाले आरोपियों की कुल संख्या 15 पहुंच गई है। जांच में सामने आया है कि यह गिरोह न केवल सैन्य ठिकानों, बल्कि देश के प्रमुख उद्योगपतियों के आवासों की लोकेशन और वीडियो भी पाकिस्तान भेज चुका था।

पश्चिम-एशिया क्षेत्र में युद्ध के बीच अब तक हुई 6 भारतीयों की मौत, 1 लापता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले महीने 28 फरवरी को खाड़ी सहित समूचे पश्चिम-एशिया क्षेत्र में शुरू हुए युद्ध के बाद से लेकर अब तक भारत के कुल 6 नागरिकों की मौत हुई है। जबकि 1 लापता है। ताजा मामला इसी महीने की 18 तारीख से जुड़ा हुआ है। जिसमें सऊदी अरब के रियाद में हुए हमले में एक भारतीय की मृत्यु हो गई है। विदेश मंत्रालय ने मृतक के परिजनों के प्रति अपनी गहन संवेदनाएं जताते हुए शुक्रवार को कहा कि सऊदी अरब में मौजूद भारत के दूतावास और मिशन की टीमें स्थानीय अधिकारियों से लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। जिसके जरिए मृत व्यक्ति के अंतिम संस्कार के लिए उसकी पार्थिव देह को देश वापस लाया जा सकेगा। इसके अलावा भारतीय मिशन इराक, यूएई और ओमान में भी लापता और मृत भारतीयों के शवों को वापस लाने के लिए वहां स्थानीय अधिकारियों से संपर्क में बने हुए है। वहीं, युद्ध के बीच अब तक कुल करीब 3 लाख भारतीय सुरक्षित वापस लौटे हैं। जिनमें से ज्यादातर लोगों को ओमान, सऊदी अरब और जॉर्डन के रास्ते लाया गया है।

फरसा वाले बाबा की संदिग्ध मौत पर अखिलेश की प्रतिक्रिया... हमें पता है कहाँ क्या गलत हो रहा है?

मथुरा (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मथुरा में विख्यात गौ-रक्षक चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने उत्तर प्रदेश की सियासत में उबाल ला दिया है। इस घटना को लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने योगी सरकार और प्रदेश की कानून व्यवस्था पर तीखे प्रहार किए हैं। मथुरा की घटना पर प्रतिक्रिया देकर अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में हत्याओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। उन्होंने वाराणसी और गोरखपुर की पिछली घटनाओं का जिक्र कर आरोप लगाया कि पुलिस-प्रशासन अपनी मूल जिम्मेदारी निभाने के बजाय सत्ताधारी दल के एजेंट के रूप में काम कर रहा है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि जब पुलिस से राजनीतिक काम कराए जाते हैं, तब वे अपनी असली ड्यूटी के प्रति लापरवाह हो जाते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, अगर पुलिस बीजेपी का काम करना छोड़कर जनता के लिए काम शुरू

कर दे, तब में वर्तमान सरकार गिर जाएगी। उन्होंने प्रदेश में महिलाओं की असुरक्षा और लगातार हो रही हत्याओं को लेकर सरकार की कार्यप्रणाली को कठघरे में खड़ा किया।

राजनीतिक हमलों के साथ-साथ अखिलेश यादव ने महंगाई के मुद्दे को भी हवा दी। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधकर कहा कि एलपीजी (एलपीजी) अब लापता गैस बन गई है। आम जनता को सलाह देकर उन्होंने कहा कि अब लोगों को कोयला, लकड़ी और इंडक्शन स्टोव की ओर वापस लौटना पड़ रहा है।

कौन थे फरसा वाले बाबा?

चंद्रशेखर बाबा ब्रज क्षेत्र के एक अत्यंत लोकप्रिय और निडर गौ-रक्षक थे। बरसाना के आजनौख गांव में गौशाला चलाने वाले बाबा हमेशा अपने हाथ में फरसा रखते थे, जिसके कारण उन्हें यह नाम मिला। वे गौ-वंश की रक्षा के लिए समर्पित थे और स्थानीय स्तर पर उनकी एक संत के रूप में बड़ी मान्यता थी। शनिवार, 21 मार्च 2026 की तड़के कोटवन चौकी के पास एक सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि वे अपनी बाइक से गौ-तस्करों का पीछा कर रहे थे, तभी उनकी गाड़ी को टक्कर मार दी गई। हालांकि पुलिस इसे महज एक एक्सीडेंट बता रही है, लेकिन समर्थकों और विपक्षी दलों का दावा है कि यह गौ-तस्करों द्वारा की गई सुनियोजित हत्या है।

21 दिन बीते गए... लेकिन भारत सरकार ने निंदा नहीं की, जयराम रमेश का मोदी सरकार पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने अमेरिका और इजरायल के ईरान पर किए गए हमलों पर मोदी सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठाए है। उन्होंने कहा कि हवाई हमलों को 21 दिन हो चुके हैं और प्रधानमंत्री मोदी की इजरायल यात्रा के 23 दिन बाद भी केंद्र सरकार ने कोई निंदा या आलोचना नहीं की। कांग्रेस नेता रमेश ने पूछा कि क्या मोदी सरकार ने ईरान पर किए गए हमलों में शीर्ष नेताओं की मौत, सत्ता परिवर्तन के प्रयास या गृहयुद्ध जैसी संभावनाओं की निंदा की? उत्तर साफ है— नहीं। उन्होंने सवाल किया कि क्या भारत ने ईरान पर बमबारी और खाड़ी देशों में ऊर्जा तथा अन्य बुनियादी ढांचे पर हमलों को रोकने के लिए गंभीर राजनयिक पहल की। क्या प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका और इजरायल के नेताओं के साथ अपनी मित्रता का इस्तेमाल युद्धविराम कराने के लिए किया? इसके भी जवाब नहीं में हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने भारत के सभ्यतागत मूल्यों के प्रति नैतिक कायरता और राजनीतिक विश्वासघात बताया। बता दें कि अमेरिका और इजरायल के हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खेमेनेई की मौत हो गई। इसके बाद ईरान ने भी अमेरिकी और इजरायली ठिकानों पर हमला किया। हाल ही में ईरान ने कतर के ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला कर भारी नुकसान पहुँचाया। इस संघर्ष से क्षेत्रीय सुरक्षा और वैश्विक आर्थिक स्थिरता पर गंभीर असर पड़ा है।

नीतीश की अनुपस्थिति में निशांत कुमार ने दी ईद की मुबारकबाद

– ईद के अवसर पर पहली बार नीतीश कुमार नहीं पहुंचे गांधी मैदान

पटना(एजेंसी)। पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में शनिवार को ईद-उल-फितर की नमाज हर्षोल्लास के साथ अदा की गई। पिछले कई वर्षों से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार परंपरागत रूप से इस मौके पर गांधी मैदान पहुंचकर नमाजियों से मिलते और बिहारवासियों को ईद की शुभकामनाएं देते रहे हैं। लेकिन इस बार मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति ने इस परंपरा में बदलाव ला दिया। मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति में उनके पुत्र निशांत कुमार गांधी मैदान पहुंचे। निशांत ने वहां उपस्थित नमाजियों से मुलाकात की और बिहारवासियों को ईद की मुबारकबाद दी। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा, ईद के इस पवित्र अवसर पर मैं और मेरे पिता नीतीश कुमार की ओर बिहार और देशवासियों को ईद की मुबारकबाद देता हूं। निशांत का यह कदम यह दर्शाता है कि वे अब पिता की राजनीतिक विरासत में सक्रिय भूमिका निभाने लगे हैं। निशांत कुमार आमतौर पर सार्वजनिक और राजनीतिक कार्यक्रमों में कम ही नजर आते हैं। हाल ही में उन्होंने जेडीयू की इफ्तार पार्टी में भी पिता की जगह महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। गांधी मैदान में उनकी उपस्थिति राजनीतिक दृष्टि से भविष्य में उनके बढ़ते प्रभाव का संकेत मानी जा रही है। गांधी मैदान में ईद की नमाज वर्षों से सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मेलजोल का प्रतीक रही है। इस साल मुख्यमंत्री की गैर-मौजूदगी और निशांत कुमार की सक्रिय उपस्थिति ने समारोह में नया आयाम जोड़ दिया है। यह बदलाव केवल राजनीतिक ही नहीं, बल्कि पारिवारिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

असम में बिना सेनापति उतरेगी कांग्रेस... क्या प्रियंका गांधी वाड्रा के लिए एक और असफल प्रयोग

राहुल गांधी के करीबी प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई की कार्यशैली से नाराजगी बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम में विधानसभा का चुनावी बिगुल बज चुका है। चुनाव को लेकर सभी पार्टियां अब मैदान में हैं। 9 अप्रैल 2026 को असम में वोटिंग होना है। लेकिन कांग्रेस असम चुनाव में अपनी तैयारी शुरू करने से पहले ही अपने दो 'प्रमुख सेनापति' को खो चुकी है। चुनाव से ठीक पहले पार्टी के भीतर भगदड़ जैसे हालात हैं। एक के बाद एक बड़े चेहरे पार्टी का साथ छोड़ रहे हैं। इसके बाद सवाल उठता है कि क्या बिना मजबूत नेतृत्व के कांग्रेस यह लड़ाई जीत पाएगी? कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा जिन्हें इस बार असम में रणनीतिक कमान सौंपी गई थी, अब सबसे कठिन परीक्षा का सामना कर रही हैं। यह सिर्फ नेताओं के जाने की कहानी नहीं है। यह संगठन की कमजोरी और नेतृत्व की चुनौती की कहानी है। लोकसभा सांसद प्रद्युत बोरदोलोई और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा का बीजेपी में जाना

पार्टी के लिए बड़ा झटका है। बात दें कि असम में कांग्रेस की बिगाड़ती स्थिति के लिए राहुल गांधी के करीबी प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगाई को जिम्मेदार माना जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार प्रियंका गांधी वाड्रा के लिए यह मुकाबला सिर्फ एक राज्य का चुनाव नहीं था। यह उनकी राजनीतिक क्षमता की अग्निपरीक्षा माना जा रहा था। लेकिन चुनाव से पहले ही जो हालात बने हैं, उन्होंने पूरे प्लान को झटका दे दिया है। वरिष्ठ नेताओं का पार्टी छोड़ना, अंदरूनी असंतोष और नेतृत्व पर सवाल ये सब मिलकर कांग्रेस के अभियान को कमजोर कर रहे हैं। अब सवाल यह है कि क्या प्रियंका गांधी वाड्रा इस संकट को संभाल पाएंगी या असम भी उनके लिए एक और असफल प्रयोग बनेगा।

असम में कांग्रेस को सबसे बड़ा झटका दो वरिष्ठ नेताओं के पार्टी छोड़ने से लगा है। ये दोनों नेता चुनावी रणनीति में अहम भूमिका निभा रहे थे। इसके बाद उनके जाने से न सिर्फ संगठन कमजोर हुआ है, बल्कि कार्यकर्ताओं का मनोबल भी गिरा है। पार्टी के अंदर भी असंतोष बढ़ता जा रहा है। कई नेता मानते हैं कि प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई की कार्यशैली से नाराजगी बढ़ी है। उन पर एकतरफा फैसले लेने और भरोसे की कमी के आरोप लग रहे हैं। उम्मीदवार चयन से लेकर कैंपेन मैनेजमेंट तक, कई फैसलों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इससे साफ है कि कांग्रेस की समस्या सिर्फ बाहर नहीं, भीतर भी है।

पुडुचेरी : एआईएनआरसी और भाजपा-अन्नाद्रमुक गठजोड़ के बीच सीट बंटवारे की बनी सहमति

पुडुचेरी(एजेंसी)। पुडुचेरी में सत्तारूढ़ ऑल इंडिया एन.आर.कांग्रेस (एआईएनआरसी) और भाजपा-अन्नाद्रमुक गठजोड़ ने विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे को शुक्रवार को अंतिम रूप दे दिया जिसके तहत एआईएनआरसी 16 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। वहीं, भाजपा शेष 14 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सूत्रों के अनुसार, भाजपा ने अपने कोटे की 14 सीटों में से अन्नाद्रमुक और लक्ष्य जननायगा काची (एलजेके) को दो-दो सीट दी हैं। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री और एआईएनआरसी नेता एन. रंगासामी ने पुडुचेरी के एक होटल में भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया के साथ बैठक की। इस समझौते से 9 अप्रैल को होने वाले चुनावों का मार्ग प्रशस्त हो गया है, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश की सभी 30 सीटों पर एक ही चरण में मतदान होगा। सूत्रों के मुताबिक, रंगासामी जल्द ही अपना नामांकन दाखिल करने वाले हैं और इस बार दो निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ने की संभावना है। अब यह स्पष्ट हो गया है कि अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पुडुचेरी में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन का नेतृत्व करती रहेगी। गुरुवार शाम तक यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि रंगासामी एनडीए छोड़कर अभिनेता विजय की पार्टी, तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) के साथ गठबंधन कर सकते हैं। हालांकि, भाजपा ने तुरंत अपने चुनाव प्रभारी-केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया को विशेष विमान से पुडुचेरी भेजा और ऐसा लगता है कि वे रंगासामी को मनाने में सफल रहे। इस बीच, कांग्रेस और एमके स्टालिन की द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम (डीएमके) के बीच गठबंधन भी गतिरोध में फंसा हुआ है।

कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल का आरोप, केरल में भाजपा और सीपीआई(एम) पर गुप्त समझौता हुआ

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल की राजनीति में चुनाव से पहले आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हुआ है। कांग्रेस नेता और अलप्पुझा से सांसद केसी वेणुगोपाल ने भाजपा और सीपीआई(एम) पर गुप्त समझौते का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि अब राज खुल चुका है और पलक्कड़ विवाद का केंद्र बनकर उभरा है। कांग्रेस सांसद वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि सीपीआई (एम) द्वारा लेफ्ट समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में होटल कारोबारी एनएमआर रजाक को मैदान में उतारना, भाजपा के साथ उनकी अंदरूनी गठजोड़ को दिखाता है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ पलक्कड़ तक सीमित नहीं है, बल्कि कई अन्य सीटों पर भी ऐसा ही गठजोड़ हुआ है। कांग्रेस उम्मीदवार और लोकप्रिय अभिनेता रमेश पिशारोडी ने भी इन आरोपों का समर्थन कर भाजपा-सीपीआई(एम) गठजोड़ को ओपन सीक्रेट बताया। उन्होंने कहा कि यह समझ सिर्फ पलक्कड़ ही नहीं, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी दिखाती है। पिशारोडी ने कहा कि वह चुनाव प्रचार के लिए अपने फिल्मी दोस्तों को नहीं बुलाएंगे, क्योंकि वह उन्हें साइबर हमलों के खतरे में नहीं डालना चाहते।

उन्होंने भरोसा जताया कि राहुल ममकूथिल

से जुड़ा विवाद चुनाव परिणामों को प्रभावित नहीं करेगा।

पलक्कड़ सीट इस बार सबसे चर्चित मुकाबलों में से एक बन गई है, जहां त्रिकोणीय टक्कर हो रही है। इस सीट पर पिशारोडी के अलावा भाजपा नेता शोभा सुरेंद्रन और सीपीआई(एम) समर्थित उम्मीदवार रज़ाक मैदान में हैं, जो अपने बिजनेस और खासकर बिरयानी कारोबार के लिए मशहूर हैं। वहीं, इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देकर सुरेंद्रन ने कांग्रेस की घबराहट करार दिया। उन्होंने कहा, लगता है कांग्रेस और उसका नेतृत्व अब मान चुका है कि वे हार रहे हैं और हम जीत रहे हैं। इस मुद्दे पर विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने कहा कि इस कथित गुप्त समझौते की बातें अब सामने आ रही हैं और यह सिर्फ पलक्कड़ ही नहीं, बल्कि करीब 10 अन्य सीटों पर भी लागू है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब सीपीआई(एम) भाजपा की मदद करती है, तब भाजपा भी बदले में उनकी मदद करती है, और इसका एक उदाहरण चेंगन्नूर सीट है।

देश के 17 राज्यों का मौसम: 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी और झमाझम होगी बारिश

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। उत्तर भारत समेत देश के बड़े हिस्से में मौसम ने खतरनाक करवट ली है। गर्मी की आहट के बीच अचानक आए इस बदलाव ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। देश की राजधानी दिल्ली से लेकर पटना, कोलकाता और मध्य प्रदेश तक बादलों के डेरे और बारिश ने तापमान में भारी गिरावट दर्ज की है। मौसम विभाग ने अब देश के 17 राज्यों के लिए गंभीर चेतावनी जारी की है, जिसमें अगले 48 से 72 घंटों के दौरान 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं, गरज-चमक और ओलावृष्टि का अलर्ट शामिल है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस अचानक आए बदलाव की मुख्य वजह एक शक्तिशाली पश्चिमी विक्षोभ और अरब सागर व बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी का मिलन है। इस संयुक्त प्रभाव के कारण उत्तर भारत के साथ-साथ पश्चिमी और मध्य भारत में भी मौसम असामान्य बना हुआ है। दिल्ली-एनसीआर में दोपहर होते ही तेज धूप घने बादलों में छिप रही है, जिससे सड़क यातायात और विमान सेवाओं पर असर

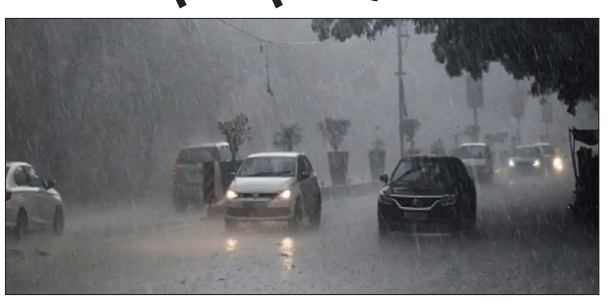

पड़ने की आशंका है। सबसे गंभीर स्थिति उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार में देखी जा रही है। यूपी के कई जिलों में भारी बारिश के साथ बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है, जबकि उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में 80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाले झोंकों से भूस्खलन और बिजली आपूर्ति बाधित होने का खतरा है। झारखंड और पश्चिम बंगाल में भी ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है, जो फसलों के लिए काल बन सकती है। मध्य प्रदेश और राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में ओले गिरने से गेहूं और सरसों की तैयार खड़ी फसलों को भारी नुकसान होने का डर है, जिससे किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। पश्चिमी भारत के महाराष्ट्र और गुजरात में भी प्री-मानसून गतिविधियों के कारण तापमान में 3 से 5 डिग्री की गिरावट आ सकती है। दक्षिण भारत के राज्यों केरल और तमिलनाडु में भी हल्की बारिश के आसार हैं। प्रशासन ने लोगों को सलाह दी है कि वे खराब मौसम के दौरान पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहें और सुरक्षित स्थानों पर शरण लें। अगले पांच दिनों तक मौसम का यह अस्थिर दौर जारी रहने की संभावना है। फिलहाल, अचानक आई इस ठंडक ने गर्मी से राहत तो दी है, लेकिन आंधी और ओलों के रूप में यह कुदरती मार आम जनता और विशेषकर कृषि क्षेत्र के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभरी है।

ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2026: पाकिस्तान बना दुनिया का सबसे बड़ा आतंकी केंद्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के बदलते स्वरूप और इसके प्रभाव को लेकर जारी की गई ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स (जीटीआई) 2026 की रिपोर्ट ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, पाकिस्तान अब दुनिया का सबसे अधिक आतंकवाद प्रभावित देश बन गया है। इस सूची में पाकिस्तान ने बुर्किना फासो को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया है। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2025 पाकिस्तान के लिए पिछले एक दशक का सबसे खराब साल रहा, जहां 1,045 आतंकी घटनाओं में 1,139 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी।

विशेषज्ञों का मानना है कि आतंकवाद को अपनी सरकारी नीति (स्टेट पॉलिसी) का हिस्सा बनाने वाले पाकिस्तान को अब अपने ही बोए हुए कांटों का दंश झेलना पड़ रहा है। रिपोर्ट में इस गिरावट का मुख्य कारण 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी को बताया गया है, जिसके बाद से सीमा पार आतंकी गतिविधियों को नई ऊर्जा मिली है। विशेष रूप से तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने अफगान धरती का इस्तेमाल लॉन्चपैड के रूप में करते हुए पाकिस्तान में हमलों की झड़ी लगा दी है। साल 2025 में टीटीपी के हमलों में 24 प्रतिशत की भारी वृद्धि देखी गई। इसके अलावा, बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) की सक्रियता और जाफर एक्सप्रेस ट्रेन के अपहरण जैसी घटनाओं ने स्थिति को और भयावह बना दिया है। रिपोर्ट बताती है कि दक्षिण एशिया अभी भी दुनिया का सबसे संवेदनशील क्षेत्र बना हुआ है, लेकिन यहां कुछ देशों ने मिसाल भी पेश की है। जहां फरवरी 2026 में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात बन गए हैं, वहीं नेपाल ने लगातार तीसरे साल शून्य आतंकी घटना के साथ अपनी शांति बरकरार रखी है। बांग्लादेश ने भी 2025 में आतंकी हमलों में 100 प्रतिशत की गिरावट दर्ज कर दुनिया को हैरान किया है। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ता सैन्य तनाव बड़े पैमाने पर विस्थापन और आतंकी संगठनों के लिए नए अवसर पैदा कर सकता है, जो पूरे क्षेत्र की स्थिरता के लिए खतरा है।

भारत की स्थिति में निरंतर सुधार

पाकिस्तान की तुलना में भारत की स्थिति काफी संतुलित और सकारात्मक नजर आ रही है। जीटीआई 2026 की रिपोर्ट में भारत को 6.428 के स्कोर के साथ वैश्विक स्तर पर 13वें स्थान पर रखा गया है। दक्षिण एशिया में भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बाद तीसरे नंबर पर है, लेकिन आतंकी घटनाओं पर लगाम लगाने के मामले में भारत ने प्रभावी सफलता हासिल की है। आंकड़ों के मुताबिक, साल 2025 में भारत में आतंकी हमलों में 43

प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। पिछले एक दशक में भारत का जीटीआई स्कोर 0.415 अंक घटा है, जो देश में सुरक्षा व्यवस्था की मजबूती और आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति का परिणाम है।

व्यापक औद्योगिक निवेश ने पंजाब की कानून-व्यवस्था और शासन में हुए सुधारों पर मुहर लगाई: मुख्यमंत्री मान

चंडीगढ़, 21 मार्च। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज 'शानदार चार साल, भगवंत मान के साथ' श्रृंखला के तहत आप सरकार के अधीन कानून-व्यवस्था पर रिपोर्ट कार्ड पेश किया। इसका उद्देश्य जनता के सामने चार वर्षों के शासन का स्पष्ट और क्षेत्रवार लेखा-जोखा प्रस्तुत करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पंजाब की कानून-व्यवस्था में सुधार अब जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहा है, जो नशों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति, संगठित अपराध पर निरंतर कार्रवाई, पुलिस सुधारों और निवेशकों के बढ़ते भरोसे से संभव हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार की 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के तहत निर्णायक कार्रवाई की गई है, जिसमें 95,000 से अधिक तस्करों को गिरफ्तार किया गया, 772 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति जब्त की गई और 1100 से अधिक गिरोहों का भंडाफोड़ किया गया। इसके अलावा एंटी-ड्रोन सिस्टम जैसे उपायों ने सीमा पार तस्करी रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आगे कहा कि रिकॉर्ड पुलिस भर्ती, आधुनिकीकरण और सड़क सुरक्षा फोर्स जैसे प्रयास पंजाब में कानून लागू करने की मजबूती को दर्शाते हैं। अकाली नेतृत्व पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने गैंगस्टरों को संरक्षण दिया और आपराधिक नेटवर्क को खुली छूट दी, वे अब इतिहास को मिटाकर दोबारा लिखने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे जवाबदेही से बच नहीं सकते। यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब सरकार ने नशों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस (कोई लिहाज न करने) की नीति अपनाई है और कानून का उल्लंघन करने वालों के प्रति कोई नरमी नहीं बरती गई है और न ही बरती जाएगी, बल्कि उन्हें मिसाल कायम करने वाली सजा दी जाएगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मार्च 2022 से अब तक 95,881 नशा तस्करों और सप्लायरों को गिरफ्तार किया गया है और एनडीपीएस एक्ट के तहत 71,228 एफआईआर दर्ज की गई हैं। कार्रवाई संबंधी विवरण साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 10,085 बड़े तस्करों की गिरफ्तारी के साथ नशीले पदार्थों की 6,109 बड़ी/व्यावसायिक खेपें जब्त की गई हैं। नशीले पदार्थों के हॉटस्पॉट (अधिक प्रभावित क्षेत्रों) पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है, जिसके चलते 5625 किलोग्राम हेरोइन, 3461 किलोग्राम अफीम, 1628 क्विंटल भुक्की और 4.96 करोड़ इंजेक्शन, गोलियां, कैप्सूल और सिरप बरामद किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा, 54.47 करोड़ रुपए की ड्रग मनी बरामद की गई है और एनडीपीएस मामलों में 3440 भगोड़े अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा 1556 तस्करों से 772 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त की गई हैं। संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, गैंगस्टर विरोधी टास्क फोर्स (एजीटीएफ) के गठन के बाद 2858 गैंगस्टरों और अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, 35 को निष्क्रिय किया गया और 1105 गैंगों का भंडाफोड़ किया गया है। अपराधों में इस्तेमाल किए गए 2267 हथियार और 655 वाहन भी बरामद किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा, एजीटीएफ ने 6 अप्रैल 2022 से मार्च 2026 तक पंजाब और आसपास के क्षेत्रों में बड़े हत्या मामलों, जबरन वसूली रैकेट, बैंक डकैतियों, गैंगस्टरों की गिरफ्तारी और आतंकवादी साजिशों समेत 38 सनसनीखेज मामलों को सुलझाया है। सीमा सुरक्षा पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, पंजाब की पाकिस्तान के साथ लगभग 560 किलोमीटर लंबी सीमा है और नशों तथा हथियारों की सप्लाई को रोकने के लिए राज्य सरकार ने एंटी-ड्रोन सिस्टम स्थापित किया है। पंजाब ऐसा सिस्टम स्थापित करने वाला पहला राज्य है। उन्होंने आगे कहा, हमने केंद्र से फंड मांगे थे, लेकिन कोई सहायता प्राप्त नहीं हुई। राज्य सरकार ने अपने संसाधनों का उपयोग किया और अब इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। अब तक 806 ड्रोन बरामद किए गए हैं, 1472 ड्रोन गतिविधियों का पता लगाया गया है और ड्रोन के जरिए 341 अवैध हथियार बरामद किए गए हैं। पुलिस सुधारों के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली सरकारों के विपरीत, जो अंतिम वर्ष या चुनावी साल में भर्ती करती थीं, हमारी सरकार ने नियमित भर्ती सुनिश्चित की है। पिछले चार वर्षों में 12,197 भर्तियां की गई हैं, जिनमें 1062 सब-इंस्पेक्टर, 450 हेड कांस्टेबल और 10,285 कांस्टेबल शामिल हैं। उन्होंने आगे बताया कि 1746 कांस्टेबलों (वर्ष 2025) की भर्ती प्रक्रिया जारी है और 3298 कांस्टेबलों (वर्ष 2026) के लिए विज्ञापन जारी किया गया है, जिसके लिए 10 मार्च 2026 से आवेदन मांगे गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस बल के आधुनिकीकरण के लिए 327.69 करोड़ रुपए की लागत से 2904 वाहन खरीदे गए हैं, जिनमें 2258 चार-पहिया और 646 दो-पहिया वाहन शामिल हैं। जनवरी 2024 में शुरू की गई सड़क सुरक्षा फोर्स भारत की अपनी तरह की पहली समर्पित फोर्स है, जो 5500 किलोमीटर से अधिक हाईवे को कवर करती है और इससे मृत्यु दर में 48 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने आगे बताया कि फरवरी 2024 से जनवरी 2026 तक इस फोर्स ने 43,983 हादसों में 47,386 पीड़ितों की मदद की, 19,973 लोगों को मौके पर सहायता दी और 27,413 घायलों को अस्पताल तक पहुंचाया। तकनीकी अपग्रेड पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि एस.ए.एस. नगर और जालंधर में सेफ सिटी प्रोजेक्ट लागू किए गए हैं और जल्द ही इन्हें लुधियाना, अमृतसर और पटियाला में भी शुरू किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब पुलिस एक राष्ट्रीय फोर्स है, जो देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए हर समय तत्पर रहती है। भगोड़ों के खिलाफ कार्रवाई के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार विदेशों से अपना गिरोह चला रहे गैंगस्टरों की प्रत्यर्पण प्रक्रिया के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इस संबंध में कोई भी जानकारी मिलने पर उनके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किए जा रहे हैं। पंजाब की कानून-व्यवस्था में विश्वास को मजबूत करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब देश के सबसे सुरक्षित और शांत राज्यों में से एक है। किसी भी राज्य या देश में निवेश आना कानून-व्यवस्था का सबसे बड़ा प्रमाण होता है, और बड़े स्टील प्लांट द्वारा 3200 करोड़ रुपए का निवेश इस बात को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि कई प्रमुख वैश्विक कंपनियां पंजाब में निवेश करने के लिए आगे आ रही हैं और कई ने पहले ही निवेश शुरू कर दिया है। राज्य बड़े आयोजनों की मेजबानी कर रहा है और अक्टूबर में एशिया कप हॉकी की मेजबानी करेगा। पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब में नशों को संरक्षण देने और फैलाने वाले नेता अब इसे खत्म करने का दावा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि गैंगस्टरों को टिकट देकर किसने उन्हें हल्का इंचार्ज बनाया। ये नेता गैंगस्टरों के बढ़ते प्रभाव के लिए जिम्मेदार हैं और आज भी उन्हें कानूनी व अन्य सहायता प्रदान कर रहे हैं। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक गौरव यादव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त चार बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के मादक द्रव्य निरोधक शाखा ने मादक पदार्थों की आपूर्ति में लिप्त चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से ब्यूप्रेनॉर्फिन की दो हजार से अधिक गोलियां और एविल इंजेक्शन की करीब दस हजार शीशियां बरामद की गई है। आरोपियों की पहचान कुलदीप कुमरा, रोहित गोयल, सतीश और सिद्धार्थ बंसवाल के रूप में हुई है। जिला पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि 31 जुलाई को पुलिस को मादक पदार्थों के तस्करी करने वाले गिरोह के एक बदमाश के बारे में सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने कबीर बस्ती मलका गंज स्थित एक घर में छापा मारा। वहां से कुलदीप कुमार को गिरफ्तार किया। घर की तलाशी के दौरान ब्यूप्रेनॉर्फिन की 133 गोलियां और एविल इंजेक्शन की 420 शीशियां बरामद की गईं। पूछताछ में कुलदीप ने बताया कि उसने बरामद मादक पदार्थ संतनगर निवासी रोहित गोयल से खरीदे थे और उन्हें अवैध रूप से बेचता था। 2 अगस्त को पुलिस ने दबिश देकर रोहित गोयल को भी गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रोहित गोयल ने बताया कि यह दवा और इंजेक्शन उसने भलस्वा डेयरी निवासी सतीश से खरीदी थी। पुलिस ने उसके निशानदेही पर सतीश को गिरफ्तार कर लिया। उसके घर की तलाशी लेने पर ब्यूप्रेनॉर्फिन की करीब दो हजार गोलियां और एविल इंजेक्शन की 4700 शीशियां बरामद हुईं। आरोपी सतीश कुमार ने पूछताछ में बताया कि उसने एविल इंजेक्शन चावड़ी निवासी सिद्धार्थ बंसवाल और ब्यूप्रेनॉर्फिन गोलियां बुराड़ी निवासी वंश त्यागी से खरीदी थी। 5 अगस्त को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सीता राम बाजार चावड़ी बाजार स्थित सिद्धार्थ बंसवाल के घर पर छापा मारा और उसे गिरफ्तार कर लिया। घर की तलाशी के दौरान एविल इंजेक्शन की कुल 4800 शीशियां बरामद हुईं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुलदीप ई-रिक्शा चलाता है और रोहित गोयल फास्ट फूड बेचने का काम करता है। वहीं, सतीश अपने घर के पास एक छोटा सा मेडिकल स्टोर चलाता है। सिद्धार्थ बंसवाल एक मेडिकल स्टोर में काम करता है। चारों जल्दी अमीर बनने के चक्कर में दवाओं की तस्करी करने लगे।

महिला शिक्षकों से अभद्रता के आरोप में प्रिंसिपल का ट्रांसफर

नई दिल्ली। किशनगढ़ स्थित एमसीडी स्कूल के प्रिंसिपल अवधेश महतो का महिला शिक्षकों से अभद्र व्यवहार के आरोपों के बाद तत्काल प्रभाव से ट्रांसफर कर दिया गया। यह मुद्दा बुधवार को स्थायी समिति की बैठक में उठा था। इसके अलावा शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा ने भी इस संबंध में आयुक्त को पत्र लिखा था। एमसीडी के मुताबिक, शिक्षा विभाग अब पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच करेगा। शिक्षिकाओं ने आरोप लगाया था कि प्रिंसिपल का व्यवहार लगातार अपमानजनक और अनुचित रहा जिसकी शिकायतें पहले भी दर्ज कराई गई थीं। विभाग का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई पर निर्णय लिया जाएगा।

22 सेकेंड में प्रिंसिपल ने बीएसए पर बरसाई बेल्ट

लखनऊ। बीएसए अखिलेश प्रताप सिंह को एक प्रधानाध्यापक ने मंगलवार को कार्यालय के अंदर बेल्ट से पीट दिया। आरोपी ने 22 सेकेंड में 3 बेल्ट बरसाईं। जब बीएसए ने पुलिस को कॉल करने के लिए फोन उठाया तो छीनकर उसे भी तोड़ दिया। सरकारी अभिलेख फाड़ दिए। बीचबचाव कर रहे लिपिक प्रेम शंकर मौर्या से भी हाथापाई की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके आरोपी शिक्षक को हिरासत में ले लिया है। दोपहर करीब चार बजे महमूदाबाद विकासखंड के प्राथमिक विद्यालय नदवा के प्रधानाध्यापक बृजेंद्र कुमार वर्मा बीएसए कार्यालय पहुंचे। बीएसए ने एक मामले में उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया प्रधानाध्यापक की लापरवाही पर बीएसए ने उन्हें डाटा। इस पर वह आग बबूला हो गए। बीएसए को अपशब्द कहे। उसके बाद कमर से बेल्ट निकालकर चार से पांच बार प्रहार किया। बेल्ट का लोहे का कुंडा उनके सिर पर भी लगा। बीएसए ने फोन उठाने की कोशिश की उसे छीनकर तोड़ दिया। बीएसए की मेज पर रखे सरकारी अभिलेख भी फाड़ दिए। सुनवाई के दौरान कार्यालय में मौजूद लिपिक प्रेम शंकर ने बीचबराव करने की कोशिश की तो प्रधानाध्यापक ने उनके साथ भी हाथापाई की। कार्यालय के अंदर हो हल्ला सुनकर अन्य कर्मचारी दौड़ाकर अंदर आए और शिक्षक को पकड़ लिया। पुलिस ने शिक्षक को पकडकर कोतवाली लाई। बीएसए की तहरीर पर जान से मारने व सरकारी अभिलेख फाडने की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना की जानकारी होने पर तमाम शिक्षक संगठन के पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे। इंस्पेक्टर अनूप शुक्ला ने बताया मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। वहीं, देर शाम बीएसए ने जिला अस्पताल में अपना मेडिकल करवाया। बीएसए ने बताया कि प्रधानाध्यापक ने अपने विद्यालय की एक सहायक अध्यापिका को लापरवाही बरतने का नोटिस दिया था। इस नोटिस को उसने राजनीतिक की कोशिश की तो प्रधानाध्यापक ने उनके साथ भी हाथापाई की। कार्यालय के अंदर हो हल्ला सुनकर अन्य कर्मचारी दौड़ाकर अंदर आए और शिक्षक को पकड़ लिया। पुलिस ने शिक्षक को पकडकर कोतवाली लाई। बीएसएएग्रुपों में शेयर कर दिया। इस पर शिक्षिका ने शिकायत की थी। इस शिकायत का जवाब देने के लिए कार्यालय बुलाया था। इस दौरान यह घटना हुई। बीएसए अखिलेश प्रताप सिंह ने बताया कि प्रधानाध्यापक को नोटिस का जवाब देने के लिए बुलाया था। दोबारा ऐसा कृत्य न करने की चेतावनी दी थी। इसी दौरान शिक्षक ने मारपीट की।

ट्रैफिक पुलिस में तैनात कई टीआई का सर्कल बदला

नई दिल्ली। राजधानी में ट्रैफिक प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने बड़े पैमाने पर ट्रैफिक इंचार्ज (टीआई) के सर्कल बदले गए हैं। बताया जा रहा है कि करीब 50 टीआई का सर्कल बदला गया है। इतनी बड़ी संख्या में हुए तबादलों को लेकर पुलिस महकमे में खासी चर्चा है। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब लाल किला के सामने हाल ही में हुए धमाके के बाद राजधानी में सुरक्षा अलर्ट बढ़ाया गया है। हालांकि, पुलिस मुख्यालय में तैनात वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि इन तबादलों का लालकिला धमाके से सीधा संबंध नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि यह बदलाव पहले से लंबित था, जिसकी प्रक्रिया पूरी होने के बाद बीते सप्ताह अंत में इसकी सूची जारी की गई है। उन्होंने बताया, राजधानी में ट्रैफिक की बढ़ती चुनौतियों और विभिन्न क्षेत्रों में प्रबंधन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। लालकिला के सामने हुए जोरदार धमाके के बाद दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा चक्र और कड़ा कर दिया है। विभिन्न इलाकों में चेकिंग अभियान तेज कर दिए गए हैं। पुलिस की टीमें प्रमुख बाजारों, संवेदनशील स्थलों, बस अड्डों और मेट्रो स्टेशनों के आसपास गश्त बढ़ा रही हैं। वाहनों की सघन जांच की जा रही है, खासकर उन वाहनों की जो शहर की सीमाओं से प्रवेश कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि दूसरे राज्यों में पंजीकृत वाहनों की जांच पर विशेष जोर दिया जा रहा है। पुलिस यह सुनिश्चित करना चाहती है कि कोई संदिग्ध वाहन या व्यक्ति राजधानी में प्रवेश न कर सके। हालिया धमाके के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने भी अन्य राज्यों की पुलिस को इनपुट साझा कर सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। धमाके से पहले अपनी से राजधानी के कई क्षेत्रों में घूमा था आतंकी धमाका करने वाला आतंकी अपनी कार से सुबह ही दिल्ली पहुंचा था। वह कार से कई इलाकों में घूमा था। जांच एजेंसियों को सीसीटीवी में उसकी कार कई स्थानों पर घूमती दिखाई दी है। ऐसे में दिल्ली पुलिस पर सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े हुए थे।

10वीं में कम नंबर आने पर स्कूल से लापता हुआ छात्र

नई दिल्ली। दिल्ली में अपने स्कूल के मुख्य द्वार से लापता हुआ 14 वर्षीय एक लड़का नानक पियाओ गुरुद्वारा के अंदर पाया गया, जहां वह खराब शैक्षणिक प्रदर्शन के कारण कक्षाएं छोड़ने के बाद आश्रय और भोजन की तलाश में गया था। इसकी जानकारी पुलिस ने गुरुवार को दी। उन्होंने बताया कि रूप नगर क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल में दसवीं कक्षा का छात्र सोमवार को लापता हो गया था। दयालपुर निवासी उसके पिता ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने लगभग 60 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की और पाया कि लड़के को आखिरी बार राणा प्रताप बाग में नानक प्याऊ गुरुद्वारा के पास देखा गया था। पुलिस ने बताया कि गहन तलाशी के बाद, लड़का गुरुद्वारे के अंदर सुरक्षित पाया गया।

पुलिस के अनुसार, लड़का अपनी पढ़ाई से परेशान था और उसने स्कूल न जाने का फैसला किया था। बाद में, जब उसे भूख लगी, तो वह खाना खाने गुरुद्वारे गया। उचित सत्यापन के बाद बच्चे को उसके माता-पिता को सौंप दिया गया, जिससे परेशान परिवार को राहत मिली।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client (SMFG India Credit Co. Ltd.) that Sateesh Kumar is claiming to be the owner of Residential Plot of land area measuring 250 sq. yds., out of Khasra No. 165, situated in Village-Illahabans, Pargana and Tehsil-Dadri, District-Gautam Budh Nagar vide a Sale Deed dated 26.05.2025 executed by Mr. Manoj Lohia in favour of Mr. Sateesh Kumar in respect of the said property, duly regd. with Document No. 5071 (SRO-II, Noida). All persons are hereby informed that above owner wants to mortgage the said property and intends to obtain a loan from our client (SMFG India Credit Co. Ltd.) against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owners over the said property, its mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

For Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
Office No. 200, SF, 23, Shivaji Marg, Najafgarh Road, Moti Nagar, Opp. DLF Tower, New Delhi-110015
E-mail:legal@knalegal.com, Ph.: 011-41112527, 41112528

NAME CHANGE

I hitherto known as NAVEEN KUMAR SAINI S/o BABU LAL SAINI R/o House No. B - 70 , Molarband Village , Molar Band , PO : Badarpur , Dist : South Delhi , Delhi - 110044 have changed my name and shall hereafter be known as NAVIN KUUMAR SAINI .

NAME CHANGE

I Seema Rani W/o Mukesh Garg R/o S-47/1 M3M Solitude, Block S, Near Commercial Places, Sector 89, Hayatpur, Gurgaon - 122505 have changed my name to Seema Garg for future purposes.

NAME CHANGE

I Reshu Kumari D/o Mohanlal Kediya R/o House no.26, Back portion, UG floor, Gali no.12, Sanjay Nagar, N.s. Mandi, PO: N.S. Mandi, DIST: North West Delhi, Delhi-110033 have changed my name to Reshu Aggarwal for all future purposes.

NAME CHANGE

I Manoj Kumar R/o- 473,Hardev Puri,Gautam Nagar,Delhi-110049 Have Changed My Name To Manoj Chaudhary Permanently.

NAME CHANGE

I hitherto Known as G.MOHAN KUMARI D/o CHERKURU BHASKAR NAIDU, W/o G. MADHU residing at E-15 , Sector -34 , Dist. Gautam Buddha Nagar , Uttar Pradesh - 201307 have changed my name and shall hereafter be known as CHERKURU BHASKAR MOHAN KUMARI.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीमती संतोष यादव उर्फ संतोष देवी पत्नी श्री सत्यपाल यादव, निवासी 87ए, ब्लॉक ए-3, सेक्टर 71, नोएडा, जिला गौतम बुद्ध नगर, एक आवासीय प्लॉट, क्षेत्रफल 301.83 वर्ग मीटर, खसरा संख्या 97, स्थित ग्राम शरफबाद, परगना व तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 201301, के मालिक व काबिज बिक्री विलेख दिनांक 30.06.2007, क्रमांक 2051, बुक संख्या 1, जिल्द संख्या 1019, पेज 463-526, सब रजिस्ट्रार 1, नोएडा, द्वारा है। उक्त कथित बिक्री विलेख द्वारा मेरे मुवक्किल संतोष देवी हिस्सा 301.83 वर्ग मीटर एवं बलबीर सिंह पुत्र रामानंद व दशरथ पुत्र मोहर दोनों का हिस्सा 301.83 वर्ग मीटर, तथा रेशमा देवी पत्नी गोपी चंद, अमित पुत्र तेज सिंह व सुरेश पुत्र बथुआ सिंह तीनों के हिस्से 301.83 वर्ग मीटर, संयुक्त रूप से कुल 905.49 वर्ग मीटर आवासीय जमीन खरीदे। मेरे मुवक्किल अपने हिस्से के प्लॉट 301.83 वर्ग मीटर को डेवलप करके साईं अपार्टमेंट, आर्य नगर के नाम बिल्डिंग पर फ्लैट बना कर बेच रहे हैं। उन फ्लैटों में एक आवासीय फ्लैट संख्या एफ टी एच-2, चतुर्थ तल, क्षेत्रफल 35 वर्ग मीटर, श्रीमती कामिनी देवी पत्नी अजीत कुमार को बेच रही हैं, जो आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा निठारी, सेक्टर 31, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर द्वारा फाइनेंस किया जा रहा है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेंस लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
पता - डी-803, नंदग्राम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201003

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि प्रदीप कुमार ने, हमारे मुवक्किल, नई दिल्ली के पीतमपुरा में होम लोन के लिए निवास हाउसिंग फाइनेंस (पूर्व में इंडोस्टार होम फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से ज्ञात) से संपर्क किया है। यह उल्लेख करना आवश्यक है कि दस्तावेजों की श्रृंखला (चेन डॉक्यूमेंट्स) में, दिनांक 04.04.2013 का मूल नोटरी ड्रग्स और दिनांक 29.08.2008 का मूल नोटरी ड्रग्स (स्टाम्प पेपर सहित) उपलब्ध नहीं है। ये दस्तावेज आवासीय प्लॉट संख्या 65-1 से संबंधित हैं, जिसका क्षेत्रफल 25 वर्ग गज (यानी 20.90 वर्ग मीटर) है। यह प्लॉट खसरा संख्या 33 में स्थित है और पंचशील एन्क्लेव, ग्राम ब्रह्मपुर उर्फ ??भाओपुर, परगना व तहसील लोनी, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में आता है। ये दस्तावेज कहीं खो गए हैं या उपलब्ध नहीं हैं। और उक्त संपत्ति—आवासीय प्लॉट संख्या 65--1 (क्षेत्रफल 25 वर्ग गज/20.90 वर्ग मीटर, खसरा संख्या 33, पंचशील एन्क्लेव, ग्राम ब्रह्मपुर उर्फ भाओपुर, परगना व तहसील लोनी, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित)—को नई दिल्ली के पीतमपुरा में होम लोन के लिए निवास हाउसिंग फाइनेंस (पूर्व में इंडोस्टार होम फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड) के पास गिरवी रखा जाने वाला है। यदि कोई व्यक्ति (जिसमें बैंक, वित्तीय संस्थान या कोई अन्य पक्ष शामिल हैं) उक्त संपत्ति या उसके किसी भी हिस्से के संबंध में या उसके विरुद्ध—चाहे वह विरासत, हस्तांतरण, गिरवी, प्रभार (चार्ज), कब्जा, धारणाधिकार (lien) या किसी अन्य माध्यम से हो—कोई दावा (जैसे खसरा संख्या पर आपत्ति), मांग, अधिकार या हित रखता है, तो उसे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर, आवश्यक दस्तावेजी साक्ष्यों के साथ, लिखित रूप में इसकी जानकारी देना अनिवार्य है। ऐसा न करने पर, संबंधित व्यक्ति/व्यक्तियों के उक्त दावे को स्वतः ही त्याग दिया गया (2ड्डद्गह्म्) और निस्तारित मान लिया जाएगा।

सुश्री रानी शिल्पी (अधिवक्ता)
कार्यालय का पता॰ ॥. ह्य. ज़्ञ/181, लस्र, शुक्र बाजार, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059
मोबाइल नंबर॰ 9717780057.

NAME CHANGE

I,Rishabh Singh Son of R.K. Singh Residing at C-55, Sector-47, Noida Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 have changed the name of my minor Son Aadvik Singh aged 08 years and he shall hereafter be known as Aadvik Raghuvanshi.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, NAMRATA SINGHANIA alias NAMRATA AGARWAL D/O VED PRAKASH SINGHANIA EX. WIFE OF CHIRDEEP AGARWAL R/O D-51, Sector-08, Vijay Nagar, Ghaziabad Uttar Pradesh 201009 declare that I got divorce from my Ex Husband CHIRDEEP AGARWAL Vide Court Decree FA No. 421 of 2017 dated 12/04/2017. Further I have changed my name and shall be hereafter known as NAMRATA SINGHANIA for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

Mr. Ashish Kumar Karn and Smt. Kumkum Kumari Owner of the Residential Flat/Dwelling Unit No. G-1306, on 13th Floor, in Tower-G, , in the "HOMES 121" built on Plot No. GH-01, situated at Sector-121, Noida, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P. by Transfer deed executed by Mr. Atul Kaushik and Smt. Veena Kaushik in Favour of Mr. Ashish Kumar Karn and Smt. Kumkum Kumari duly regd. vide doc no 73 , vol no 11670 , page no 179-204 dated 05.01.2023. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house except the charge of SBI RACPC Sector 55 Noida or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor, Patparganj Village, Mayur Vihar, Phase-I, Delhi-1, M-NO- 7252922875

NAME CHANGE

I hitherto known as Krishna W/o Ramesh R/o House Number-366, Rajeev Garden, Loni Dehat, PO: Loni, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as Guddi.

NAME CHANGE

I Jagat Singh Bisht S/o Gopal Singh Bisht R/o Plot No. 222, S1, Second Floor, Shakti Khand 3, Indirapuram, Ghaziabad, Indirapuram, PO:Shipra Sun City, DIST:Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014 have changed the name of my minor son Mihaan Singh Bisht aged 2 years and he shall hereafter be known as Madhav Singh Bisht.

NAME CHANGE

I hitherto known as Sarojni Devi W/o Dalbir Singh R/o House Number-D-453(B), Lajpat Nagar, Sahibabad, Paswada, Pasonda, Garhmukteshwar Ghaziabad Uttar Pradesh-201005 have changed my name and shall hereafter be known as Sarojani Devi.

PUBLIC NOTICE

Mr. Sunder Lal Owner of the Residential House no 035 , Block -SP , Sector -63A , Noida,, Gautam Budh Nagar, U.P. by Transfer deed executed by Mr. Mahesh Chand in favour of Mr. Sunder Lal duly regd. vide doc no 7851, vol no 9913, page no 1-50 dated 31.10.2018 Mr. Sunder Lal have lost Original death certificate of Mr. Jay Prakash and will dated 12.07.2010 of Mr. Jay Prakash of said property , for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house except the charge of SBI RACPC Sector 55 Noida or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor, Patparganj Village, Mayur Vihar, Phase-I, Delhi-1, M-NO- 7252922875

सार्वजनिक सूचना

सामान्य जन को सूचित किया जाता है कि मैं, श्रीमती ज्योति मेहतानी, फ्लैट संख्या 24A, 24B एवं 24C, स्थित न्यू सेंट्रल मार्केट (शंकर मार्केट), कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001 के संबंध में, अपने पक्ष में निष्पादित GPA, SPA, ATS एवं रिलिंक्विशमेंट डीड्स के आधार पर, अपने नाम पर प्रतिस्थापन/म्यूटेशन हेतु L&DO/NDMC में आवेदन कर रही हूं। यदि उपरोक्त आवेदन के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति/दावा हो, तो वह अपने सहायक दस्तावेजों सहित इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के भीतर L&DO/NDMC को पंजीकृत डाक द्वारा, कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा ईमेल soestateii@ndmc.gov.in के माध्यम से सूचित कर सकता है, अन्यथा इसके पश्चात किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

श्रीमती ज्योति मेहतानी
पता॰ फ्लैट नंबर 24, शंकर मार्केट, कनॉट प्लेस, दिल्ली - 110001
फोन नंबर॰ 9810244171

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री मनीष सिंह पुत्र श्री शैलेंद्र, खसरा संख्या 16 में स्थित खसरा संख्या 16 के आवासीय मुक्त होल्ड प्लॉट संख्या E-772 के एक भाग (25 वर्ग गज, यानी 20.90 वर्ग मीटर) को, जो सुधीर एन्क्लेव, ग्राम हकीकतपुर उर्फ खुदाबंस, परगना, तहसील एवं जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है, श्री साधुशरण शाह पुत्र श्री आनंदी शाह द्वारा दिनांक 16.07.2025 को निष्पादित नोटरीकृत जीपीए, एटीएस और वसीयत के अनुसार कोमल को बेचा जा रहा है। इस संपत्ति का वित्तपोषण एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का विवाद है, तो कृपया वर्तमान सूचना के 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi, Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE

I Shallu Rani Chawla W/o Sachin Chawla, J-10/85, 3rd Floor , Rajouri Garden ,Dist : West Delhi, New Delhi ,P.O : Rajouri Garden, Pin Code : 110027 have changed my name to Shallu Chawla for all future purposes.

NAME CHANGE

I SHIVBHGVAN S/o Parmeshwar Ram, R/o HOUSE NO 12-13 ADITIONAL FLOOR PORTION 2ND FLOOR, PKT 15 SEC 24, BACK SIDE OF SOVEREIGN SCHOOL, ROHINI, Rohini Sector-24, Rithala, North West Delhi, Delhi, 110085 have changed my name to Shivbhagvan for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Mohd Abid S/o Sugan Ali R/o H.No.B-250, Street No.13/8, Abdul Hamid Marg, Subhash Vihar, Delhi-110053 have changed my name to Abid Malik.

NAME CHANGE

I, Sazauddin S/o Sugan Ali R/o H.No.B-250, Street No.13/8, Abdul Hamid Marg, Subhash Vihar, Delhi-110053 have changed my name to Sugan Ali.

NAME CHANGE

I, ARHAM AHMED s/O RASHiD AHMED, R/O,RASHID AHMED HOUSE NO 534 STREET MO-39 JAKiR Nagar OKHLA 110025, HEREBY DECLARE THAT MY NAME HAS BEEN CHANGED FROM MOHAMMAD ABDUL ARHAM TO ARHAM AHMED, FOR ALL PURPOSES.

NAME CHANGE

I, JC-343745A, Rank-NB SUB, Name-AJIT SINGH residing at VILL-BASS BIJOLI, PO-KASANI, DIST-JHUNJHUNU, RAJASTHAN-333029, have changed my mother's name from BHAWARI to BHANWARI for all future purposes vide affidavit dated 21/03/2026 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE

My clients Sandhya Wife Of Late Shri Brij Mohan Resident Of D-213, Gali No.1a, Sangam Vihar, New Delhi-110080, has disowned/debarred their son Neeraj Mohan and his Wife Nandini Mohan from all his/her moveable/immovable properties/assets and severed all their relations with them due to their misbehavior/misconduct towards my clients. If anybody dealing with her son and his wife in any manner will do so at his/her/their own risk and responsibility. My clients shall not responsible for any kind of acts done by his son and his wife.

MUKESH KUMAR
ADVOCATE
CH.NO.888, LAWYERS BLOCK SAKET COURT, NEW DELHI-17

NAME CHANGE

I, JETAVAT ANSUYABEN MAHENDRASINH Mother of No-15826447H Rank-NK Name-JETAVAT JAYRAJSINH MAHENDRASINH residing at A-31, JANKI HIGHTES, B/H PARIMAL BUNGLOWS SARDAR CHOWK, PO+PS-KRUSHNANAGAR, TEH+DIST-AHMEDABAD, GUJARAT-382345, have changed my name from JETAVAT ANSUYABEN MAHENDRASINH to ANSUYABEN MAHENDRASINH JETAVAT for all future purposes vide Affidavit dated 21/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JETAVAT MAHENDRASINH Father of No-15826447H Rank-NK Name-JETAVAT JAYRAJSINH MAHENDRASINH residing at A-31, JANKI HIGHTES, B/H PARIMAL BUNGLOWS SARDAR CHOWK, PO+PS-KRUSHNANAGAR, TEH+DIST-AHMEDABAD, GUJARAT-382345, have changed my name from JETAVAT MAHENDRASINH to MAHENDRASINH DEVENDRASINH JETAVAT for all future purposes vide Affidavit dated 21/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, SIDDAVVA Mother of No-2615450Y Rank-HAV Name-MARUTI MAKKALAGERI residing at VPO-DURADUNDI, TEH-GOKAK, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591310, have changed my name from SIDDAVVA to SIDDAVVA MAKKALAGERI for all future purposes vide Affidavit dated 21/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, YALLAPPA Father of No-2615450Y Rank-HAV Name-MARUTI MAKKALAGERI residing at VPO-DURADUNDI, TEH-GOKAK, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591310, have changed my name from YALLAPPA to YALLAPPA MAKKALAGERI for all future purposes vide Affidavit dated 21/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, JC-442002A Rank-SUB Name-S MANIKANNAN Father of M DINESH KUMAR residing at VPO-ERAVANGUDI, TEH-UDAYARPALAYAM, DIST-ARIYALUR, TAMIL NADU-621803, have changed my minor son's name from M DINESH KUMAR to DINESH KUMAR M for all future purposes vide Affidavit dated 21/03/2026 before Notary Public, Delhi.

अभियुक्त व्यक्तियों की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)
(84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि दो अभियुक्त **1. अंकित नलवा पुत्र रवीश पताः फ्लैट नं 1202 टावर-सी, एपेक्स एथेना, सेक्टर-75, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा यूपी और गांव असा मेरठ, उत्तर प्रदेश 2. सुमित पुत्र सोहन लाल पता दूसरी मंजिल, ए-ब्लॉक, विपुल वर्ल्ड, सेक्टर-48, गुरूग्राम, हरियाणा और 80/5, लडवानी रोड़, कुरूक्षेत्र, हरियाणा। ने प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 317/2025 दिनांक 28.10.2025 धारा 316(2)/318(4)/336(3)/340(2)/61(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत थाना क्राईम ब्रांच, नई दिल्ली** के अन्तर्गत दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उस पर जारी किए गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **1. अंकित नलवा 2. सुमित** नहीं मिल रहे हैं और मुझे संवादनप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **1. अंकित नलवा 2. सुमित** फरार हो गये हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे हैं)। अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 317/2025 दिनांक 28.10.2025 धारा 316(2)/318(4)/336(3)/340(2)/61(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत थाना क्राईम ब्रांच, नई दिल्ली के उक्त 1. अंकित नलवा 2. सुमित** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायलय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **29.04.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
हर्षिता मिश्रा
मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी
कोर्ट नं 38, भूतल,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/3583/Crime/2026

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्तः **आमिर उर्फ दानिश, पुत्रः तुफेल अहमद, निवासीः मकान नं. 330, शहीद नगर, थाना साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No. 247/2017 U/S 33 & 38 दिल्ली आबकारी अधिनियम-2009** के तहत एक मामला **थाना कश्मीरी गेट, उत्तरी जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **आमिर उर्फ दानिश** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **आमिर उर्फ दानिश** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **FIR No. 247/2017 U/S 33 & 38 दिल्ली आबकारी अधिनियम-2009, थाना कश्मीरी गेट, उत्तरी जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **आमिर उर्फ दानिश** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए **दिनांक 13.05.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार, श्री वैभव गर्ग
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-11 (केंद्रीय),
कमरा संख्या 138, तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली।

DP/3575/N/2026
(अदालती मामला)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रमन कुमार, पुत्रः** छोटे लाल, **निवासीः** म.नं. 19, गली नं. 7, गगन विहार, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने मुकदमा **FIR No. 568/2021 U/s 379/411 IPC, थानाः कश्मीरी गेट, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रमन कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रमन कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 568/2021 U/s 379/411 IPC, थानाः कश्मीरी गेट, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **रमन कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **26.05.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री वैभव गर्ग
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी-11 (केन्द्रीय)
कमरा नं. 138
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/3573/N/2026
(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में प्लानिंग ऑफिसर्स की होगी भर्ती, 31 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग (टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग) में योजना अधिकारी (प्लानिंग ऑफिसर्स) के 31 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह नियुक्तियां अनुबंध (कॉन्ट्रैक्ट) आधार पर की जाएंगी, जिनमें चयनित उम्मीदवारों को प्रतिमाह 50 हजार रुपये का निश्चित वेतन दिया जाएगा राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह पूरी तरह अस्थायी नियुक्ति होगी और इसे नियमित किए जाने की कोई संभावना नहीं है। भर्ती प्रक्रिया में चयन का आधार इंजीनियरिंग में स्नातक अभिक्षमता परीक्षण-गेट (वास्तुकला और नियोजन) (ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग) का स्कोर होगा। वर्ष 2024, 2025 या 2026 में गेट पास करने वाले उम्मीदवार इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। मेरिट सूची पूरी तरह गेट स्कोर के आधार पर तैयार की जाएगी। आवेदन की अंतिम तिथि 6 अप्रैल निर्धारित की गई है। इसके बाद 20 अप्रैल को प्रोविजनल रिजल्ट जारी किया जाएगा, 28 अप्रैल को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन होगा और 1 मई को फाइनल रिजल्ट घोषित किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को 8 मई तक ऑफर लेटर जारी करने की योजना है। चयनित योजना अधिकारी की नियुक्ति चंडीगढ़ या हरियाणा के किसी भी जिला मुख्यालय पर की जा सकती है। यह पद ट्रांसफरेबल होगा, यानी आवश्यकता अनुसार स्थान परिवर्तन किया जा सकेगा।

बरसात से बदला मौसम का मिजाज, फसलों पर पड़ा प्रभाव

रोहतक। जिले में रूक-रूक कर हो रही बरसात से मौसम का पूरी तरह से मिजाज बदल गया है, वहीं तापमान में भी काफी गिरावट आई है। बरसात व तेज हवाओं से गेहूं व सरसों की फसल को भी काफी प्रभाव पड़ा है, जिसके चलते किसानों की चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि इसी तरह से अगर बारिश व तेज हवाएं चलती रही तो उन्हें काफी नुकसान उठाना पड सकता है। पहले भी हुई बेमौसम बरसात के कारण काफी फसल खराब हो गई थी और अभी तक खराब फसलों का लंबित मुआवजा भी सरकार द्वारा उन्हें नहीं मिला है। जिले में दो दिन से लगातार रूक रूक कर बरसात हो रही है। बरसात के कारण पूरी तरह से मौसम ने करवट ले ली है और तेज हवाएं चलने के साथ ठंड दोबारा से बढने लगी है। लोगों का कहना है कि जनवरी माह में ठंड के मौसम में गर्मी का अहसास होने लगा था और अब मार्च माह में गर्मी के मौसम में ठंड का अहसास हो रहा है। बेमौसम बरसात के चलते लोगों को अपने कामकाज करने में परेशानियों का भी सामना करना पड़ा रहा है, वहीं किसान भी इस बरसात से पूरी तरह से परेशान है, क्योकि बरसात व तेज हवाओं के चलते खेतों में खड़ी पक्की पकाई गेहूं व सरसों की फसल गिरने लगी है और अब फिर दोबारा से बरसात हुई तो फसल पूरी तरह से खराब हो जाएगी।

हर वर्ग के कल्याण के लिए किया जा रहा निरंतर कार्य : डा. कृष्ण मिड्ढा

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा है कि अभी तक किसी भी पूर्व सरकार में किसी भी गांव में विकास कार्यों के लिए इतना पैसा नहीं दिया है, जितना वर्तमान सरकार ने गांव के चंहुमुखी विकास के लिए दिया है। शहरी क्षेत्र के साथ-साथ ग्रामीण आंचल का सवार्गिण विकास किया जा रहा है। जिसका लाभ प्रत्येक वर्ग को मिल रहा है। सामूहिक कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। सरकार के पास विकासात्मक कार्य हेतु धन की कोई कमी नहीं है। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जींद में पांच अप्रैल को प्रस्तावित विकास एवं धन्यवाद रैली में निमंत्रण के लिए दौरे के दौरान बोल रहे थे। उन्होंने गांव वासियों से आह्वान किया कि वे आगामी पांच अप्रैल को जींद में प्रस्तावित मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की विकास एवं धन्यवाद रैली में पहुंचे। मुख्यमंत्री इस दिन क्षेत्रवासियों को करोड़ों रुपये की विकासात्मक परियोजनाओं की सौगात देंगे। डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने विधानसभा क्षेत्र के गांव पिंडारा, निर्जन, मांडो, मनोहरपुर, बरसाना, लोहचब, खूंगा, रायचंदवाला, तलोडा और खेड़ी तलोडा में मुख्यमंत्री की विकास रैली में पहुंचने के लिए न्यौता दिया। डिप्टी स्पीकर कृष्ण लाल मिड्ढा ने गांव पिंडारा में 20 लाख रुपये की लागत से तैयार चार गलियों का उद्घाटन किया।

रूस-यूक्रेन युद्ध में मारे गए कैथल के युवक का पांच माह बाद आया शव,नम आंखों से विदाई

कैथल। रूस-यूक्रेन युद्ध की विभीषिका ने एक और भारतीय परिवार की खुशियों को छीन लिया। कैथल जिले के गांव रोहेड़ा का 22 वर्षीय युवक गीतिक जो बेहतर भविष्य के सपनों को संजोए रूस गया था, अब उसका शव पैतृक गांव पहुंचा। पांच महीने बाद जब उसका पार्थिव शरीर गांव पहुंचा तो हर आंख नम थी और माहौल गमगीन हो उठा। दोपहर के समय पूरे गांव की मौजूदगी में गीतिक का अंतिम संस्कार किया गया। जैसे ही शव गांव पहुंचा तो परिजनों की चीख-पुकार और ग्रामीणों की नम आंखों ने वातावरण को शोकाकुल बना दिया। गीतिक वर्ष 2024 में रोजगार की तलाश में रूस गया था। वहां बेहतर कमाई के सपनों ने उसे रूसी सेना में भर्ती होने के लिए प्रेरित किया। बताया जाता है कि वह डोनबास बॉर्डर पर तैनात 444 बटालियन में कार्यरत था। इसी दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध के तनावपूर्ण माहौल में हुए विस्फोट और गोलीबारी के बीच उसकी जान चली गई। शुरुआत में रूसी सेना की ओर से गीतिक को लापता बताया गया, जिससे परिवार की उम्मीदें बनी रहीं।

एमओयू से हर घर स्वच्छ जल के लक्ष्य को मिलेगी नई गति : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में जल जीवन मिशन के दूसरे चरण को लागू करने के लिए वर्चुअल माध्यम से केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में केंद्र सरकार व हरियाणा सरकार के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। हरियाणा सरकार की ओर से जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के आयुक्त एवं सचिव मोहम्मद शाइन ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। एमओयू हस्ताक्षरित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। इस अवसर पर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी तथा मुख्यमंत्री के उप प्रधान सचिव श्री यशपाल उपस्थित रहे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि जल जीवन मिशन-2.0 के अंतर्गत राज्य सरकारों व केंद्र सरकार के बीच साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए

आज हुआ यह एमओयू बहुत महत्वपूर्ण है। जल जीवन मिशन के दूसरे चरण में राज्य सरकार का ध्यान केवल जल आपूर्ति तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि उसकी गुणवत्ता, स्थिरता और दीर्घकालिक प्रबंधन पर भी केंद्रित होगा। इसके तहत जल भंडारण टैंकों का आधुनिकीकरण, शेष परिवारों को पाइप लाइन जल आपूर्ति से जोड़ना और दक्षिण हरियाणा के जल संकटग्रस्त क्षेत्रों जैसे नूंह, पलवल और महेंद्रगढ़ में विशेष परियोजनाओं का क्रियान्वयन किया जाएगा। इन सभी योजनाओं पर लगभग 3000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन के पहले चरण में हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक नल और पर्याप्त पेयजल की सतत आपूर्ति सुनिश्चित करने का राज्य सरकार ने जो संकल्प लिया, उसे साकार भी किया। वर्ष 2019 में जल जीवन मिशन की जब शुरुआत हुई थी तब हरियाणा में केवल 58 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों में नल का कनेक्शन था, लेकिन सरकार के सतत प्रयासों से 6 अप्रैल, 2022 को ही सरकार ने शत-प्रतिशत कवरेज हासिल कर देश के अग्रणी राज्यों में अपना स्थान बनाया है। यह उपलब्धि हरियाणा के लाखों परिवारों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब महिलाओं को दूर-दूर से पानी लाना पड़ता था, लेकिन अब महिलाओं को उनके घरों में ही स्वच्छ जल उपलब्ध कराने से आए परिवर्तन सामाजिक सम्मान और जीवन स्तर में सुधार का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा में जल आपूर्ति का एक मजबूत और व्यापक इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित किया जा चुका है।

हरियाणा में पांच कांग्रेस विधायकों को दोबारा जारी हुए नोटिस

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस ने राज्य सभा चुनाव के दौरान क्रास वोटिंग के आरोपी पांच विधायकों को दोबारा नोटिस जारी किया है। यह नोटिस शुक्रवार की रात जारी किए गए हैं। पहले नोटिस की शब्दावली को लेकर आज दिन भर कांग्रेस हाईकमान की कार्यप्रणाली चर्चा का विषय बनी रही। विधायकों पर कार्रवाई को लेकर पार्टी प्रभारी बीके हरिप्रसाद शुरू से संदेह के दायरे में रहे हैं। इस मामले में नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र हुड्डा समेत कई वरिष्ठ विधायक क्रॉस वोटिंग के मामले में पांच विधायकों के नाम लेते रहे हैं। कांग्रेस ने 18 मार्च को बीके हरिप्रसाद ने क्रास वोटिंग के आरोप में चार विधायकों के नाम लिए। जिन्हें उसी दिन पार्टी की तरफ से नोटिस जारी कर दिए गए। पार्टी प्रभारी पर जब पांचवें विधायक का नाम सार्वजनिक करने का दबाव बढ़ा तो शुक्रवार की सुबह रतिया के विधायक जरनैल सिंह को भी नोटिस जारी कर दिया गया। यह नोटिस सार्वजनिक हुए तो किसी भी नोटिस में विधायकों की क्रास वोटिंग शब्द नहीं लिखा गया था। विधायकों को वोट अमान्य होने का दावा करते हुए नोटिस जारी किया गया। इसे लेकर पूरा दिन हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा। विधायकों को जारी किए गए नोटिस में ढेरों खामियां होने के कारण खुद कांग्रेस हाईकमान उलझती दिख रही थी। बागी विधायकों ने नोटिसों को आधार बनाकर पार्टी को घेरने की तैयारी भी कर ली। जिसके चलते शुक्रवार की रात पांचों विधायकों को नए सिरे से नोटिस जारी किया गया है। इस बार इस नोटिस में क्रॉस वोटिंग करने का जिक्र है। अब नए नोटिस विधायकों के उपर लगाए जा रहे आरोपों के अनुसार ही जारी किए गए हैं।

हरियाणा में गैस की किल्लत नहीं तो एजेंसियों पर कतारें क्यों : हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने देशभर में गैस की किल्लत पर सवाल उठाते हुए कहा है कि अगर प्रदेश में एलपीजी की कोई किल्लत नहीं है तो गैस एजेंसियों के बाहर लाइनें क्यों लगी हुई हैं। चंडीगढ़ में अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में हुड्डा ने कहा कि सरकार की तरफ से स्थिति स्पष्ट नहीं की जा रही है। कई जगह कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई पूरी तरह रोक दी गई है, जिसके कारण होटल, रेस्तरां, ढाबे, कैटरिंग और अन्य छोटे-बड़े व्यवसाय ठप पड़ गए हैं या बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। कई जगह सिलेंडर बुकिंग और डिलीवरी में देरी हो रही है। इसके चलते कालाबाजारी भी चालू हो गई है। ऐसे में सरकार को जनता के सामने एलपीजी की सही स्थिति रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दो दिन से रुक-रुककर हो रही बेमौसमी बारिश से गेहूं और सरसों की फसल को भारी नुकसान हुआ है। ऐसे में सरकार को तुरंत गिरदावरी करवाकर किसानों को मुआवजा देना चाहिए। राज्यसभा चुनाव पर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि एक सीट जीतने के लिए न्यूनतम 31 मतों की आवश्यकता थी और कांग्रेस के पक्ष में विधायकों ने 32 वोट डाले। लेकिन निर्वाचन अधिकारी ने बीजेपी के साथ मिलकर साजिश की और हमारे 4 वोट रद्द कर दिए। इसके विरुद्ध कांग्रेस ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा है और चुनाव आयोग को भी शिकायत की है। साथ ही कांग्रेस के जिन 5 लोगों ने क्रॉस वोटिंग की है, उन पर हाई कमान की तरफ से एक्शन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

केंद्रीय विद्यालयों में प्रवेश सत्र 2026-27 के लिए समय-सारणी जारी - उपायुक्त

एजेंसी

तावडू। उपायुक्त अखिल पिलानी ने बताया कि केंद्रीय विद्यालय संगठन की ओर से शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश हेतु प्रस्तावित समय-सारणी जारी की गई है। इस समय-सारणी के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से निर्धारित तिथियों पर संपन्न की जाएगी। उन्होंने बताया कि जारी कार्यक्रम के अनुसार बालवाटिका-1 व 3 तथा कक्षा-1 के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 20 मार्च 2026 को प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होगा, जिसकी अंतिम तिथि 2 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। इसके पश्चात चयनित एवं प्रतीक्षा सूची के अभ्यर्थियों की पहली अस्थायी सूची बालवाटिका-1 व 3 की 8 अप्रैल तथा कक्षा-1 की 9 अप्रैल 2026 को जारी की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर दूसरी सूची

16 अप्रैल तथा तीसरी सूची 21 अप्रैल 2026 को जारी की जाएगी। यदि ऑनलाइन माध्यम से पर्याप्त आवेदन प्राप्त नहीं होते हैं, तो आरक्षित वर्गों के लिए दूसरी अधिसूचना 21 अप्रैल 2026 को जारी की जाएगी तथा ऑफलाइन पंजीकरण 22 अप्रैल से 26 अप्रैल 2026 तक किया जाएगा। इसके बाद 27 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 के बीच सूची प्रदर्शित कर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। बालवाटिका-2 तथा कक्षा द्वितीय तथा कक्षा 11वीं को छोड़कर अन्य कक्षाओं में प्रवेश के लिए पंजीकरण 2 अप्रैल से 8 अप्रैल 2026 तक ऑफलाइन माध्यम से, रिक्त सीटों की उपलब्धता के आधार पर किया जाएगा। इन कक्षाओं के लिए सूची 13 अप्रैल को जारी होगी तथा प्रवेश 15 अप्रैल से 20 अप्रैल 2026 तक होंगे। कक्षा 11वीं को छोड़कर अन्य सभी कक्षाओं में प्रवेश की अंतिम तिथि 30 जून 2026 निर्धारित की गई है। यदि इसके बाद भी सीटें रिक्त रहती हैं, तो उपायुक्त के विशेष अधिकार के तहत 31 जुलाई 2026 तक प्रवेश दिए जा सकेंगे। कक्षा 11वीं में प्रवेश के लिए केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों का पंजीकरण कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम घोषित होने के 10 दिनों के भीतर किया जाएगा, जबकि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रवेश प्रक्रिया रिक्त सीटों के आधार पर बाद में संचालित होगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सभी सूचियां संबंधित विद्यालयों के सूचना पट्ट, वेबसाइट एवं सोशल मीडिया माध्यमों पर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित की जाएंगी। साथ ही, यदि निर्धारित तिथि किसी सार्वजनिक अवकाश के दिन पड़ती है, तो अगला कार्य दिवस मान्य होगा।

स्मार्ट पुलिस बनकर करना होगा काम: डीआईजी

एजेंसी

सिरसा। पुलिस उप महानिरीक्षक मनवीर सिंह ने कहा कि आधुनिकता के इस युग में स्मार्ट पुलिस बनकर काम करना होगा। इसके लिए हमें अपनी कार्य क्षमता को और अधिक बेहतर बनाना होगा और नए विचारों को अपनाना होगा। नागरिकों के लिए सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु हमें स्मार्ट पुलिसिंग और सामुदायिक पुलिसिंग पर काम करना होगा। उन्होंने नशे के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति पर जोर देते हुए कहा कि नशा तस्करों खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा कि नशे के कारोबार में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ पुलिस को ओर अधिक आक्रामक रुख अपनाना होगा।डीआईजी मनवीर सिंह सिरसा में पुलिस अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। डीआईजी मनवीर सिंह ने जिले सिरसा की कानून व्यवस्था का विश्लेषण करते हुए पर्यवेक्षण अधिकारियों से उनके संबंधित क्षेत्रों में अपराध की प्रकृति और वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। बैठक के दौरान इस वर्ष अब तक दर्ज हुए जघन्य अपराधों के मामलों की बिंदुवार समीक्षा की गई

और लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक पुख्ता करने के उद्देश्य से जिले में लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली और उनकी पहुंच की भी समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे अपराध की रोकथाम तथा अपराधियों की पहचान करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं,इसलिए सीसीटीवी कैमरों को नियमित चैक करें ताकि अपराध करने वाला व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में बच न पाएं। उन्होंने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए सभी थाना एवं चौकी क्षेत्र में नियमित रूप से पुलिस पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जाए तथा सीलिंग प्लान के तहत नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की जाए। महिला एवं बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और पीड़ितों को संवेदनशीलता के साथ सहायता प्रदान की जाए।

उन्होंने कहा कि सडक़ दुर्घटनाओं के कारण देश में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु होती है तथा कई लोग गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। इसलिए आमजन को मोटर वाहन अधिनियमों की पालना के लिए प्रेरित किया जाए। एसपी दीपक सहारन ने कहा कि नशे की डिमांड को खत्म करने के लिए सिरसा पुलिस लगातार गांव गांव जाकर युवाओं व आमनज को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक कर रही है। इस अवसर पर डीएसपी हेडक्वाटर आदर्शदीप, डीएसपी संजीव बल्हारा, डीएसपी राजसिंह व डीएसपी राजेश मौजूद रहे।

यमुनानगर में लागू होगा नया सेक्टर प्लान

एजेंसी

चंडीगढ़। यमुनानगर-जगाधरी के शहरी विकास को नई दिशा देने की तैयारी तेज हो गई है। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने सेक्टर-12 और 12-ए के सेक्टोरल प्लान को सैद्धांतिक मंजूरी देते हुए आम लोगों से आपत्तियां और सुझाव मांगे हैं। इस प्लान के तहत सेक्टर-12 को रिहायशी, कमर्शियल और पब्लिक यूटिलिटी जोन के रूप में विकसित किया जाएगा, जबकि सेक्टर-12ए पूरी तरह रिहायशी क्षेत्र रहेगा। यह पूरा विकास खाका फाइनल डेवलपमेंट प्लान-2041 के तहत तैयार किया गया है।

टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने साफ कर दिया है कि किसी भी तरह की आपत्ति या सुझाव देने के लिए नागरिकों के पास सिर्फ 30 दिन का समय है। तय अवधि के बाद आने वाली आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। लोग अपनी आपत्तियां लिखित रूप में एसटीपी कार्यालय, पंचकूला में जमा कर सकते हैं। इसके बाद संबंधित अधिकारी इन आपत्तियों की समीक्षा कर अंतिम निर्णय के लिए रिपोर्ट तैयार करेंगे।

विभाग ने पारदर्शिता बढ़ाते हुए सेक्टोरल प्लान को अपनी वेबसाइट पर भी अपलोड किया है। आम नागरिक पहले से मौजूद ड्राफ्ट और नए प्रस्तावित प्लान दोनों की तुलना कर सकते हैं और अपनी राय दे सकते हैं।

सेक्टर-12 और 12-ए को चौड़ी सडक़ों, ग्रीन बेल्ट और अलग-अलग ज़ोन में बांटकर प्लान किया गया है। इसमें 45 मीटर और 60 मीटर चौड़ी सड़कों के साथ कमर्शियल बेल्ट और पब्लिक यूटिलिटी के लिए भी जगह तय की गई है।

सुशासन का मूल मंत्र: तेजी, पारदर्शिता और समयबद्ध निपटान : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने प्रशासनिक व्यवस्था में गति और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कहा कि किसी भी सरकार की कार्यक्षमता का सही आकलन उसके कार्यालयों में फाइलों की गति से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जब फाइलें समय पर आगे बढ़ती हैं, तो उसका सीधा लाभ आम जनता को मिलता है और विकास कार्यों को नई रफ्तार मिलती है। विज ने स्पष्ट किया कि उनकी कार्यशैली का मूल सिद्धांत यही है कि कोई भी फाइल अनावश्यक रूप से लंबित न रहे। इसी उद्देश्य से वे अपने विभागों की नियमित समीक्षा करते हैं और अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हैं कि प्रत्येक फाइल का शीघ्र, पारदर्शी और प्रभावी निपटान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक देरी न केवल विकास कार्यों को प्रभावित करती है, बल्कि इससे जनता का विश्वास भी कमजोर होता है। इसी क्रम में विज के वरिष्ठ सचिव विजय शर्मा और निजी सचिव दलबीर सिंह अंबाला पहुंचे, जहां विज ने ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम विभाग से संबंधित फाइलों की स्थिति की समीक्षा कर उनका त्वरित निपटान सुनिश्चित किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए

कि सभी प्रक्रियाएं समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएं और किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी न हो। विज ने बताया कि उनके द्वारा अधिकारियों को जनहित से जुड़े मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता से निपटने के निर्देश दिए हुए है क्योंकि इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है और उसका मूल उद्देश्य जनकल्याण है, इसलिए हर अधिकारी और जनप्रतिनिधि का कर्तव्य है कि वह पूरी ईमानदारी और जवाबदेही के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करे। उन्होंने आगे कहा कि सुशासन का अर्थ केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करना भी है। जब तक फाइलों का समय पर निपटान नहीं होगा, तब तक योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंच सकेगा। इसी सोच के साथ वे अपने विभागों में कार्य संस्कृति को अधिक गतिशील, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

एआई के लिए बहुविषयक ज्ञान व विश्लेषण आवश्यक: प्रो. वेरोनिका

एजेंसी

सिरसा। सिरसा के जननायक चौधरी देवीलाल विद्यापीठ (जेसीडी) में इंटरनेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। कांफ्रेंस के मुख्य वक्ता ट्रनावा विश्वविद्यालय, स्लोवाकिया के प्रो. वेरोनिका स्टॉफोवा ने कहा कि छात्रों को केवल उपयोगकर्ता नहीं, बल्कि सूचना का विश्लेषक बनना चाहिए। प्रो. स्टॉफोवा ने कहा कि तकनीकी क्षेत्र में हो रहे निरंतर विकास को देखते हुए, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के विकास के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण है। विभिन्न विषयों की विशेषज्ञता को एकीकृत करके, यह दृष्टिकोण न केवल एआई की समझ को गहरा करता है, बल्कि नवाचार को भी गति प्रदान करता है। विविध दृष्टिकोणों का समावेश रचनात्मक प्रक्रिया को समृद्ध करता है, जिससे ऐसी उपलब्धियां प्राप्त होती हैं जो किसी एक विषय की सीमाओं के भीतर संभव नहीं हो सकतीं। इसके अलावा, एआई द्वारा उत्पन्न जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए यह सहयोगात्मक तालमेल अत्यंत आवश्यक है, जिन्हें पूरी तरह से समझने और प्रभावी ढंग से हल करने के लिए अक्कसर कई क्षेत्रों की अंतरदृष्टि की आवश्यकता होती है। उन्होंनें चैट जीपीटी द्वारा एआई का उपयोग पर चर्चा की। उन्होंने शैक्षिक प्रक्रियाओं में सही और पारदर्शी शब्दावली के उपयोग की अनिवार्यता पर जोर दिया है, ताकि तकनीकी शिक्षा को बेहतर ढंग से समझा जा सके। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि स्कूलों में केवल तकनीक (हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर) चलाना सिखाया जा रहा है, न कि सूचना विज्ञान। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के संयोजक डॉ. जयप्रकाश ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बहुविषयक दृष्टिकोण की जांच का महत्व अत्यंत महत्वपूर्ण है। अनुसंधान, नवाचार और अनुप्रयोग पर इसका परिवर्तनकारी प्रभाव पारंपरिक सीमाओं से कहीं अधिक व्यापक है। जैसे-जैसे एआई स्वास्थ्य सेवा, गणित, कला और कृषि जैसे विविध क्षेत्रों में एकीकृत हो रहा है, अंत:विषयक दृष्टिकोण जटिल, वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने की इसकी क्षमता को बढ़ाता है।

जिला जेल में ओपन जिम का उद्घाटन

एजेंसी

सिरसा। सिरसा जिला जेल में बंदियों के स्वास्थ्य एवं पुनर्वास को ध्यान में रखते हुए न्याय और सम्मान अभियान के अंतर्गत जिला एवं सत्र न्यायाधीश पुनीश जिंदिया ने ओपन जिम का उद्घाटन किया। यह ओपन जिम सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से बनाया गया है।

ओपन जिम में 14 व्यायाम मशीनें स्थापित की गई, जो बंदियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होंगी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और सकारात्मक जीवन शैली का संदेश दिया।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश पुनीश जिंदिया ने कहा कि इस प्रकार की सुविधाएं बंदियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि जेल केवल दंड देने का स्थान नहीं है, बल्कि यह सुधार और पुनर्वास का केंद्र भी है, जहां बंदियों को एक नई दिशा देने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने कहा कि ओपन जिम जैसी सुविधाएं बंदियों को शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने के साथ-साथ

मानसिक तनाव को कम करने में भी सहायक होती हैं। नियमित व्यायाम से उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का विकास होता है, जो उन्हें समाज में पुनः स्थापित होने के लिए तैयार करता है। इस अवसर पर रोटरी इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी एडमिनिस्ट्रेशन देवेंद्र मिगलानी ,रोटरी क्लब सिरसा सीनियर के प्रधान डॉ बीएस बंसल, कोषाध्यक्ष राजेश खट्टर, पूर्व प्रधान परविन्द्र ठठई, पूर्व प्रधान विष्णु सिंगला, मनोहर लूथरा, विजय डोडा, डॉ अंशुल सिंह, प्रेम सैनी, केएस गिल मौजूद रहे।

पीएम गति शक्ति पोर्टल से योजनाबद्ध विकास को मिलेगी नई गति - अतिरिक्त उपायुक्त

एजेंसी

तावडू। नूंह जिला बुनियादी ढांचे के विकास में डिजिटल परिवर्तन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पीएम गति शक्ति जिला स्तरीय मास्टर प्लान के तहत आधुनिक तकनीक, जीआईएस मैपिंग और डेटा एनालिटिक्स के उपयोग से विकास योजनाओं को अधिक प्रभावी, तेज़ और पारदर्शी बनाया जा रहा है। अतिरिक्त उपायुक्त दलबीर सिंह फोगाट ने लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि नूंह जिला देश के उन 28 चयनित जिलों में शामिल है, जहां पीएम गति शक्ति मास्टर प्लान लागू किया गया है।

इस पहल से जिला स्तर पर समन्वित और विकेन्द्रित योजना निर्माण को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय जरूरतों के अनुरूप विकास कार्यों को गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि पीएम गति शक्ति योजना का उद्देश्य कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करना, आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना और आमजन के जीवन स्तर में सुधार लाना है। इस योजना के अंतर्गत भू-स्थानिक सूचना प्रणाली और डेटा एनालिटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे परियोजनाओं की योजना और क्रियान्वयन में गुणात्मक सुधार हो रहा है। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि गति शक्ति पोर्टल पर 1,600 से अधिक डेटा लेयर उपलब्ध हैं, जिनमें भूमि उपयोग, वन क्षेत्र, राजमार्ग, शहरी केंद्र सहित विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां शामिल हैं। इससे विभागों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होगा, परियोजनाओं की स्वीकृति प्रक्रिया तेज़ होगी और विकास कार्यों की लागत में भी कमी आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से पारदर्शिता और कार्यकुशलता में वृद्धि हुई है, साथ ही देश की लॉजिस्टिक लागत को कम करने में भी मदद मिल रही है, जिससे भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता मजबूत होगी।

आरबीआई की एक लाख करोड़ की वीआरआर नीलामी 23 मार्च को

नीलामी सुबह साढ़े नौ बजे से 10ः00 बजे के बीच होगी

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक 23 मार्च को एक लाख करोड़ रुपये की एक दिन के लिए परिवर्तनीय रेपो दर (वीआरआर) नीलामी का आयोजन करेगा। केंद्रीय बैंक के अनुसार यह नीलामी सुबह साढ़े नौ बजे से 10ः00 बजे के बीच होगी और इन निधियों की वापसी 24 मार्च को होगी। आरबीआई ने वर्तमान और बदलती बैंकिंग प्रणाली की मजबूत स्थिति को ध्यान में रखते हुए यह नीलामी आयोजित करने की घोषणा की है। वर्तमान में बैंकिंग प्रणाली में अनुमानित तरलता लगभग 16,875.36 करोड़ रुपये के अधिशेष में है। इससे पहले आरबीआई ने तीन-दिन की वीआरआर नीलामी के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली में 25,101 करोड़ रुपये की अल्पकालिक नकदी डाली है।परिवर्तनीय रेपो दर नीलामी आरबीआई की बैंकों में अल्पकालिक नकदी डालने के लिए उपयोग की जाने वाली एक मौद्रिक नीति पहल है। निश्चित रेपो दर के उलट, वीआरआर में ब्याज दर नीलामी प्रक्रिया के माध्यम से निर्धारित की जाती है, जिससे बैंकों को धनराशि के लिए बोली लगाने की अनुमति मिलती है।

रेमंड के चेयरमैन गौतम सिंघानिया मालदीव स्पीडबोट हादसे में घायल

नई दिल्ली ।

रेमंड ग्रुप के चेयरमैन गौतम सिंघानिया मालदीव में हुए एक स्पीडबोट हादसे में घायल हो गए. दुर्घटना के बाद उन्हें एयरलिफ्ट कर मुंबई के एक अस्पताल में दाखिल कराया गया है। सिंघानिया के प्रवक्ता ने बताया कि उनकी हालत अब खतरे से बाहर है। रे पीडबोट में कुल सात लोग सवार थे, जिनमें से दो लापता हैं। पर्यटकों को ले जा रही एक तेज रफ्तार स्पीडबोट अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। इस नाव में सात लोग सवार थे, जिनमें रेमंड ग्रुप के चेयरमैन गौतम सिंघानिया भी शामिल थे। स्पीडबोट पर सवार पांच भारतीय पुरुषों में से दो अभी भी लापता हैं। इनमें प्रसिद्ध रैली ड्राइवर हरि सिंह का नाम भी शामिल है। मालदीव की कोस्ट गार्ड और बचाव दल लगातार लापता लोगों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। गौतम सिंघानिया को एडवेंचर स्पोर्ट्स और तेज रफ्तार का शौकीन माना जाता है। उन्हें दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती दाखिल कराया गया है। सूत्रों के मुताबिक उन्हें कुछ खरोंच और मामूली चोटें हैं, लेकिन वह खतरे से बाहर हैं। रेमंड ग्रुप का कारोबार कपड़ा, रियल एस्टेट, इंजीनियरिंग और कंज्यूमर केयर जैसे क्षेत्रों में फैला हुआ है। गौतम सिंघानिया की नेटवर्थ 11,000 करोड़ रुपये है।

मस्क पर कानूनी शिकंजा, ट्वीट्स से निवेशकों को गुमराह करने का आरोप

एलन मस्क, लग सकता है 21000 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली ।

एलन मस्क एक बार फिर कानूनी विवादों में घिर गए हैं। कैलिफोर्निया की एक संघीय जूरी ने 2022 में ट्विटर (अब एक्स) के अधिग्रहण के दौरान उनके कुछ ट्वीट्स को भ्रामक माना है। इस मामले में मस्क पर करीब 2.6 अरब डॉलर (लगभग 21,000 करोड़ रुपये) तक का जुर्माना लग सकता है। जूरी के अनुसार मस्क के कुछ ट्वीट्स ने कंपनी के शेयरों की कीमत को प्रभावित किया। उन्होंने ट्विटर पर फर्जी (स्पैम) अकाउंट्स की संख्या को लेकर सवाल उठाए और एक समय पर अधिग्रहण को होल्ड पर बताने वाला ट्वीट भी किया। इन बयानों से निवेशकों में भ्रम फैला और कई लोगों ने अपने शेयर कम कीमत पर बेच दिए। हालांकि जूरी ने मस्क को किसी बड़ी धोखाधड़ी की साजिश का दोषी नहीं ठहराया, लेकिन यह जरूर माना कि उनके कुछ बयान प्रतिभूति कानूनों का उल्लंघन करते हैं। वहीं, उनके कुछ पॉडकास्ट बयान व्यक्तिगत राय की श्रेणी में रखे गए। यह क्लास-एक्शन मुकदमा हजारों निवेशकों की ओर से दायर किया गया था। आरोप था कि मस्क ने जानबूझकर ऐसे बयान दिए जिससे कंपनी की बाजार कीमत गिरे और वे सौदे की शर्तों को बदल सकें या उससे पीछे हट सकें।

फरवरी 2026 में आठ प्रमुख उद्योगों में 2.3 फीसदी की वृद्धि, ऊर्जा क्षेत्र में गिरावट

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार भारत के आठ प्रमुख उद्योगों का सूचकांक फरवरी 2026 में पिछले वर्ष की तुलना में 2.3 प्रतिशत बढ़ा। ये आठ उद्योग कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली हैं, जो औद्योगिक उत्पादन सूचकांक का 40.27 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं। जनवरी 2026 में आठ प्रमुख उद्योगों का मासिक वृद्धि दर 4.7 प्रतिशत थी। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक संचयी वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2.9 प्रतिशत रही। इस दौरान निर्माण और धातु उद्योग में मजबूत वृद्धि देखी गई। कोयला में फरवरी 2026 में 2.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। कच्चा तेल में 5.2 प्रतिशत की गिरावट देखी गई और प्राकृतिक गैस में 5.0 प्रतिशत की कमी रही। पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादों में 1 प्रतिशत की गिरावट हुई।

उर्वरक का उत्पादन 3.4 प्रतिशत बढ़ा। इस्पात और सीमेंट में क्रमशः 7.2 और 9.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बिजली उत्पादन में 0.5 प्रतिशत का मामूली इजाफा हुआ। फरवरी 2026 में निर्माण और धातु उद्योग सबसे अधिक बढ़त में रहे जबकि ऊर्जा क्षेत्र की गिरावट जारी रही। कोयला और बिजली में हल्की वृद्धि हुई और उर्वरक उद्योग में मध्यम सुधार दिखा।

कुल मिलाकर फरवरी में उद्योगिक क्षेत्र में मिश्रित प्रदर्शन रहा, जिसमें निर्माण और धातु मजबूत बने और ऊर्जा क्षेत्र चुनौतीपूर्ण बना रहा। मासिक वृद्धि में सबसे अधिक सीमेंट और इस्पात ने योगदान दिया, जबकि ऊर्जा क्षेत्र में कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस में गिरावट देखी गई।

संचयी वृद्धि में इस्पात और सीमेंट का प्रदर्शन सबसे मजबूत रहा। कोयला और बिजली स्थिर और हल्की वृद्धि के साथ बने रहे, जबकि पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद और प्राकृतिक गैस में कमी दर्ज हुई।

जोमैटो बढ़ा रहा प्लेटफॉर्म फीस, प्रति ऑर्डर अब 14.90 रुपए चुकाने होंगे

मुंबई ।

जोमैटो ने अपने प्लेटफॉर्म फीस में 2.40 रुपए की बढ़ोतरी की है। अब ग्राहकों को प्रति ऑर्डर 14.90 रुपए फीस चुकानी होगी, जो पहले 12.50 रुपए थी। प्रतिद्वंदी स्विगी पहले से ही 14.99 रुपए (जीएसटी सहित) प्लेटफॉर्म फीस वसूल रहा है। कंपनी के अनुसार यह कदम ऑपरेटिंग खर्च, महंगे लॉजिस्टिक्स और मुनाफा बढ़ाने की रणनीति के कारण जरूरी है। ऐप को मेंटेन करना, नई तकनीक पर खर्च और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें डिलीवरी खर्च को बढ़ा रही हैं। 2.40 रुपए की मामूली बढ़ोतरी सुनने में कम लग सकती है, लेकिन अक्सर ऑर्डर करने वाले ग्राहकों के लिए यह हर महीने थोड़ा ज्यादा खर्च बढ़ा सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार इस मामूली बढ़ोतरी से जोमैटो को हर तिमाही लगभग 64-65 करोड़ रुपए का अतिरिक्त लाभ होगा। कंपनी का कहना है कि यह कदम दीर्घकालिक स्थिरता और सेवा में सुधार के लिए जरूरी है।

एयरलाइंस ने मुफ्त सीट चयन के सरकारी फैसले का किया विरोध

इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट ने निर्देश को वापस लेने का अनुरोध किया

नई दिल्ली ।

भारतीय विमानन मंत्रालय ने डीजीसीए (डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन) को निर्देश दिए हैं कि सभी एयरलाइंस अपनी उड़ानों में कम से कम 60 फीसदी सीटें यात्रियों के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराएं। मंत्रालय ने यह कदम यात्रियों के लिए उचित पहुंच और सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया है। इंडिगो, एयर इंडिया और स्पाइसजेट जैसी प्रमुख एयरलाइंस ने इस फैसले पर कड़ा विरोध जताया है। इन तीनों एयरलाइंस का प्रतिनिधित्व करने वाले फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआइए) ने कहा है कि यह निर्णय विमानन क्षेत्र पर वित्तीय दबाव डालेगा। एफआईए ने नागर विमानन सचिव समीर कुमार सिन्हा को लिखे पत्र में इस निर्देश को वापस लेने का अनुरोध किया। एयरलाइंस का तर्क है कि मुफ्त सीट चयन के लागू होने से उन्हें राजस्व में भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। राजस्व की हानि की भरपाई के लिए एयरलाइंस हवाई किराए बढ़ाने पर मजबूर हो सकती हैं। इसका असर सभी यात्रियों पर पड़ेगा, भले ही वे सीटों का पहले से चयन न करना चाहें। एफआईए ने कहा कि इस तरह का निर्देश अप्रत्याशित और प्रतिकूल परिणाम पैदा कर सकता है। त बढ़ोतरी से यात्रा महंगी हो सकती है।

ओप्पो फाइंड एन 6 फोल्डेबल स्मार्टफोन हुआ लांच

नई दिल्ली ।

चाइनीज कंपनी ओप्पो ने अपना नया फोल्डेबल स्मार्टफोन ओप्पो फाइंड एन 6 लॉन्च कर दिया है। कंपनी का दावा है कि इस तकनीक की मदद से फोन को खोलने पर स्क्रीन पर फोल्ड लाइन बेहद कम दिखाई देती है, जिससे यूजर्स को ज्यादा स्मूद और प्रीमियम विजुअल अनुभव मिलता है। यह बुक-स्टाइल फोल्डेबल फोन अपने खास ÷ज़ीरो फील क्रेज÷ डिस्प्ले के कारण सुर्खियों में है। फोन में 8.12 इंच का फोल्डेबल ओलेड मेन डिस्प्ले और 6.62 इंच का अमोलेड कवर स्क्रीन दिया गया है। दोनों डिस्प्ले 120 एचज़ेड तक की एडैप्टिव रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करते हैं, जिससे स्क्रॉलिंग और वीडियो देखने का अनुभव अधिक बेहतर हो जाता है। यह स्मार्टफोन स्नैपड्रैगन 8 इलाइट जेन 5 प्रोसेसर पर आधारित है, जो 3 एनएम तकनीक के साथ तेज और शक्तिशाली परफॉर्मेंस देने में सक्षम है। स्मार्टफोन में 16जीबी तक

एलपीडीडीआर5एक्स रैम और 1 टीबी तक यूएफएस 4.1 स्टोरेज का विकल्प मिलता है। यह डिवाइस एंड्राएड 16 आधारित कलरओएस 16 ऑपरेटिंग सिस्टम पर काम करता है। फोटोग्राफी के लिए इसमें हैसलब्लैड ट्यूनिंग के साथ क्वाड रियर कैमरा सेटअप दिया गया है, जिसमें 200 मेगापिक्सल का प्राइमरी सेंसर शामिल है।

चीन में इसके 12जीबी प्लस 256जीबी वेरिएंट की कीमत करीब 9,999 युआन (लगभग 1.34 लाख रुपये) रखी गई है, जबकि 16जीबी प्लस 512जीबी और 1टीबी वेरिएंट की कीमत इससे अधिक है।

यह फोन डीप ब्लैक, गोल्डन ऑरेंज और ओरिजनल टाइटेनियम रंगों में उपलब्ध होगा और 20 मार्च से चीन में बिक्री के लिए पेश किया जाएगा।

फोन में 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड और 50 मेगापिक्सल का टेलीफोटो कैमरा भी दिया गया है, जो 3एक्स ऑप्टिकल और 120एक्स डिजिटल जूम सपोर्ट करता है। फोन में 6,000 एमएएच की बैटरी दी गई है, जो 80वॉट वायर्ड और 50वॉटवायरलेस चार्जिंग सपोर्ट करती है। कनेक्टिविटी के लिए इसमें 5जी, वायफाय, ब्लूटूथ 5.4, एनएफसी और यूएसबी टाइप-सी जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

माइक्रोफाइनैंस क्षेत्र के लिए 20 हजार करोड़ की क्रेडिट गारंटी योजना शुरू

सरकार ने छोटे और मध्यम एमएफआई को ध्यान में रखकर बनाई योजना

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने माइक्रोफाइनैंस संस्थानों (एमएफआई) के लिए 20,000 करोड़ रुपए की क्रेडिट गारंटी योजना शुरू की है। यह योजना 20 मार्च 2026 से 30 जून 2026 तक या कुल गारंटी सीमा पूरी होने तक लागू रहेगी। इसका मुख्य उद्देश्य एमएफआई सेक्टर में नकदी की कमी को दूर करना और बैंकों के माध्यम से ऋण प्रवाह को बढ़ावा देना है। इस योजना के तहत राष्ट्रीय क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी बैंकों को एमएफआई को दिए गए ऋण पर गारंटी कवर प्रदान करेगी। छोटे एमएफआई (500 करोड़ रुपए से कम एयूएम) को 80 फीसदी तक, मध्यम (500-2000 करोड़ रुपए) को 75 फीसदी और बड़े संस्थानों को 70 फीसदी तक गारंटी मिलेगी। यह व्यवस्था खास तौर पर छोटे और मध्यम एमएफआई को ध्यान में रखकर बनाई गई है, जिन्हें ऋण प्राप्त करने में अधिक कठिनाई होती है। योजना के तहत मिलने वाली फंडिंग केवल नए ऋणों के लिए होगी और इसका उपयोग पुराने कर्ज चुकाने में नहीं किया जा सकेगा। इससे वास्तविक आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। पिछले कुछ समय में एमएफआई को बैंकों से मिलने वाले ऋण में लगभग 70 फीसदी की गिरावट आई है। इसके चलते करीब 50 लाख उधारकर्ता औपचारिक वित्तीय सेवाओं से वंचित हो गए हैं। हालांकि पोर्टफोलियो गुणवत्ता में सुधार हुआ है, फिर भी नकदी संकट बना हुआ है। सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए ब्याज दरों पर सीमा तय की है कि लाभ अंतिम उधारकर्ताओं तक पहुंचे। बैंकों द्वारा दिए जाने वाले ऋण पर ब्याज दर बाह्य बेंचमार्क या 1-वर्षीय एमसीएलआर में अधिकतम 2 फीसदी अतिरिक्त तक सीमित रहेगी। यह योजना बैंकों का भरोसा बढ़ाने, ऋण प्रवाह सुधारने और वित्तीय समावेशन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

कच्चे तेल में नरमी, भारत में प्रीमियम पेट्रोल और थोक डीजल महंगे

वैश्विक तनाव घटने से तेल सस्ता, लेकिन भारत में प्रीमियम ईंधन की कीमतें बढ़ीं

नई दिल्ली । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजो मिन नेतनयाहू द्वारा ईरान की ईंधन सुविधाओं पर आगे हमले से बचने की प्रतिबद्धता जताने के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का भाव 119 डॉलर प्रति बैरल से घटकर 105 डॉलर प्रति बैरल तक आ गया, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुछ राहत देखने को मिली। हालांकि, वैश्विक कीमतों में नरमी के बावजूद भारत में तेल विपणन कंपनियों ने प्रीमियम पेट्रोल के दाम बढ़ा दिए हैं। इंडियन आइल कारपोरेशन, भारत पेट्रो लियम और हिंदुस्तान पेट्रो लियम ने प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में 2 से 2.35 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि की है। नई दिल्ली में इंडियन ऑयल के एक्सपी 95 पेट्रोल की कीमत बढ़कर 101.89 रुपये प्रति लीटर हो गई है। यह ईंधन उच्च ऑक्टेन रेटिंग के कारण बेहतर प्रदर्शन वाले वाहनों के लिए उपयोग किया जाता है। कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। देश में ईंधन की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है और रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं।

सीबीडीटी ने नए इनकम टैक्स नियम नोटिफाई किए, 1 अप्रैल से होंगे लागू

बेंगलूरु, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद भी 50 फीसदी एचआरए छूट की श्रेणी में शा मिल

नई दिल्ली ।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर नियम, 2026 को अधिसूचित कर दिया है, जो नए आयकर अधिनियम, 2025 के तहत 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे। इन नियमों में वेतन कराधान, अनुपालन खुलासा, ट्रांसफर प्राइसिंग और विदेशी कर क्रेडिट से जुड़े कई अहम बदलाव किए गए हैं। सबसे बड़ा बदलाव हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) से जुड़ा है।

अब बेंगलूरु, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद को भी 50 फीसदी एचआरए छूट की श्रेणी में शामिल किया गया है। इससे पहले यह सुविधा केवल मुंबई, दिल्ली, कोलकाता और चेन्नई जैसे मेट्रो शहरों तक सीमित थी। बाकी शहरों के लिए एचआरए छूट की सीमा 40 फीसदी ही रहेगी। इस कदम से उभरते महानगरों में बढ़ते किराये के बोझ को औपचारिक मान्यता मिली है। हालांकि, नोएडा और गुरुग्राम जैसे उच्च किराया वाले शहर अभी भी इस सूची से बाहर हैं। नए नियमों में नियोक्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के कराधान को भी स्पष्ट किया गया है।

अब इन्हें छोटी पेट्रोल या डीजल कार के बराबर माना जाएगा, जिससे परिक्विजिट टैक्स की गणना आसान होगी। इसके अलावा, बीमा प्रीमियम से जुड़े वित्तीय लेनदेन की रिपोर्टिंग सीमा में बदलाव किया गया है।

अब बीमा कंपनियों को 5 लाख रुपये से अधिक के प्रीमियम (जहां पैन उपलब्ध है) और 2.5 लाख रुपये से अधिक (जहां पैन उपलब्ध नहीं है) के मामलों की जानकारी देनी होगी। कुल मिलाकर, नए नियम कर प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाने और शहरी आर्थिक वास्तविकताओं के अनुरूप ढालने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माने जा रहे हैं।

भारतीय शेयर बाजार में सप्ताह भर रहा उतार-चढ़ाव, हल्की रिकवरी पर हुआ बंद

वैश्विक अनिश्चितताओं और कच्चे तेल की कीमतों का बाजार पर पड़ा प्रभाव

मुंबई ।

20 मार्च को समाप्त हुए सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार में तेजी और मंदी का मिश्रित दृश्य देखा गया। हफ्ते की शुरुआत में सेंसेक्स और निफ्टी में मजबूत उछाल देखने को मिला, लेकिन मध्य सप्ताह में बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और घरेलू दबावों के चलते बाजार में भारी बिकवाली हुई।

अंततः शुक्रवार को बाजार ने मामूली रिकवरी के साथ सप्ताह का समापन किया। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को हुई, जब ब्लू-चिप शेयरों जैसे एचडीएफसी बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में मजबूत खरीदारी से सेंसेक्स 938.93 अंक बढ़कर 75,502.85 पर और निफ्टी 257.70 अंक बढ़कर 23,408.80 पर बंद हुआ। उसी दिन रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 13 पैसे की गिरावट देखी गई, जो 92.43 पर बंद हुआ।

मंगलवार को भी बाजार हरे निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 567.99 अंक बढ़कर 76,070.84 और निफ्टी 172.35 अंक बढ़कर 23,581.15 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपये में 14 पैसे की गिरावट के बावजूद बाजार की बढ़त जारी रही। बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और वैश्विक बाजारों में मजबूती के चलते बाजार ने पिछले दो सत्रों की बढ़त को बरकरार रखा।

बीएसई सेंसेक्स 633.29 अंक बढ़कर 76,704.13 पर और निफ्टी 196.65 अंक बढ़कर 23,777.80 पर बंद हुआ। लेकिन गुरुवार को अचानक भारी बिकवाली देखने को मिली। सेंसेक्स 2,496.89 अंक गिरकर 74,207.24 पर और निफ्टी 775.65 अंक गिरकर 23,002.15 पर बंद हुआ। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और फेडरल रिजर्व की कड़ी नीति इस गिरावट के प्रमुख कारण रहे। शुक्रवार को बाजार ने रिकवरी दिखाई।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, आईटी और धातु शेयरों में मजबूत खरीदारी से सेंसेक्स 325.72 अंक बढ़कर 74,532.96 पर और निफ्टी 112.35 अंक बढ़कर 23,114.50 पर बंद हुआ। हालांकि रुपये में गिरावट जारी रही।

सोने की कीमतों में छह साल का सबसे खराब हफ्ता रहा

अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड और डॉलर मजबूत होने से सोने पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा

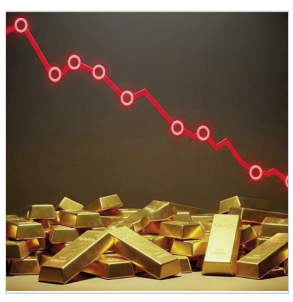

मुंबई।

वैश्विक संकट के समय आमतौर पर सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिलती है, क्योंकि इसे सुरक्षित निवेश माना जाता है। लेकिन हाल के हफ्तों में हालात अलग नजर आ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना शुक्रवार को लगभग 4,660 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर रहा, जबकि पूरे हफ्ते में इसकी कीमत में करीब 7 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। यह मार्च 2020 के बाद सोने का सबसे खराब साप्ताहिक प्रदर्शन माना जा रहा है। विश्लेषकों के मुताबिक ईरान में जारी संघर्ष के कारण तेल और गैस की कीमतों में तेजी आई है, जिससे महंगाई बढ़ने की आशंका बनी हुई है। इस वजह से ब्याज दरों में कटौती की संभावना कम हो गई है और निवेशक सोने से दूरी बना रहे हैं। 28 फरवरी को ईरान और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ने के बाद से हर हफ्ते सोने की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड और डॉलर मजबूत होने के कारण सोने पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है। निवेशक अब सोने में निवेश करने के बजाय अन्य विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। गोल्ड आधारित एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) से लगातार निकासी जारी है। इस साल की शुरुआत में जो अतिरिक्त निवेश आया था, वह अब लगभग पूरी तरह बाहर निकल चुका है। इतिहास पर नजर डालें तो 2022 में भी ऐसा ही रुझान देखने को मिला था। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद तेल की कीमतों में उछाल आया और सोने की कीमतों में लंबी गिरावट आई। उस समय लगातार सात महीने तक सोना कमजोर रहा, जो इसके इतिहास की सबसे लंबी गिरावट मानी गई। हालांकि हालिया गिरावट के बावजूद इस साल सोने की कीमतों में लगभग 8 फीसदी की बढ़त बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर ईरान संघर्ष लंबा खिंचता है, तो बाजार का ध्यान महंगाई से हटकर आर्थिक मंदी के जोखिम पर जाएगा। ऐसी स्थिति में सोने की मांग फिर बढ़ सकती है और कीमतों में दोबारा तेजी देखने को मिल सकती है।

सीएमपीडीआईएल आईपीओ को पहले दिन 7 फीसदी ही सब्सक्रिप्शन

आईपीओ की कुल पेशकश 1,842 करोड़ रुपए की और इसमें 10.71 करोड़ शेयर शामिल

नई दिल्ली ।

सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल), जो कि कोल इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है, ने अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) जारी किया है। कंपनी की स्थापना 1975 में हुई थी और यह कोयला तथा खनिज अन्वेषण, खदान योजना और डिजाइन सेवाओं के साथ-साथ परामर्श और सहायता सेवाएं प्रदान करती है। सीएमपीडीआईएल का यह आईपीओ पूरी तरह से कोल इंडिया के शेयर बेचने (ओएफएस) के माध्यम से है, जिसमें कोई नया शेयर निर्गम शामिल नहीं है। आईपीओ की कुल पेशकश 1,842 करोड़ रुपए की है और इसमें 10.71 करोड़ शेयर शामिल हैं। शेयरों का मूल्य दायरा 163-172 रुपए प्रति शेयर तय किया गया है, जिससे ऊपरी सीमा पर कंपनी का मूल्यांकन लगभग 12,280 करोड़ रुपए होता है। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, इश्यू के पहले दिन कुल 52,44,320 शेयरों के लिए बोली आई, जबकि कुल पेशकश 7,97,89,500 शेयर की थी। इसका अर्थ है कि आईपीओ का सब्सक्रिप्शन केवल 7 फीसदी हुआ। गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए निर्धारित कोटे पर मात्र 5 फीसदी ही बोली मिली। सीएमपीडीआईएल ने पहले ही एंकर निवेशकों से 470 करोड़ रुपए जुटा लिए हैं। आईपीओ की प्रक्रिया 24 मार्च तक जारी रहेगी।

विकास की अंधी दौड़ में कहीं प्यासी न रह जाएं हमारी आने वाली पीढ़ियां

विश्व जल दिवस

दिलीप कुमार पाठक

आइए, आज इस विश्व जल दिवस पर हम दिखावे के संकल्पों से ऊपर उठकर, अपने स्वभाव में पानी का सम्मान करना शुरू करें। यह धरती हमारी नहीं, बल्कि हमारे बच्चों की अमानत है जिसे हमें सुरक्षित लौटाना है। याद रखिए, प्यास का कोई विकल्प नहीं होता और जब धरती की कोख से नमी पूरी तरह खत्म हो जाएगी, तब हमारे पास पछताने के लिए पानी भी नहीं बचेगा। वक्त तेजी से फिसल रहा है, और पानी भी–फैसला हमें करना है कि हम बूंदों को बचाएंगे या उन्हें केवल यादों में छोड़ जाएंगे।

विश्व जल दिवस यह कैलेंडर की कोई साधारण तारीख नहीं है, बल्कि हमारे वजूद की सबसे बुनियादी सच्चाई से रूबरू होने का एक गंभीर अवसर है। सुबह की पहली चाय की महक से लेकर रात को सुकून की नींद से पहले पिए गए पानी के उस आखिरी ठंडे घूँट तक, जल हमारे जीवन के हर कतरे और हमारी हर कोशिका में समाया हुआ है। जरा ठहरकर सोचिए, उस जल के बिना हमारा क्या वजूद रह जाएगा? वह जल जो प्यासे कंठ को तृप्ति देता है, तपती धरती की सदियों पुरानी प्यास बुझाता है और एक नन्ही सी कोपल को विशाल वृक्ष बनने का हौसला और पोषण देता है। हम अक्सर इसे महज एक संसाधन कह देते हैं, पर सच तो यह है कि यह एक पवित्र रिश्ता है, प्रकृति का हमसे और हमारा उन मासूम पीढ़ियों से, जिन्हें अभी इस दुनिया में कदम रखना है। बचपन की वे यादें आज भी दिल के किसी कोने में ताजा हैं, जब बारिश की पहली बूंद सूखी मिट्टी पर गिरती थी और एक सोंधी सी खुशबू पूरे घर के आँगन और रूह को महका देती थी। वह खुशबू दरअसल जीवन के मुस्कुराने की पहली आहट थी, जो हमें बताती थी कि कुदरत अभी हमसे रूठी नहीं है। लेकिन आज जब हम कंक्रीट के गगनचुंबी जंगलों में कैद होकर विकास का जश्न मना रहे हैं, तो यह कड़वी सच्चाई भूल जाते हैं कि हमने तरक्की की इस अंधी दौड़ में उन मासूम घरों को उजाड़ दिया है जहाँ कभी पानी खिलखिलाता था। ऊँची इमारतों की चकाचौंध और चमकते हुए डामर के रास्तों ने धरती की कोख पर ऐसी चादर बिछा दी है कि बादलों के आँसू अब पाताल के कलेजे तक पहुँच ही नहीं पाते।

वह समय अब एक धुंधला याद बनता जा रहा है जब गांव के कुएं, बावड़ियाँ और शहरों के तालाब समाज की सामूहिक पूंजी हुआ करते थे। हमने अपनी सुख-सुविधाओं के लिए

इन प्राकृतिक बसेरों को पाट दिया और ऊपर कंक्रीट के ढांचे खड़े कर दिए। अगर हम अपना सूक्ष्म मूल्यांकन करें, तो पाएंगे कि हम उस अमृत के गुनहगार हैं जिसे हमने प्रदूषण और रसायनों से जहरीला बना दिया है। आज हमारी नदियाँ, जो कभी सभ्यताओं की जननी हुआ करती थीं, उद्योगों का कचरा और शहर की गंदगी ढोने वाली बेजान नहरें बनकर रह गई हैं। भू-जल का बेहिसाब दोहन पाताल को खाली कर रहा है और हम बोतलों में बंद पानी खरीदकर खुद को सुरक्षित समझने के भ्रम में जी रहे हैं। यह संकट केवल सूखे हुए हैंडपंपों का नहीं है, बल्कि हमारी मरती हुई मानवीय संवेदनाओं का है। नीति आयोग और दुनिया भर की संस्थाएं बार-बार डे जीरो की भयावह चेतावनी दे रही हैं, पर हम अपने घरों के खुलते नलों और वाशिंग मशीनों के शोर में उन चीखों को अनसुना कर रहे हैं। जरा सोचिए, क्या हम वास्तव में अपने बच्चों को विरासत में केवल प्यास और सूखी नदियाँ देना चाहते हैं? तकनीक के इस युग में हमें यह समझना होगा कि दुनिया की कोई भी प्रयोगशाला आज तक पानी की एक बूंद भी पैदा नहीं कर सकी है। यह केवल कुदरत का वह जादुई उपहार है जिसे हम मुफ्त समझकर लुटा रहे हैं।

वह किसान जो फटी आँखों से बादलों की ओर टकटकी लगाए बैठा है, वह मां जो कोसों दूर से मटका सिर पर रखकर पानी लाती है, और वह पंछी जो सूखे ताल पर प्यास से छटपटा रहा है, इन सबकी पुकार अब हमारे कानों तक पहुँचनी ही चाहिए। जल संरक्षण अब कोई सरकारी योजना नहीं, बल्कि एक नागरिक धर्म होना चाहिए। वर्षा जल संचयन को अब शौकिया नहीं, बल्कि अनिवार्य बनाना होगा ताकि हम धरती के उस पुनर्भरण की क्षमता को फिर से जीवित कर सकें जिसे हमने छीन लिया है। एक टपकता हुआ नल केवल पानी की बबार्दी नहीं, बल्कि हमारे भविष्य की चोरी है। हमें अपनी जीवनशैली के उस हर हिस्से को बदलना होगा जहाँ हम पानी को बेशर्मी से बहाते हैं। जल ही वह अंतिम धागा है जिसने पूरी सृष्टि को एक माला में पिरोया हुआ है, और इस धागे को बचाना ही अब हमारा एकमात्र मकसद होना चाहिए। विकास की ऊँची उड़ान भरते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि जिस दिन जल का स्रोत मौन हो जाएगा, उस दिन हमारी तरक्की का सारा संगीत भी हमेशा के लिए थम जाएगा। आइए, आज इस विश्व जल दिवस पर हम दिखावे के संकल्पों से ऊपर उठकर, अपने स्वभाव में पानी का सम्मान करना शुरू करें। यह धरती हमारी नहीं, बल्कि हमारे बच्चों की अमानत है जिसे हमें सुरक्षित लौटाना है। याद रखिए, प्यास का कोई विकल्प नहीं होता और जब धरती की कोख से नमी पूरी तरह खत्म हो जाएगी, तब हमारे पास पछताने के लिए पानी भी नहीं बचेगा। वक्त तेजी से फिसल रहा है, और पानी भी–फैसला हमें करना है कि हम बूंदों को बचाएंगे या उन्हें केवल यादों में छोड़ जाएंगे।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

सीवर में मौतें

सदियों की लाचारी और समाज की संवेदनहीनता के चलते हाथ से सीवर की सफाई की अमानवीय प्रथा बदस्तूर जारी है। जारी ही नहीं है बल्कि मजबूर सफाई कर्मियों की मौत का सबब भी बनी हुई है। निश्चय ही यह घिनौनी प्रथा किसी भी सभ्य समाज के लिये एक कलंक के समान ही है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि हाथ से सीवर लाइन साफ करने की प्रथा मजबूर लोगों की लगातार जान ले रही है। हाल ही में लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े इस समस्या के भयावह पक्ष को ही उजागर करते हैं। केंद्र सरकार की ओर बीते सप्ताह लोकसभा में बताया गया कि साल 2017 से अब तक देश में सीवर और सेप्टिक टैंक साफ करते हुए 620 से अधिक सफाईकर्मियों की मौत हो चुकी है। कहना कठिन है कि ये आंकड़े वास्तविक हैं और सभी मौतों को देश में रिपोर्ट किया जा रहा है। ग्रामीण व दूरदराज के इलाकों में ठेकेदार दिहाड़ीदार सफाई कर्मियों की मौत को रफा-दफा करने का प्रयास करते हैं। कुछ चतुर-चालाक लोग परिजनों की मजबूरी को भांपते हुए छोटी-मोटी रकम देकर मामले पर पर्दा डाल देते हैं। ऐसे मामले शायद ही सामने आते हों कि सरकार के सख्त निदेर्शों के बावजूद सफाईकर्मियों से सीवर व सेप्टिक टैंक की सफाई करवाने वाले ठेकेदार व स्थानीय निकाय के अधिकारियों को दंडित किया गया हो। क्या किसी लोकतांत्रिक समाज में किसी मजबूर सफाईकर्मी के जीवन का कोई मूल्य नहीं है? निस्संदेह, लोकसभा में पेश किए गए आंकड़े घोर लापरवाही को ही उजागर करते हैं। विडंबना यह भी है कि जहां करीब 539 परिवारों को पूरा मुआवजा मिला है, वहीं करीब 52 परिवारों को कोई पैसा नहीं मिला। निर्विवाद रूप से किसी मृत सफाई कर्मी के परिजनों को दी जाने वाली आर्थिक सहायता कोई दान नहीं है, बल्कि समाज का एक कानूनी और नैतिक दायित्व भी है। जब इस जरूरी सहायता में कोई कमी रह जाती है तो हमारी व्यवस्थागत उदासीनता ही उजागर होती है। निस्संदेह, यह कष्टकारी स्थिति साल 2047 में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प पर सवालिया निशान लगाती है। वहीं सरकारी दावा है कि मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोजगार निषेध और उनके पुनर्वास अधिनियम, 2013 में किए गए एक सर्वेक्षण में देशभर के किसी भी जिले में हाथ से मैला साफ करने वाले सफाईकर्मी नहीं पाए गए हैं। सवाल ये है कि जब हाथ से सफाई करने वाले सफाई कर्मचारी देश में नहीं हैं तो सीवर व सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस के चपेट में आकर लोगों के मरने की खबरें कैसे आ रही हैं? यह दुखद ही है कि बीते मंगलवार को छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित एक प्रमुख अस्पताल में सेप्टिक टैंक की सफाई करते समय जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन सफाई कर्मचारियों की दर्दनाक मौत हो गई। सीवर-सेप्टिक टैंक की सफाई में मशीन के उपयोग को बढ़ावा देकर मैनुअल स्कैवेंजिंग को खत्म करने के उद्देश्य से ही सरकार द्वारा साल 2023-24 में शुरू की गई राष्ट्रीय मशीनीकृत स्वच्छता पारिस्थितिकीय तंत्र यानी नमस्ते परियोजना को अभी भी लंबा रास्ता तय करना है। केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री ने पिछले दिनों स्वीकार किया था कि मशीनीकरण के कारण दक्षता या सफाई व्यवस्था में सुधार के जरूरी संकेतक अभी तक पहचान में नहीं आए हैं। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग को पिछले वर्ष वेतन का भुगतान न होने, सुरक्षा उपकरणों की कमी और जाति आधारित भेदभाव को लेकर करीब 842 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। जो इस बात का प्रमाण हैं कि समस्या की जड़ें बहुत गहरे रूप में विद्यमान हैं।

चिंतन-मनन

विवेक ही धर्म है

युग के आदि में मनुष्य भी जंगली था। जब से मनुष्य ने विकास करना शुरू किया, उसकी आवश्यकताएं बढ़ गई। आवश्यकताओं की पूर्ति न होने से समस्या ने जन्म लिया। समस्या सामने आई तब समाधान की बात सोची गई। समाधान के स्तर दो थे- पदार्थ-जगत, मनो-जगत. प्रथम स्तर पर पदाथरे के सुनियोजित उत्पादन और उनकी व्यवस्था को आकार मिला। दूसरा स्तर मानसिक था। इस जगत की समस्याएं थी अपरिमार्जित वृत्तियां, असंतुलन और तनाव।

इन समस्याओं को समाहित करने के लिए धर्म की खोज हुई। धर्म का अर्थ है पारंपरिक मूल्य-मानकों से परे हटकर मनुष्य को सत्य की दिशा में अग्रसर करना। जब तक धर्म अपने इस परिवेश में रहता है, तब तक वह रूढ़ नहीं हो सकता। पर उद्देश्य की विस्मृति के साथ ही उसमें रूढ़ता आ जाती ह। रूढ़ धर्म को व्यक्ति अपने जीवंत संदभरे से काटकर परलोक के साथ जोड़ देता है। बस यहीं से धर्म में विकृति का प्रवेश होने लगता है। मैं ऐसा सोचता हूं कि धर्म का संबंध हमारी हर सांस से होना चाहिए। ऐसा वे ही व्यक्ति कर सकते हैं जो अपने जीवन की सतह पर दौड़-धूप कर रहे हैं। या फिर यह उन लोगों का काम है जो जीवन की गहराइयों में उतरकर अध्यात्म के प्रति समर्पित हो जाते हैं।

जीवन की सतह पर जीने वाले व्यक्ति धर्म की गहराई में नहीं उतर सकते, किंतु अध्यात्म के प्रयोक्ता की दृष्टि से वह गहराई छिपी नहीं रह सकती। जो व्यक्ति उतनी गहराई में उतरे, उन्हें धर्म की विकृतियों का बोध हुआ। जो धर्म मन को समाधान देने वाला था, वह स्वयं समस्या बनकर उभर गया। इस दृष्टि से उसमें संशोधन व परिवर्तन की अपेक्षा अनुभव हुई। अणुव्रत उसी आवश्यकता का आविष्कार है। यदि धर्म एक समस्या बनकर सामने नहीं आता तो उसे अणुव्रत के रूप में प्रस्तुति देने का कोई अर्थ ही नहीं था। अणुव्रत धर्म के साथ विवेक की अपरिहार्यता पर बल देता है। आगम की भाषा में विवेक ही धर्म है।

भरोसे की नीव पर टिका है, बैंकिंग सिस्टम

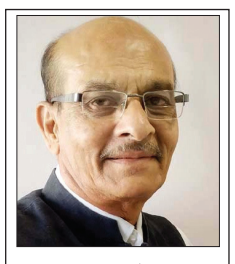

सनत जैन

एचडीएफसी के कारण भारत का बैंकिंग सिस्टम खतरे में?

भारत के सबसे बड़े निजी एचडीएफसी बैंक इन दिनों गंभीर सवालों के घेरे में है। 1 दिन में 9 फीसदी की गिरावट ने भारत के बैंकिंग सिस्टम को हिला कर रख दिया है। एचडीएफसी बैंक के चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के अचानक एथिकल कंसर्न्स के कारण इस्तीफे ने न केवल शेयर बाजार को झकझोर दिया है। बल्कि निवेशकों और बैंक में बचत खाते और एफडी में जमाकताओं के भरोसे को हिला कर रख दिया है। महज एक दिन में करीब एक लाख करोड़ रुपये का बैंक को पूंजी का नुकसान होना, बैंक की साख खत्म होने का संकेत है। बैंकिंग में भरोसा ही बैंक की सबसे बड़ी पूंजी होती है। भारत के बैंकिंग सिस्टम में एचडीएफसी बैंक का जो रुतबा था वह एक ही झटके में कमजोर पड़ गया है। इसका असर भारत के राष्ट्रीयकृत बैंकों और निजी बैंकों पर भी पड़ना तय है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को स्थिति संभालने के लिए सामने आना पड़ा। रिजर्व बैंक को आश्वासन देना पड़ा, बैंक की वित्तीय स्थिति मजबूत है। निवेशकों और बैंक ग्राहकों को घबराने की कोई जरूरत नहीं है। सवाल यह है, अगर बैंक मे सब कुछ ठीक है। ऐसी स्थिति में बैंक के अध्यक्ष को 'नैतिक आधार पर इस्तीफा देने का मुद्दा इतना बड़ा कैसे हो गया। एक अनुभवी प्रशासक को कार्यकाल पूरा होने से पहले ही इस्तीफा देकर पद छोड़ना पड़ा? दीपक पारेख के नेतृत्व में बनी इस बैंक की पहचान हमेशा उच्च कॉर्पोरेट गवर्नेंस और पारदर्शिता के साथ कारोबार करने की रही है। एचडीएफसी मॉडल देश ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर एक आदर्श और नैतिक संस्थान के रूप में देखा गया है। ऐसे में वर्तमान घटनाक्रम उस विरासत और भरोसे पर सीधा सवाल खड़ा कर रहा है। यह संकट तकनीकी या परिचालन विफलता का नहीं है। बैंक और कंपनी के कारोबार में नैतिकता और प्रबंधन की विश्वसनीयता के संकट का भी है। बैंकिंग प्रणाली की नींव 'ट्रस्ट' (विश्वास) पर टिकी होती है। करोड़ों लोग अपनी जीवन भर की कमाई बैंकों में इसलिए जमा करते हैं। उसे विश्वास होता है, बैंकों में जमा उसका पैसा पूरी तरह से सुरक्षित रहेगा। जब उसकी आवश्यकता होगी, बैंक तुरंत उसे वापस करेगा। जब उसी संस्था के शीर्ष स्तर के पदाधिकारी नैतिकता पर सवाल उठाते हैं। इस स्थिति में निवेशकों और बैंक के जमाकताओं का भरोसा डगमगाता है। शेयर बाजार के निवेशकों में अध्यक्ष के इस्तीफा के कारण घबराहट और बैंक के जमाकताओं की चिंता इसकी प्रतिक्रिया है। हालांकि, बैंक ने इस इस्तीफे के बाद त्वरित रूप से केकी मिस्त्री को अध्यक्ष पद की अंतरिम जिम्मेदारी सौंपकर स्थिति को संभालने की कोशिश की है। केवल इस नियुक्ति से शेयर बाजार के निवेशकों और बैंक के जमाकताओं का विश्वास बहाल नहीं होगा। इसके लिए पारदर्शी जांच, स्पष्ट जवाबदेही और ठोस सुधारात्मक कदम बैंक को उठाने होंगे। इस घटना का असर पूरे बैंकिंग सेक्टर को बड़ी चेतावनी है। तेजी से बढ़ते मुनाफे का लालच और बैंक के विस्तार की दौड़ में नैतिक मूल्यों की अनदेखी की गई है, तो इसके परिणाम कंपनी के लिए विनाशकारी साबित हो सकते हैं। एचडीएफसी बैंक के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती साख को पुनः स्थापित करने की है। बैंक में करोड़ों गरीबों एवं मध्यम वर्ग के लोग अपना पैसा जमा करते हैं। बैंक को जमाकताओं को ब्याज देना पड़ता है। इसके लिए बैंक जमा पूंजी का फाइनेंस भी करते हैं। यदि जमाकताओं का भरोसा टूटा और सभी जमाकर्ता एक साथ बैंक से पैसा वापस लेने की लाइन में लग जाते हैं। ऐसी स्थिति में बैंक को बचा पाना भगवान के बस में भी नहीं होता है। आने वाले समय में रिजर्व बैंक और सभी बैंकों के लिए सर्तकता महत्वपूर्ण है। सभी बैंक अपनी वित्तीय स्थिति को लेकर पारदर्शिता के साथ शेयर बाजार के निवेशकों और बैंक के जमा करताओं के बीच बैंक विश्वसनीयता बनाए रखे। एचडीएफसी बैंक की यह स्थिति भारतीय बैंकिंग के इतिहास में भरोसे के सबसे बड़े संकट के रूप में देखी जा रही है। भारत सरकार का वित्त मंत्रालय, रिजर्व बैंक, एचडीएफसी और अन्य बैंकों को इस स्थिति पर गंभीरता से विचार करना होगा। जरा सी भी लापरवाही 2008 में जिस तरह से अमेरिका में लेहमेन ब्रदर्स की गड़बड़ी के बाद सैकड़ो बैंक दिवालिया हो गए थे। ठीक उसी तरह की स्थिति भारत में भी देखने को मिल सकती है। इसीलिए भारत सरकार और रिजर्व बैंक को बहुत ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है।

आखिर नफरत भरे भाषण पर कब सजग और सक्रिय होंगे हमारे हुक्मरान? यक्ष प्रश्न

कमलेश पांडेय

नफरत भरे भाषण, किसी भी सभ्य समाज के लिए वैचारिक कैंसर और सामाजिक एड्स के जैसा जानलेवा है, लेकिन दुनियावी तर्ज पर भारतीय लोकतंत्र में भी यह एक बुनियादी राजनीतिक-सामाजिक फैशन बनता प्रतीत हो रहा है। कोढ़ में खाज यह कि 'बहुमत की भूखी' संसद और उसके 'इशारे पर कुछ कुछ फैसले लेने के आदी बन चुके' सुप्रीम कोर्ट ने आजादी के 8वें दशक में भी विषाक्त बयानबाजियों के खिलाफ कोई कड़ा राष्ट्रवादी स्टैंड नहीं लिया ताकि राष्ट्रीय एकता व अखंडता पर अनवरत रूप से जारी साम्राज्यवादी वैचारिक हमले की धार कुंद की जा सके! ऐसा इसलिए कि इनकी भी अपनी विवशता है! चूंकि पद और गोपनीयता की शपथ लेने वाले अधिकार संपन्न लोग ब्रितानी नौकरशाही और राजशाही के इशारे पर बने ₹भारतीय संविधान₹ को मानने को अभिशप्त हैं और अपनी व्यवहारिक और मौलिक सोच को ताखे पर रख चुके हैं, इसलिए हर जनतांत्रिक बीमारी लाइलाज हो चुकी है और भारत माता अपनी ही संतानों को निरंतर मुखाग्नि देते देते थककर बूढ़ी हो चली है।

राष्ट्रीय दुर्भाग्य यह कि पहले मुस्लिम शासकों और फिर अंग्रेजी नौकरशाहों ने भारत को जातीय, साम्प्रदायिक, भाषाई-क्षेत्र और लिंग के लिहाज से बांटकर निरंतर कमजोर रखने की जो साजिश रची, उसे अँग्रेजों के लाभुक इशारों पर चलने वाले भारत के आजादी कालीन नेताओं ने बहुमत प्राप्ति का लोकतांत्रिक आधार बना दिया। पहले अखंड भारत को खंडित किया और फिर जाति-धर्म-भाषा की तुष्टीकरण वाले अंग्रेजी कानूनों को हूबहू स्वीकार कर लिया। इससे सामाजिक विखण्ड की प्रक्रिया तेज हुई। चौंकाने वाली बात तो यह कि कांग्रेस को कमजोर करने के लिए समाजवादियों और राष्ट्रवादियों ने भी जाति-धर्म-भाषा-क्षेत्र से जुड़े जनभावनाओं को भड़काया और बहुमत पाकर सत्ता हथियाया। लेकिन भारतीयों की नीतिगत एकजुटता की बात मील का पत्थर बनकर रह गई। मतलबी सरकारें बदलती रहीं, भारत माता की आत्मा पर अनगिनत प्रहार जारी हैं, लेकिन हमारी संसद और सुप्रीम कोर्ट प्रबुद्ध और सुसंस्कृत भारत के निर्माण की जगह यूरोपीय और अरबी कलह को भारत पर थोपने की मूर्खता प्रदर्शित कर रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। यह कितनी मूर्खतापूर्ण बात है कि आजाद भारत में गरीबी और अपराध को जातीय चश्मे से देखा जाता है, सवर्ण यानी सामान्य जाती विरोधी कानून बनाये जाते हैं और सुप्रीम कोर्ट भी ऐतिहासिक सामाजिक अन्याय का जिक्र करते हुए वर्तमान और भविष्य के सवर्ण विरोधी सामाजिक अन्याय किये जाने के निकृष्ट जनतांत्रिक विचारों पर मोहर लगाता है। खासकर भारतीय संविधान से जुड़े संवैधानिक अनुच्छेद (14, 15, 19, 21, SC/ST Act) की तर्क संभाव्यता, आदि) को भी विस्तार से देखने और इनपर पुनर्विचार की जरूरत है। अन्यथा, देर सबेर सामान्य जातियों के बीच भी संसद और सुप्रीम कोर्ट का अप्रासंगिक होना तय है। यक्ष प्रश्न है कि आखिर बहुमत की राजनीति के लिए समाज को कब तक झुलसाया जाएगा, क्योंकि जब सहिष्णुता के विचार बदलेंगे तो व्यवस्था बदलते देर नहीं लगेगी! चूंकि प्रभावित पक्षों के लिए भारतीय संविधान का पक्षपाती दृष्टिकोण एक ऐसा 'मटमैला पन्ना' है, जो जाति, सम्प्रदाय, भाषा, क्षेत्र, लिंग आदि में वैधानिक विभेद रचता है और उसे सामान्य जातियों के खिलाफ ऐतिहासिक सामाजिक अत्याचार का प्रतिफल करार देता है। हैरत की बात है कि संविधान जिन लोगों को कानूनी संरक्षण देता है, उनके व्यक्तिगत और सामाजिक उत्पातों पर से भी प्रशासन अपनी आंखें फेर लेता है, यह जमीनी हकीकत है, इसलिए कतिपय सवाल लाजिमी है। बहरहाल, नफरती भाषण सम्बन्धी जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट का स्टैंड व्यावहारिक है, और संवैधानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो काफी संतुलित और सही माना जा सकता है, लेकिन यह बिना विवाद के नहीं है–विशेषकर जातिगत भावनाओं के मामले में। सवाल है कि नफरत भरे भाषण सुप्रीम कोर्ट का रुख क्या था? तो जवाब होगा कि सुप्रीम कोर्ट ने ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ नफरती भाषण को अलग से 'जाति आधारित दंडनीय अपराध' घोषित करने की भी याचिका पर विशेष निर्णय देने से इनकार कर दिया और याचिका को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना ने स्पष्ट कहा कि 'केवल ब्राह्मण ही क्यों, किसी भी समुदाय के खिलाफ नफरती भाषण स्वीकार्य नहीं है', यानी एक विशेष जाति को अलग सा 'हेट स्पीच' खंड के तहत नहीं रखा जाना चाहिए। लिहाजा, नेताओं को भी इसी भावना से सख्त कानून बनाना चाहिए। सवाल है कि आखिर क्यों सुप्रीम कोर्ट का यह स्टैंड तर्कसंगत है? तो जवाब होगा कि भारतीय संविधान और फिलहाल लागू कानून (जैसे दंड संहिता की धाराएँ, आईटी एक्ट, निर्वाचन कानून, आदि) में दंगे, भड़काऊ भाषण और जाति आधारित उत्पीड़न के खिलाफ पहले से ही दंड का प्रावधान है; लिहाजा, कोर्ट ने इन्हीं तंत्रों को इस्तेमाल करने पर जोर दिया, बजाय एक नई जाति विशेष श्रेणी बनाने के। मसलन, न्यायपालिका का यह तर्क रहा कि अगर हेट स्पीच को रोकना है तो वह 'समुदाय विशेष' के लिए नहीं, बल्कि सभी समुदायों के लिए एक समान और संवैधानिक ढांचे में होना चाहिए, अन्यथा यह न्याय की बराबरी के सिद्धांत के खिलाफ जाएगा। जहां तक आपत्तियाँ और चिंताएँ की बात है तो ब्राह्मण समुदाय के कुछ तबकों का तर्क है कि आज की राजनीतिक और जन चेतना में ब्राह्मणों के खिलाफ घृणा का एक विशेष और संगठित स्तर बना है, इसलिए उसे अलग से चिह्नित कर रोकने की जरूरत है; जबकि कोर्ट का रुख उनके अनुभव को 'सामान्य' मानकर छोटा करने जैसा लगता है। इसके उलट, दूसरे तरफ से यह डर भी जताया जाता है कि अगर एक जाति को विशेष तौर पर 'नफरती भाषण' के खिलाफ संरक्षित श्रेणी में रखा जाए, तो इसे राजनीतिक रूप से हथियार बनाया जा सकता है और अन्य पिछड़े या अल्पसंख्यक समुदायों के हेट स्पीच विरोधी बचाव को नरम करने का तर्क भी बन सकता है। संक्षेप में यदि इस स्टैंड पर मूल्यांकन किया जाए तो सैद्धांतिक तौर पर सुप्रीम कोर्ट का स्टैंड प्राकृतिक न्याय, समानता और घुमावदार राजनीतिक जातिगत हथियारबंदी से बचाव के लिए उचित और संयमित लगता है। हालांकि, व्यावहारिक तौर पर यह यह भी दिखाता है कि नफरती भाषण को रोकना 'सिर्फ एक जाति की शिकायत' से उठकर इस तरह के घृणा विरोधी कानूनों की दृढ़ और निष्पक्ष अमलीकरण तक जाना चाहिए, चाहे निशाना कौन सा समुदाय हो। कहना न होगा कि सुप्रीम कोर्ट ने अलग अलग समुदायों (खासकर धार्मिक और जातीय) के खिलाफ हेट स्पीच पर लगातार एक ही मूल सिद्धांत बनाए रखा है: धर्म/जाति के आधार पर घृणा फैलाने वाला भाषण अस्वीकार्य है, लेकिन इसका नियंत्रण 'समान रूप से लागू' कानूनों से होना चाहिए, न कि हर समुदाय के लिए अलग अलग राजनीतिक कानूनी व्यवस्था बनाकर। मुसलमान समुदाय के खिलाफ हेट स्पीचः 21 अक्टूबर 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने भारत सरकार और कई राज्य सरकारों को निर्देश दिया कि वे ऐसे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें, जो विशेष रूप से मुसलमानों के खिलाफ नफरत भरा भाषण देते हैं या भड़काऊ रैलियाँ करते हैं। इस आदेश का मुख्य तर्क था कि धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरती भाषण सम्प्रदायिक तनाव और हिंसा को बढ़ाता है, इसलिए पुलिस और प्रशासन को ऐसे मामलों में तुरंत FIR दर्ज करना और जरूरी धाराएँ लगाना चाहिए, उन्हें 'आम सियासी भाषण' की छवि में नहीं ढकना चाहिए। अलग अलग समुदायों के लिए 'समान संरक्षण' का सिद्धांतः एक लंबित और बहु दायर लिटिगेशन में कोर्ट ने जोर दिया है कि हेट स्पीच रोकने के लिए न्यायपालिका 'हर छोटी घटना' पर मौन सुनवाई नहीं कर सकती, बल्कि यह राज्य/पुलिस का काम है; लेकिन यह भी कहा है कि धर्म या जाति के आधार पर नफरत फैलाने वाला भाषण भारत की धर्मनिरपेक्ष ढांचे के खिलाफ है। इस मामले में कोर्ट का तर्क रहा है कि अगर हेट स्पीच को रोकना है, तो वह एक एक जाति/धर्म के लिए अलग याचिका देकर नहीं, बल्कि सभी समुदायों के लिए एक ही मानक (IPC, चुनाव कानून, आईटी एक्ट आदि) के तहत किया जाना चाहिए; यानी ब्राह्मण, मुसलमान, दलित, आदिवासी–सभी एक समान ढांचे में संरक्षित हों। राज्य स्तरीय और राजनीतिक नेताओं के खिलाफ मामलेः 2023 के कुछ आदेशों में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों (जैसे असम, उत्तर पूर्वी राज्य) को निर्देश दिए कि वे धर्मनिरपेक्ष देश में धर्म के आधार पर नफरत फैलाने वाले भाषणों के लिए उचित कानूनी कार्रवाई करें, चाहे भाषण राज्य मंत्रियों या सामाजिक संगठनों के नेताओं के मुंह से निकले। इन मामलों में कोर्ट ने यह भी जोर दिया कि न्यायपालिका 'हर छोटी घटना' पर नजर रखने की जगह राज्य अपने अधिकार और नैतिक जिम्मेदारी से नफरती भाषण को रोकने के लिए प्रभावी तंत्र बनाएँ, जैसे SHRC या विशेष समितियाँ, बजाय निरंतर जनहित याचिकाओं पर निर्भर रहने के।

निष्कर्ष रूप से यह कहा जा सकता है कि पहले के मामलों में सुप्रीम कोर्ट ने अलग अलग समुदायों (मुसलमान, अन्य अल्पसंख्यक, धर्मनिरपेक्षता बनाए रखने के लिए अस्पष्ट ग्रुप) के खिलाफ हेट स्पीच को गंभीर लिया है और राज्य अपराध के रूप में कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया है, लेकिन 'हर एक जाति के लिए अलग अलग नियम/याचिका' बनाने की तरफ नहीं गया। इसी के संदर्भ में ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ नफरती भाषण वाली ताजा याचिका पर भी कोर्ट ने यही तर्क दोहरायाः 'कोई भी समुदाय नफरती भाषण का निशाना नहीं होना चाहिए, इसलिए सभी के लिए एक ही संवैधानिक और कानूनी ढांचा चाहिए, न कि जाति विशेष व्यवस्था।' संक्षेप में कहें तो हेट स्पीच के लंबित जनहित याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला अभी आने वाला है, लेकिन निश्चित तारीख अभी तय नहीं की गई। सवाल है कि क्या फैसला 'सुरक्षित' रखा गया है? तो यह जान लीजिए कि जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने 20 जनवरी 2026 को हेट स्पीच संबंधी कई रिट याचिकाओं पर अपना आदेश/फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने सभी पक्षकारों (केंद्र, राज्य सरकारें, याचिकाकर्ता आदि) से लिखित दलीलें और संक्षिप्त नोट्स दो हफ्ते के भीतर दाखिल करने को कहा था; इसके बाद मामले पर फिर सुनवाई होनी है, जिस पर अंतिम आदेश आएगा। जहां तक अनुमानित समय सीमा की बात है तो रिपोर्ट्स के मुताबिक, कोर्ट ने संकेत दिया है कि अधिकांश 2021 से लंबित हेट स्पीच याचिकाओं को बंद करने की दिशा में जा रहा है, और जल्द ही अंतिम आदेश आने वाला है। हालाँकि, कोई फिक्स्ड तारीख या महीना अभी ऐलान नहीं किया गया; अभी तक बस इतना कहा गया है कि 'निर्णय जल्द ही आएगा' (shortly) और पुराने बैच के मामले बंद किए जाएँगे, जबकि नोएडा के एक विशेष हेट क्राइम मामले पर निगरानी जारी रहेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अगर अभी तक फैसला नहीं आया है तो यह जल्द जल्द (महीनों के अंदर) आने की संभावना है, न कि सालों तक टलने की। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने हेट स्पीच से जुड़े लंबित मामलों पर फिलहाल अंतिम आदेश सुरक्षित रख लिया है, लेकिन दिशा निदेर्शों के रूप में कुछ स्पष्ट बिंदु दिए हैं, जिनका मूल विचार हैः 'हेट स्पीच को रोकना जरूरी है, लेकिन न्यायपालिका हर छोटी घटना का निरीक्षक राज्य नहीं बनेगी; राज्य और कानून तंत्र अपनी जिम्मेदारी निभाएँ।'

संक्षिप्त समाचार

सेनेगल में समलैंगिकता पर सख्ती बढ़ी, डर के साये में जी रहे लोग

डकार, एजेंसी। सेनेगल की राजधानी डकार में एक युवा अपनी पहचान छिपाकर रहने को मजबूर है। उसे डर है कि पुलिस उसे पकड़ लेगी। उसके परिवार ने उसे घर से निकाल दिया है और उसके एक दोस्त से पुलिस पूछताछ भी कर चुकी है। यह युवा टूबा शहर का रहने वाला है, जो सूफी मुस्लिम आस्था का बड़ा केंद्र है। वह अभी एक ऐसे दोस्त के साथ रह रहा है, जिसे उसकी सच्चाई का पता नहीं है। सेनेगल में समलैंगिकता पहले से ही गैरकानूनी है। अब वहां की सरकार इसके लिए जेल की सजा को और बढ़ाने की तैयारी कर रही है। इस वजह से वहां के लोगों में बहुत ज्यादा खौफ है। अफ्रीका के आधे से ज्यादा देशों में समलैंगिकता के खिलाफ कड़े कानून लागू हैं। हाल के वर्षों में युगांडा ने तो इसके लिए मौत की सजा तक का प्रावधान कर दिया है, जिसकी पूरी दुनिया में आलोचना हुई थी। अब सेनेगल भी सजा को और सख्त बनाने वाले देशों की सूची में शामिल हो गया है। वहां के लोग अपनी सुरक्षा को लेकर काफी चिंतित हैं।

फ्रांस लिब्रे– फ्रांस का नया परमाणु चलित युद्धपोत

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने देश के नए परमाणु ऊर्जा से चलने वाले विमानवाहक पोत का नाम 'फ्रांस लिब्रे' रखा है। यह जहाज 2038 तक तैयार होगा और इसमें लगभग 30 राफेल लड़ाकू विमान और 2000 सैनिक रहेंगे। इसकी लागत करीब 10 अरब यूरो बताई गई है। मैक्रों ने कहा कि यह नाम फ्रांस की आजादी और ताकत का प्रतीक है। यह जहाज फ्रांस की सैन्य शक्ति को और मजबूत करेगा और खासकर मध्य-पूर्व क्षेत्र में उसकी मौजूदगी बढ़ाएगा।

टेक्सास में मालगाड़ी के कई डिब्बे पटरी से उतरे

टेक्सास , एजेंसी। अमेरिका के टेक्सास राज्य में एक मालगाड़ी के कई डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे इथेनॉल का रिसाव हुआ। यह घटना रिचमंड शहर के पास हुई, लेकिन राहत की बात है कि इसमें कोई घायल नहीं हुआ। अधिकारियों ने बताया कि रिसाव को जल्दी ही नियंत्रित कर लिया गया और लोगों के लिए कोई बड़ा खतरा नहीं है। हादसे के कारण कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य हो गई।

ब्राजील में पुलिस कार्रवाई, ड्रग माफिया समेत आठ मारे गए

रियो डी जेनेरियो , एजेंसी। ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में पुलिस ने एक बड़े ऑपरेशन में 8 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक कुख्यात ड्रग माफिया भी शामिल था। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई अपराधियों के खिलाफ की गई थी। इसके बाद बदमाशों ने एक बस में आग लगा दी और सड़कों को जाम कर दिया। पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया है और इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस घटना ने शहर की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं।

अमेरिका में कोविड मौतों पर नई रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। एक नई स्टडी में सामने आया है कि कोरोना महामारी के शुरुआती दौर में अमेरिका में वास्तविक मौतें आधिकारिक आंकड़ों से कहीं ज्यादा थीं। रिपोर्ट के अनुसार 2020 और 2021 में करीब 8.4 लाख मौतें दर्ज की गईं, लेकिन लगभग 1.55 लाख मौतें ऐसी थीं जो रिकॉर्ड में शामिल नहीं हो पाईं। यानी करीब 16 प्रतिशत मौतें गिनी ही नहीं गईं। शोधकर्ताओं ने बताया कि ज्यादातर अनगिनी मौतें अस्पताल के बाहर हुईं, जहां लोगों का टेस्ट नहीं हो पाया। खासकर हिस्पैनिक और अन्य गरीब समुदाय ज्यादा प्रभावित हुए। शुरुआती समय में टेस्टिंग की सुविधा कम थी और कई जगह मौत की जांच सही तरीके से नहीं हुई। इससे सही आंकड़े सामने नहीं आ पाए।

अनुतिन चर्नविराकुल बने रहेंगे थाईलैंड के प्रधानमंत्री, संसद में जीता विश्वास मत

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड की संसद में हुए मतदान में प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने जीत हासिल की है। अब वह अपने पद पर बने रहेंगे। गुरुवार को हुए इस मतदान में उन्हें 498 में से 293 वोट मिले। जो कि बहुमत के लिए जरूरी आंकड़े से यह कहीं ज्यादा है। राजा महा वजिरालोंगकोर्न से औपचारिक नियुक्ति मिलने के कुछ दिनों बाद वह अपना कार्यभार संभालेंगे। अनुतिन की 'भूमजईथाई पार्टी' ने फरवरी के चुनावों में 191 सीटें जीती थीं। उन्होंने 'फेउ थाई पार्टी' (74 सीटें) और अन्य दलों के साथ मिलकर गठबंधन सरकार बनाई है। दूसरी ओर, 120 सीटें जीतने वाली 'पीपुल्स पार्टी' विपक्ष में रहेगी। । 59 वर्षीय अनुतिन पिछले साल सितंबर में प्रधानमंत्री बने थे। उनसे पहले पैतोंगतार्न शिनावात्रा इस पद पर थीं, जिन्हें नैतिकता के उल्लंघन के कारण हटना पड़ा था। अनुतिन ने कंबोडिया के साथ सीमा विवाद के दौरान खुद को देश के रक्षक के रूप में पेश किया।

बेटी को युद्ध की ट्रेनिंग दे रहे किम जोंग उन! एक साथ की मिसाइलों को मारने वाले टैंक की सवारी

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने नए युद्धक टैंकों का अनावरण किया है। सरकारी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ये टैंक मिसाइल और ड्रोन हमलों को पूरी तरह से रोकने में सक्षम हैं। इस अवसर पर उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने अपनी सेना से युद्ध की तैयारियों को और तेज करने का आग्रह किया है। इस दौरान किम जोंग उन और उनकी बेटी एक बार फिर सार्वजनिक रूप से साथ नजर आए और दोनों ने टैंक में सवार होकर सैन्य प्रशिक्षण की निगरानी की। इससे पहले किम और उनकी बेटी ने एक साथ रॉकेट प्रक्षेपण देखा था और पिस्तौल चलाई थीं। इससे प्रतीत होता है कि उत्तर कोरियाई नेता अभी से अपनी बेटी को युद्ध की ट्रेनिंग देने में लगे हैं।

सैन्य अभ्यास और टैंक की खूबियां

आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने शुक्रवार को बताया कि किम जोंग उन ने उन सैन्य अभ्यासों का निरीक्षण किया, जिनमें दुश्मन की रक्षा पंक्तियों पर हमले, छापेमारी और कब्जे का अभ्यास (सिमुलेशन) किया गया था। इस टैंक ने अलग-अलग स्थितियों और दिशाओं से हमला करने वाली 100% एंटी-टैंक मिसाइलों और ड्रोनों को सफलतापूर्वक रोक दिया। एजेंसी ने कहा कि यह प्रदर्शन टैंक की सक्रिय सुरक्षा प्रणाली की उच्च दक्षता को साबित करता है।

किम जोंग उन ने बताया कि इस नए टैंक को विकसित करने में सात साल का समय लगा है। इसे विशेष रूप से युद्ध के मैदान में इसके 'सर्वाइवल रेट' (बचने की क्षमता) को बेहतर बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह अब देश के मुख्य युद्धक टैंक के रूप में काम करेगा और उत्तर कोरियाई सेना के रात्रि अभियानों की क्षमता को भी काफी बढ़ाएगा।

उत्तराधिकारी के रूप में बेटी 'जू ए' की बढ़ती भूमिका : सरकारी मीडिया द्वारा जारी की गई तस्वीरों में किम जोंग उन को अपनी बेटी के साथ एक टैंक की सवारी करते हुए देखा गया। तस्वीरों में किम और उनकी बेटी बृहस्पतिवार को प्रशिक्षण के दौरान चमड़े की काली जैकेट पहने अन्य सैनिकों के साथ जैतूनी-हरे रंग के एक टैंक पर सवार दिखे। तस्वीरों में किम की बेटी टैंक के 'हैच' से अपना सिर बाहर निकाले नजर आ रही हैं जबकि किम टैंक के ऊपर बैठे मुस्कुराते दिख रहे हैं।

दक्षिण कोरिया के खुफिया अधिकारियों का मानना है कि इस लड़की की पहचान 'जू ए' के रूप में हुई है और अब वह उस चरण में प्रवेश कर चुकी हैं जहां उन्हें आधिकारिक तौर पर उत्तर कोरिया के अगले नेता (उत्तराधिकारी) के रूप में नामित किया जा रहा है। ब्लूमबर्ग ने क्यूंगनाम विश्वविद्यालय के 'इंस्टीट्यूट फॉर फार ईस्टर्न स्टडीज' के प्रोफेसर लिम यूल-चुल के हवाले से लिखा है कि 'किम जू ए अब महज एक साधारण पर्यवेक्षक की भूमिका से आगे बढ़ रही हैं और खुद को एक योद्धा तथा कमांडर दोनों के रूप में स्थापित कर रही हैं।'

ऐसा बताया जाता है कि किम जोंग उन की बेटी किम जू ऐ की आयु लगभग 13 साल है और वह 2022 के अंत से ही सैन्य परेड और हथियार प्रक्षेपण सहित कई प्रमुख कार्यक्रमों में अपने पिता के साथ नजर आती रही हैं। ऐसी अटकलें हैं कि किम जोंग उन अपनी बेटी को अपना उत्तराधिकारी नामित करने वाले हैं। उत्तर कोरियाई सरकारी मीडिया उन्हें किम जोंग उन की 'सबसे प्रिय' संतान बताता है।

अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध और चिंताएं

उत्तर कोरिया अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों की अवहेलना करते हुए लगातार अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत कर रहा है। हाल के वर्षों में उसने ड्रोन, लोइटरिंग मूनिशन्स (आत्मघाती ड्रोन) और उन्नत मिसाइलों के माध्यम से अपनी सेना के आधुनिकीकरण के प्रयासों को काफी तेज कर दिया है। इसके अलावा, अमेरिका ने चेतावनी दी है कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस की मदद करने के लिए सैनिक और सैन्य उपकरण भेजकर उत्तर कोरिया आधुनिक युद्ध का बहुमूल्य अनुभव प्राप्त कर रहा है।

ट्रम्प ने जापानी पीएम की मौजूदगी में कहा- हमें भी पर्ल हार्बर हमले की जानकारी नहीं थी, वैसा ही हमने ईरान में किया

टोक्यो, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने गुरुवार को जापान की प्रधानमंत्री को उस समय चौंका दिया, जब उन्होंने 1941 में हुए पर्ल हार्बर हमले का जिक्र कर दिया। ट्रम्प ने यह बात हल्के अंदाज में कही, लेकिन यह टिप्पणी जापान के लिए असहज करने वाली मानी जा रही है।

ट्रम्प ने पीएम साने ताकाइची के साथ एक बैठक के दौरान पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। तब उनसे एक रिपोर्टर ने पूछा- अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला करने से पहले अपने सहयोगियों को क्यों नहीं बताया।

इस पर ट्रम्प ने कहा, 'हमने किसी को नहीं बताया क्योंकि हम सरप्राइज देना चाहते थे। सरप्राइज के बारे में जापान से बेहतर कौन जानता है?' उन्होंने एक जापानी पत्रकार से मजाकिया लहजे में कहा, 'तुमने मुझे पर्ल हार्बर के बारे में क्यों नहीं बताया? 'ताकाइची, जो ट्रांसलेटर के जरिए बात समझ रही थीं, उन्होंने कुछ नहीं कहा, लेकिन ऐसा लगा कि वह यह सुनकर असहज हो गई थीं।

दरअसल, 7 दिसंबर 1941 को जापान ने अमेरिका के हवाई स्थित पर्ल हार्बर सैन्य अड्डे पर अचानक हमला किया था। इस हमले में 2400 से ज्यादा अमेरिकी मारे गए थे। इसके बाद अमेरिका द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल हो गया था।

लंदन में 2 भारतीयों ने सड़क पर पान थूका, डेढ़ लाख रुपए का जुर्माना लगा

लंदन , एजेंसी। लंदन के ब्रेंट इलाके में सार्वजनिक जगह पर पान थूकने के मामले में भारतीय मूल के दो लोगों पर 1,391 पाउंड (करीब 1.45 लाख रुपये) का जुर्माना लगाया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों लोगों को पहले मौके पर ही 100 पाउंड का जुर्माना भरने के लिए कहा गया था, लेकिन उन्होंने इसे नहीं भरा। इसके बाद मामला कोर्ट पहुंच गया और जुर्माना कई गुना बढ़ गया।

ब्रेंट सिटी काउंसिल ने पान थूकने के खिलाफ सख्त अभियान शुरू किया हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि इससे सार्वजनिक जगहें गंदी होती हैं और सफाई पर काफी खर्च बढ़ जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, काउंसिल को हर साल करीब 30,000 पाउंड (लगभग 30 लाख रुपये) सिर्फ पान के दाग साफ करने में खर्च करने पड़ते हैं। पहला मामला एडगवेयर इलाके के रहने वाले अक्षीतकुमार भद्रे पटेल का है। उन्होंने जून 2025 में किंग्सबरी रोड पर एक मेट्रो स्टेशन के पास पान थूका था। वे कोर्ट में पेश नहीं हुए, इसलिए उनके खिलाफ फैसला उनकी गैरमौजूदगी में ही सुनाया गया। समय पर जुर्माना न भरने के कारण उनकी रकम 10 गुना से ज्यादा बढ़ गई। दूसरा मामला रुइसलिप इलाके के रहने वाले हितेश पटेल का है। उन्होंने वेम्बली हिल रोड पर पान थूका था। वे भी कोर्ट में पेश नहीं हुए और उनके खिलाफ भी गैरहाजिरी में ही फैसला हुआ, जिससे उन पर भी भारी जुर्माना लगा।

उत्तर-पश्चिम लंदन के ब्रेंट और आसपास के इलाकों में पान थूकने की समस्या बढ़ रही है, जिस पर स्थानीय प्रशासन सख्त हो गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, पान के दाग हटाना मुश्किल और महंगा होता है, इसके लिए खास तरीके से सफाई करनी पड़ती है। काउंसिल ने 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाई है। इसके तहत जगह-जगह चेतावनी वाले बैनर लगाए जा रहे हैं, अधिकारी गश्त कर रहे हैं और मौके पर ही 100 पाउंड तक का जुर्माना लगाया जा रहा है।

बालेंद्र शाह 27 को लेंगे प्रधानमंत्री पद की शपथ और सांसद 26 मार्च को; चुनाव में RSP को मिली थीं 182 सीटें

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के वरिष्ठ नेता बालेंद्र शाह 27 मार्च को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। एक दिन पहले सांसदों को शपथ दिलाई जाएगी। 5 मार्च को हुए प्रतिनिधि सभा चुनाव में आरएसपी ने 182 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। पार्टी ने चुनाव से पहले ही बालेंद्र शाह को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया था।

आरएसपी अध्यक्ष रवि लामिछाने, वरिष्ठ नेता शाह तथा उपाध्यक्ष द्वय डीपी अर्याल और स्वर्णिम वाग्ले के बीच हुई बैठक में शपथ की तारीख तय की गई। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि पीएम पद की शपथ से पहले 26 मार्च को संघीय संसद सचिवालय ने 26 मार्च को दोपहर 2 बजे सांसदों के शपथ ग्रहण का कार्यक्रम तय है। इसके तुरंत बाद आरएसपी सरकार गठन की प्रक्रिया आगे बढ़ाएगी।

अस्थायी हॉल में होगा शपथ ग्रहण : संघीय संसद सचिवालय के प्रवक्ता एकराम गिरी के अनुसार सिंहदरबार परिसर के भीतर निर्माणाधीन नए संसद भवन के पूरी तरह तैयार न होने के कारण शपथ ग्रहण समारोह अस्थायी हॉल में होगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर माइक्रोफोन, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक आधारभूत संरचनाओं की स्थापना का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। नेपाल निर्वाचन आयोग राष्ट्रपति पौडेल को आज सौंपेगा अंतिम चुनाव नतीजे नेपाल के निर्वाचन आयोग ने कहा है कि वह शुक्रवार दोपहर को राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को चुनाव के अंतिम नतीजे पेश करेगा। प्रतिनिधि सभा के चुनाव पांच मार्च, 2026 को हुए, जिसमें 275 सदस्यीय निचले सदन (प्रतिनिधि सभा) के लिए मतदान हुआ। निचले सदन में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को 182 सीटें, नेपाली कांग्रेस को 38 सीटें, सीपीएन-यूएमएल को 25, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को 17, श्रम संस्कृति पार्टी को सात और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी को पांच सीटें मिली हैं। निचले सदन के 275 सदस्यों में से 165 सदस्य प्रत्यक्ष मतदान द्वारा और 110 सदस्य आनुपातिक मतदान द्वारा चुने जाते हैं। आरएसपी ने साधारण बहुमत यानी 138 सीटों से अधिक सीटें हासिल कर ली हैं। पार्टी को दो-तिहाई बहुमत से के लिए केवल दो सीटों की जरूरत है। राष्ट्रपति नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू करेंगे। हार के बाद गगन थापा का कांग्रेस सभापति पद से इस्तीफा नेपाली कांग्रेस के सभापति गगन कुमार थापा ने प्रतिनिधि सभा चुनाव में पार्टी की करारी हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बुधवार को उन्होंने अपना त्यागपत्र पार्टी के उपसभापति विश्वप्रकाश शर्मा को सौंपा। थापा इसी वर्ष 15 जनवरी को विशेष महाधिवेशन के जरिये सभापति निर्वाचित हुए थे। 5 मार्च को हुए चुनावों में कांग्रेस ने बदला कांग्रेस, बदलेगा देश के नारे के साथ थापा को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया था।

अफगानिस्तान पर हमला कर इस्लामी दुनिया के निशाने पर आया पाकिस्तान, मुस्लिम धर्मगुरुओं ने की निंदा

काबुल , एजेंसी। अफगानिस्तान पर हवाई हमला कर 400 लोगों की जान लेने के चलते पाकिस्तान इस्लामी दुनिया के भी निशाने पर आ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुस्लिम विद्वान संघ ने अफगानिस्तान पर पाकिस्तान के हवाई हमले की कड़ी निंदा की है। अफगानिस्तान के टोलो न्यूज ने यह जानकारी दी है। मुस्लिम विद्वानों ने पाकिस्तानी हमले को इस्लामी सिद्धांतों और अंतरराष्ट्रीय कानून, दोनों का उल्लंघन बताया।

पाकिस्तान के हवाई हमले की जांच की मांग : टोलो न्यूज के अनुसार, मुस्लिम धर्मगुरुओं ने अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता जताते हुए पाकिस्तान और उसके सैन्य नेतृत्व से इस तरह की कार्रवाईयों को तुरंत रोकने की अपील की और साथ ही रिहैब अस्पताल पर हवाई हमले की जांच कराने की भी मांग की। मुस्लिम धर्मगुरुओं के संघ ने जांच के लिए पारदर्शी, स्वतंत्र आयोग का गठन करने की अपील भी की। पाकिस्तान ने अस्थायी तौर पर रोका ऑपरेशनइससे पहले पाकिस्तान ने ईद-उल-फितर के चलते मित्र इस्लामी देशों के अनुरोध पर अफगान तालिबान के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन गजब लिल हक को अस्थायी तौर पर रोकने का फैसला किया है। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने बुधवार को यह जानकारी दी। तरार ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'आगामी इस्लामी त्योहार ईद-उल-फितर के मद्देनजर, अपनी पहल पर और साथ ही सऊदी अरब साम्राज्य, कतर और तुर्किये जैसे मित्र इस्लामी देशों के अनुरोध पर, इस्लामी गणराज्य पाकिस्तान की सरकार ने अफगानिस्तान में आतंकवादियों और उनके ठिकानों के खिलाफ ऑपरेशन गजब लिल हक को अस्थायी विराम देने का फैसला किया है।' पाकिस्तानी ने एक नशा मुक्ति अस्पताल को बनाया था निशाना अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में बीते दिनों एक अस्पताल पर हुए पाकिस्तानी हवाई हमले में कम से कम 400 लोग मारे गए और करीब 250 घायल हो गए। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबिहुल्लाह मुजाहिद ने कहा है कि पाकिस्तानी हवाई हमले में अस्पताल का एक बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया है।

पीएम नेतन्याहू बोले- यूएस को युद्ध में हमने नहीं घसीटा

तेलअवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के साथ चल रहे युद्ध को लेकर बड़े दावे किए हैं। उन्होंने कहा, इस्राइल और अमेरिका के साझा हवाई हमलों के बाद अब ईरान के पास यूरेनियम संवर्धन करने या बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की ताकत नहीं बची है। नेतन्याहू के अनुसार, इस्राइल यह युद्ध जीत रहा है और ईरान की सैन्य शक्ति लगभग तबाह हो चुकी है।

क्या बोले नेतन्याहू : विदेशी मीडिया से बात करते हुए नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइली सेना उन कारखानों को निशाना बना रही है, जहां मिसाइल और परमाणु हथियारों के पुर्जे बनते थे। उन्होंने दावा किया कि ईरान का मिसाइल और ड्रोन भंडार अब खत्म होने की कगार पर है। हालांकि, उन्होंने ईरान की परमाणु क्षमता खत्म होने के दावों के पक्ष में कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया।

आरोपों को किया खारिज : नेतन्याहू ने उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया कि उन्होंने अमेरिका को इस युद्ध में जबरदस्ती घसीटा है। उन्होंने कहा कि इस्राइल ने ईरान में जो भी कार्रवाई की, वह उसका अपना स्वतंत्र फैसला था। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बचाव करते हुए कहा, 'क्या किसी को सच में लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप को कोई बता सकता है कि उन्हें क्या करना है?' नेतन्याहू के मुताबिक, ट्रंप हमेशा वही फैसला लेते हैं जो अमेरिका के लोगों के लिए अच्छा होता है। उन्होंने कहा कि इस्राइल और अमेरिका की सेनाएं और खुफिया एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं, जिससे युद्ध के लक्ष्य तेजी से पूरे हो रहे हैं।

मौत की अफवाहों पर क्या बोले नेतन्याहू : अपनी सेहत को लेकर चल रही अफवाहों पर चुटकी लेते हुए नेतन्याहू ने कहा, 'सबसे पहले मैं यह कहना चाहता हूं कि मैं जिंदा हूं।' उन्होंने ईरान के मुद्दे पर ट्रंप के साथ अपनी आपसी समझ की तारीफ की और कहा कि पूरी दुनिया ट्रंप की कर्जदार है।

गैस क्षेत्रों पर हमलों को लेकर नेतन्याहू ने बताया कि इस्राइल ने ईरान के 'साउथ पार्स' गैस कंपाउंड पर अकेले हमला किया था। लेकिन अब राष्ट्रपति ट्रंप के अनुरोध पर इस्राइल ने ईरान के गैस क्षेत्रों पर और हमले रोक दिए हैं। ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी है कि अगर उसने कतर पर हमला किया, तो अमेरिका जवाबी कार्रवाई करेगा और उस पूरे क्षेत्र को तबाह कर देगा। ईरान की अंदरूनी स्थिति पर नेतन्याहू ने कहा कि वहां की सरकार में दरारें दिखने लगी हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के बड़े अधिकारियों के बीच इतना तनाव है कि यह कहना मुश्किल है कि इस समय वहां की सरकार कौन चला रहा है। नेतन्याहू के अनुसार, ईरान की सरकार गिरने की परिस्थितियां तैयार हैं, लेकिन अब वहां की जनता को तय करना है कि वे कब विद्रोह करते हैं।

ईरान युद्ध के बीच तेल संकट से पस्त हो गया पाकिस्तान, लागू कर दिए कोरोना काल जैसे नियम

इस्लामाबाद, एजेंसी। ईरान और अमेरिका-इजरायल के युद्ध के बीच पाकिस्तान में फ्यूल का बड़ा संकट पैदा हो गया है। ऐसे में पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने अपनी जनता से साफ कह दिया है कि पेट्रोल-डीजल समेत बाकी फ्यूल का इस्तेमाल सीमित कर दें। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई मीटिंग में फैसला किया गया है कि सरकारी अधिकारियों के पेट्रोल खर्च में भी कंट्रोल किया जाएगा। पाकिस्तान की सरकार ने सभी सरकारी कार्यालयों को चार दिन का कार्य सप्ताह घोषित करने का आदेश दे दिया है। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि जिन विभागों में संभव हो उनमें 50 फीसदी कर्मचारियों से वर्क फ्रॉम होम करवाया जाए।

कोरोना काल जैसै नियम लागू : जानकारों का कहना है कि पाकिस्तान में कोरोना काल जैसे नियम लागू कर दिए गए हैं। पाकिस्तान की सरकार को डर सता रहा है कि कहीं ऐसा ना हो कि पेट्रोल-डीजल के भंडार पूरी तरह से खाली हो जाएं। पाकिस्तान सरकार ने अधिकारियों के फ्यूल खर्च में 50 फीसदी की कटौती की है। शहबाज शरीफ के कार्यालय के मुताबिक तेल का आयात कम होने की वजह से भविष्य में संकट दिखाई पड़ रहा है। अगर ईरान युद्ध समाप्त नहीं होता है तो आने वाले समय में संकट बहुत गहरा सकता है।

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने प्रांतों को भी निर्देश दिया है कि वे पेट्रोलियम के खर्च में कटौती करें। सारी स्थितियों पर पाकिस्तान का खुफिया विभाग भी नज रखा रहा है। आईबी से कहा गया है कि वह पूरे देश की स्थितियों को लेकर रिपोर्ट सरकार को सौंपे। इसके अलावा शहबाज सरकार ने जनता से भी कहा है कि जितना कम हो सके वह पेट्रोल और डीजल का इस्तेमाल करे।

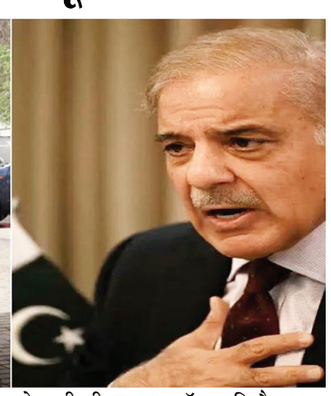

शहबाज शरीफ ने कहा कि आने वाली किसी भी स्थिति के लिए देश को तैयार रहना चाहिए। लोगों को सलाह दी गई है कि वे कार पूलिंग करें और कम से कम पेट्रोल खर्च करें। इजराइल और अमेरिका द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर हमलों के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमत 118 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। तेल के अंतरराष्ट्रीय मानक 'ब्रेंट क्रूड' की कीमत युद्ध शुरू होने के बाद से 60 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई है। कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान के हमलों की निंदा की। अरब लीग के महासचिव अहमद अबूल घीत ने इसे खतरनाक तरीके से उकसावे वाला बताया।

सऊदी अरब ने बताया कि एक ड्रोन ने लाल सागर के किनारे स्थित बंदरगाह शहर यानबू में देश की एसएएमआरईएफ रिफाइनरी पर बृहस्पतिवार को हमला किया। सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि नुकसान का आकलन किया जा रहा है लेकिन उसने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया। यह हमला कुवैत की दो तेल रिफाइनरी पर ड्रोन हमले के बाद हुआ।

ईरान ने फारस की खाड़ी में 'साउथ पार्स' प्राकृतिक गैस क्षेत्र पर बुधवार को किये गये इजराइली हमले के जवाब में ये हमले किए। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आश्वासन दिया कि इजराइल ईरान के प्रमुख गैस क्षेत्र 'साउथ पार्स' पर और हमले नहीं करेगा लेकिन उन्होंने साथ ही कहा कि अगर ईरान ने कतर पर फिर हमला किया तो अमेरिका जवाबी कार्रवाई करेगा और उस ''पूरे क्षेत्र को उड़ा देगा।

उपवास शक्ति सिद्धि योगा

योग में अष्टसिद्धियों के अलावा अन्य कई प्रकार की सिद्धियों का वर्णन किया गया है उनमें से एक है- उपवास शक्ति सिद्धि योग। उपवास को हम यहां अनाहार के अर्थ में लेते हैं। उपवास शक्ति सिद्धि योग से व्यक्ति कई-कई महीनों तक भूख और प्यास से मुक्त रह सकता है।

उपवास योगा की विधी : कंठ के कूप में संयम करने पर भूख और प्यास की निवृत्ति हो जाती है। यह उपवास योगा का महत्वपूर्ण सूत्र है। कंठ की कूर्मनाड़ी में संयम करने पर स्थिरता व अनाहार सिद्धि होती है। कंठ कूप में कच्छप आकृति की एक नाड़ी है। उसको कूर्मनाड़ी कहते हैं। कंठ के छिद्र जिसके माध्यम से पेट में वायु और आहार आदि जाते हैं उसे कंठकूप कहते हैं। कंठ के इस कूप और नाड़ी के कारण ही भूख और प्यास का अहसास होता है।

इस कंठ के कूप में संयम प्राप्त करने के लिए शुरुआत में प्रतिदिन प्राणायाम और भौतिक उपवास का अभ्यास करना जरूरी है। इसके लिए निम्निलिखित उपवास के बारे में जानें और प्राणायाम के संबंध में पिछले आलेखों को पढ़ें।

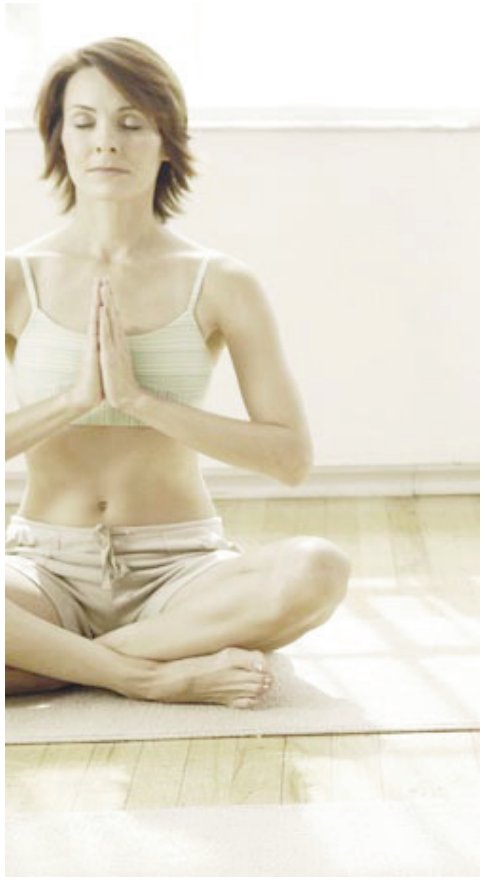

उपवास के प्रकार- 1.प्रात: उपवास 2.अद्धोपवास 3.एकाहारोपवास 4.रसोपवास 5.फलोपवास 6.दुग्धोपवास 7.तक्रोपवास 8.पूर्णोपवास 9.साप्ताहिक उपवास 10.लघु उपवास 11.कठोर उपवास 12.टूटे उपवास 13. दीर्घ उपवास।

प्रत: उपवास- इस उपवास में सिर्फसुबह का नाश्ता नहीं करना होता है और पूरे दिन और रात में सिर्फ2 बार ही भोजन करना होता है।

अद्धोपवास- इस उपवास को शाम का उपवास भी कहा जाता है और इस उपवास में सिर्फ पूरे दिन में एक ही बार भोजन करना होता है। इस उपवास के दौरान रात का भोजन नहीं खाया जाता।

एकाहारोपवास- एकाहारोपवास में एक के भोजन में सिर्फएक ही चीज खाई जाती है जैसे- सुबह के समय अगर रोटी खाई जाए तो शाम को सिर्फ सब्जी खाई जाती है। दूसरे दिन सुबह को एक तरह का कोई फल और शाम को सिर्फ दूध आदि।

रसोपवास- इस उपवास में अन्न तथा फल जैसे ज्यादा भारी पदार्थ नहीं खाए जाते। सिर्फ रसदार फलों के रस अथवा साग-सब्जियों के जूस पर ही रहा जाता है। दूध पीना भी मना होता है, क्योंकि दूध की गणना भी ठोस पदार्थों में की जा सकती हैं।

फलोपवास- कुछ दिनों तक सिर्फ रसदार फलों या भाजी आदि पर रहना फलोपवास कहलाता है। अगर फल बिल्कुल ही अनुकूल ना पड़ते हो तो सिर्फपकी हुई साग-सब्जियाँ खानी चाहिए।

दुग्धोपवास- दुग्धोपवास को 'दुग्धकल्प' के नाम से भी जाना जाता है। इस उपवास में सिर्फकुछ दिनों तक दिन में 4-5 बार सिर्फदूध ही पीना होता है।

तक्रोपवास- तक्रोपवास को 'मठाकल्प' भी कहा जाता है। इस उपवास में जो मठा लिया जाए, उसमें घी कम होना चाहिए और वो खट्टा भी कम ही होना चाहिए। इस उपवास को कम से कम 2 महीने तक आराम से किया जा सकता है।

पूर्णोपवास- बिल्कुल साफ-सुथरे ताजे पानी के अलावा किसी और चीज को बिल्कुल ना खाना पूर्णोपवास कहलाता है। इस उपवास में उपवास से सम्बंधित बहुत सारे नियमों का पालन करना होता है।

साप्ताहिक उपवास- पूरे सप्ताह में सिर्फ एक पूर्णोपवास नियम से करना साप्ताहिक उपवास कहलाता है।

लघु उपवास- 3 दिन से लेकर 7 दिनों तक के पूर्णोपवास को लघु उपवास कहते हैं।

कठोर उपवास- जिन लोगों को बहुत भयानक रोग होते हैं ये उपवास उनके लिए बहुत लाभकारी होता है। इस उपवास में पूर्णपवास के सारे नियमों को सख्ती से निभाना पड़ता है।

हेल्थ प्लस

टूटे उपवास- इस उपवास में 2 से 7 दिनों तक पूर्णोपवास करने के बाद कुछ दिनों तक हल्के प्राकृतिक भोजन पर रहकर दोबारा उतने ही दिनों का उपवास करना होता है। उपवास रखने का और हल्का भोजन करने का ये क्रम तब तक चलता रहता है, जब तक कि इस उपवास को करने का मकसद पूरा न हो जाए।

दीर्घ उपवास- दीर्घ उपवास में पूर्णोपवास बहुत दिनों तक करना होता है, जिसके लिए कोई निश्चित समय पहले से ही निर्धारित नही होता। इसमे 21 से लेकर 50-60 दिन भी लग सकते हैं। अक्सर ये उपवास तभी तोड़ा जाता है, जब स्वाभाविक भूख लगने लगती है अथवा शरीर के सारे जहरीले पदार्थ पचने के बाद जब शरीर के जरूरी अवयवों के पचने की नौबत आ जाने की संभावना हो जाती है।

सावधानी : उक्त सभी उपवास का लक्ष्य शरीर के अलग-अलग भागों में इकट्ठे हुए जहरीले पदार्थों को बाहर निकाल कर मन और शरीर को मजबूत करने से है। कुछ लोग उपवास किसी सिद्धि को प्राप्त करने के लिए करते हैं तो कुछ लोग कठित तप, साधना और मोक्ष के लिए करते हैं।

प्रत्येक उपवास अलग-अलग मकसद के लिए किया जाता है और सभी के लाभ भी अलग-अलग होते हैं। आम जनता को उपवास के महत्व और मकसद को समझकर ही उपवास करना चाहिए। बिना तैयारी किए तथा बिना उपवास के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त किए उक्त उपवास नहीं करना चाहिए।

उपवास योगा का लाभ : किसी भी प्रकार का गंभीर रोग इस योग द्वारा समाप्त किया जा सकता है। शरीर सहित मन और मस्तिष्क को हमेशा संतुलित और स्वस्थ बनाए रखा जा सकता है। इससे व्यक्ति की आयु बढ़ती है तथा व्यक्ति जीतेंद्रिय कहलाता है।

खुद को रखें खुश

- व्यायाम, काम और आराम में तालमेल बैठाएँ।
- जीवन ईश्वर का दिया एक अनुपम उपहार है। सुबह ईश्वर को इस वरदान के लिए धन्यवाद देना चाहिए।
- सकारात्मक सोच से जीवन में चमत्कार हो सकता है। खुश रहना आपका जन्मसिद्ध अधिकार है।
- डे ड्रीमिंग यानी दिवास्वप्न आत्मविश्वास में इजाफा करते हैं। सो, बिंदास सपने देखे।
- संगीत का जादू मन का मौसम बदल देता है।
- रोना भी एक टॉनिक है। इसलिए कभी-कभी दिल भर आए तो रो लीजिए।
- स्पोर्ट्स, पेंटिंग्स, गार्डनिंग, टूरिज्म, म्यूजिक या रीडिंग हैबिट्स व हॉबीज विकसित करें।
- 'क्षमा करो भूल जाओ' यानी 'फॉरगिव एंड फॉरगेट' का सिद्धांत अपनाएँ।
- क्रिएटिव राइटिंग से नकारात्मक सोच कम होती है। मिल-जुलकर रहें और खुश रहें।
- इंटेलिजेंस, इमोशन्स और स्प्रिच्युएलिज्म में सही तालमेल बिठाएँ।
- प्रिकॉशन्स इज बैटर देन क्योर यानी उपचार से रोकथाम बेहतर है। समय, प्रयास और धन की दृष्टि से यह फंडा कारगर है।
- राष्ट्र की खुशहाली व उन्नति युवाओं की सेहत पर निर्भर करती है। अत: देश के युवाओं का दायित्व है कि वह हेल्थ और फिटनेस पर ध्यान दें।

क्या, कब और कैसे खाएं

- प्रात: बिना स्नान किए भोजन नहीं करना चाहिए।
- भोजन को धीरे-धीरे चबाकर खाना चाहिए।
- भोजन को कभी भी ठूंस-ठूंसकर नहीं खाना चाहिए। इससे कई रोग हो सकते हैं।
- भोजन तीन-चौथाई पेट ही करना चाहिए।
- भूख लगने पर पानी और प्यास लगने पर भोजन नहीं करना चाहिए, अन्यथा स्वास्थ्य को हानि पहुँचती है।
- जैसे खाने की आवश्यकता महसूस होने पर उसे पानी पीकर समाप्त करने की कोशिश या प्यास लगने पर कुछ भी खाकर प्यास को टाल देना।
- भोजन के बीच में प्यास लगने पर थोड़ा-थोड़ा करके पानी पीना चाहिए।
- भोजन के तुरंत पहले या अंत में तुरंत पानी नहीं पीना चाहिए।
- हजार काम छोड़कर नियमित समय पर भोजन करें।
- बासी, ठंडा, कच्चा अथवा जला हुआ और दोबारा गर्म किया हुआ भोजन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी नहीं होता।
- भोजन पच जाने पर ही दूसरी बार भोजन करना चाहिए।
- प्रात: भोजन के बाद शाम को यदि अजीर्ण मालूम हो तो कुछ नर्म भोजन लिया जा सकता है।
- परंतु रात्रि को भोजन के बाद प्रात: अजीर्ण हो तो बिल्कुल भोजन नहीं करना चाहिए। भोजन के तुरंत बाद सोना नहीं चाहिए।

गुणों से भरपूर है गन्ना

आयरन व कार्बोहाइड्रेट की प्रचुर मात्रा होने के कारण गन्नो का रस तुरंत शक्ति व स्फूर्ति प्रदान करता है। इसमें ढ़ेर सारे खनिज तत्व व ऑर्गेनिक एसिड होने के कारण इसका औषधीय महत्व भी है। गन्नो का रस पेट, दिल, दिमाग, गुर्दे व आँखों के लिए विशेष लाभदायक है। गन्नो का रस हमेशा ताजा व छना हुआ ही पीना चाहिए।

- बुखार होने पर इसका सेवन करने से बुखार जल्दी उतर जाता है।
- एसीडिटी के कारण होने वाली जलन में भी गन्ने का रस लाभदायक होता है।
- गन्ने के रस का सेवन यदि नीबू के रस के साथ किया जाए तो पीलिया जल्दी ठीक हो जाता है।
- दुबले लोगों को भी गन्ने का रस काफी फायदा करता है।
- गन्ने को दाँतों से चूसकर खाने से कमजोर दाँत मजबूत होते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2026

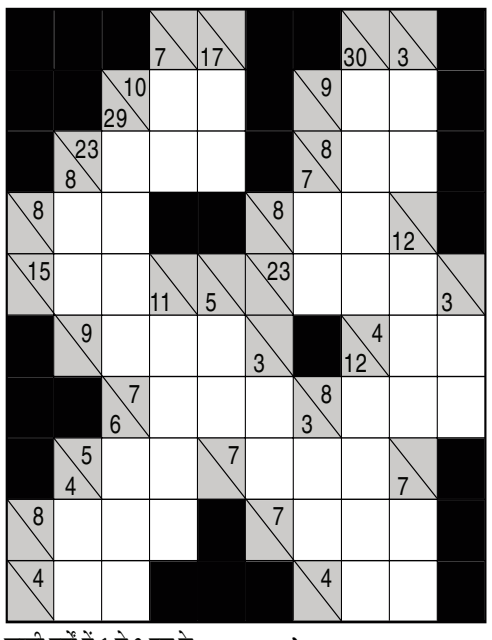

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

16/23 → 1 2 3 4 6 ; ↑ 6 8 9

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 2025 का हल

लॉफिंग ज़ोन

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी? खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

□ □ □

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

रमन (मित्र से)- 'यार तेरा हाथ कैसे फ्रैक्चर हो गया?'

चमन- 'कल मैं तेज मोटरसाइकल चलाकर घर आ रहा था, तभी सामने से एक ट्रक आ गया। मैंने ब्रेक मारा और...।'

रमन- 'उसने तुझे टक्कर मार दी।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2026

बायें से दायें:-

१. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
३. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-२
५. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
७. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
९. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
११. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-३
१३. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-३
१७. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म-५
२०. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बॉसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म-३
२२. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-४
२९. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म-४
३१. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-२
३२. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-४

ऊपर से नीचे:-

१. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-२,३
२. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-२
४. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-३
५. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-३
६. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-२
१४. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-२,२
१५. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-३
१८. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-४
२५. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-४
२७. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-३
२८. 'अंखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-३
३०. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2025

फा	■	द	ह	क	■	रा	जू	चा	चा
गु	ला	म	■	री	ना	■	ही	■	ल
न	■	न	सी	ब	■	दा	■	जे	बा
■	रॉ	■	मा	■	जु	ग	नू	■	ज
फ	की	रा	■	क	र्मा	■	त	ब्बू	■
र्ज	■	ज	ख्मी	■	ना	दा	न	■	ती
■	बा	पू	■	शू	■	दा	■	द	स
म	■	त	ह	ल	का	■	द	■	रा
क	र्ज	■	म	■	जो	शी	ला	■	कौ
ड़ी	■	मा	ला	मा	ल	■	ल	गा	न

सूडोकु -2026

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2025 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 2026

बाएँ से दाएँ

1.उम्मीद,आशा-2
3.जी,चित्त-2
5.भस्म,खाक-2
7.जाल,फंदा-2
9.चिंतन,सोचना-3
11.ठाठ-बाट-2
13.क्रिकेट में बनते हैं-2
15.एक राशि-3
17.काया,बदन-2
19.एक विदेशी शराब-2
22.बोलने का तरीका-3
24.शालीन,सभ्य-2
26.बल,ताकत-2
28.भैंस जैसा एक पशु-2
30.पुत्री की पुत्री-3
32.कोर्ट में प्रस्तुत दावा-2
34.मोटा आटा-2
36.जुड़वा-3
38.आनंदित-2
41.नौकर,गुलाम-2
43.बूंद-3
45.लक्ष्मी,विष्णुप्रिया -2
47.जंगल,कानन-2
49.मेहंदी -2
51.दृष्टि,निगाह-3
53.बुरी आदत -2
55.बुढ़ापा -2
57.नमस्कार,प्रणाम -3
60.खुमार,सरूर -2
62.भीगा हुआ -2
64.पक्षाघात-3
66.चुनौती-2
67.ऋण,उधार -2
68.भूमि,जमीन-2
69.चस्का,बुरी आदत-2

ऊपर से नीचे

1.फलों का राजा-2
2.साजन,बलमा-3
4.खुमार-2
6.खच्चर,गधा-2
8.वहम,संदेह-2
10.अनुकृति-3
12.झुका हुआ-2
14.आदमी-2
16.वास करना-3
18.आकाश-2
20.घमंड-2
21.बदन-2
23.जातिवाद-3
25.पिघले पत्थर-2
27.रोग,-2
29.हाथ,टैक्स-2
31.लवण-3
33.ताकत-2
35.वचन-2
37.प्रयत्न-3
39.स्थिति -2
40.नवीन-2
42.सच्चा-2
44.राजा-3
46.हार-2
48.टौंटी-2
50.गुमान-2
52.पासों का खेल-3
54.काया-2
56.रात्रि-2
58.हुबहू-3
59. समय-2
61.सब्जी-2
63.गाड़ी-2
65.गैस-2

शब्द पहेली -2025 का हल

■	स	र	ग	ना	■	आ	म	रा	य	■
फि	■	न	ज	ला	■	फि	क	र	■	त
त	ल	■	ल	य	■	स	र	■	ला	ल
र	ह	ना	■	क	हा	र	■	ज	ल	वा
त	र	सा	ना	■	ति	■	ज	ल	च	र
■	■	■	र	ह	म	दि	ल	■	■	■
ब	ग	दा	द	■	ता	■	न	ज	रा	ना
र	म	ल	■	स	ई	स	■	प	ह	रा
ग	ला	■	स	दा	■	ल	स	■	त	य
द	■	ग	ली	चा	■	वा	न	र	■	ण
■	का	श्त	का	र	■	र	म	जा	न	■

आईजीएनसीए में डॉ. पद्मा सुब्रह्मण्यम ने 'भगवद गीता' पर दी नाट्य प्रस्तुति

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के अवसर पर भरतनाट्यम कलाकार एवं 'पद्म विभूषण' डॉ. पद्मा सुब्रह्मण्यम की 'भगवद गीता' पर आधारित विशेष नृत्य-नाट्य प्रस्तुति को देखकर दर्शक भाव विभोर हो उठे। यह उत्सव आईजीएनसीए के 19 मार्च को 39वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा है। कार्यक्रम के दूसरे दिन डॉ. सुब्रह्मण्यम की नृत्य-नाट्य प्रस्तुति में गीता के दार्शनिक संदेशों को सजीव किया गया। समारोह का तीसरा दिन 21 मार्च भारत की विविध लोक परम्पराओं और मार्शल आर्ट्स को समर्पित रहेगा। कार्यक्रम की शुरुआत सायं 4 बजे असम के बागुरुम्बा नृत्य से होगी। इसके बाद हिमाचल प्रदेश का नाटी नृत्य, गुजरात का तलवार रास, केरल का प्राचीन मार्शल आर्ट कलारीपयट्टु, मध्य प्रदेश की कबीर गायन परम्परा तथा अंत में सूफी एवं कबीर गायन की आकर्षक प्रस्तुतियां होंगी। दर्शकों को 19-21 मार्च तक चलने वाले इस समारोह में भारतीय कला, दर्शन और परंपराओं का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। उत्सव के पहले दिन कल शाम 'पद्म विभूषण' डॉ. सोनल मान सिंह के नाम रही थी। उन्होंने अपने विशेष कार्यक्रम नाट्य कथा-देवी के माध्यम से शक्ति उपासना और नाट्यशास्त्रीय सौंदर्य की ऐसी प्रस्तुति दी कि उपस्थित जनसमूह भाव-विभोर हो उठा था।

मुंबई की मस्जिदों में हजारों लोगों ने एक साथ अदा की नमाज, एक-दूसरे को दी बधाई

मुंबई । रमजान के समापन के उपलक्ष्य में ईद-उल-फितर की नमाज अदा करने के लिए देशभर की मस्जिदों में सुबह मुस्लिम समाज के लोग एकत्रित हुए। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की भी छोटी से लेकर बड़ी मस्जिदों में शनिवार की सुबह नमाज अदा करने की भीड़ उमड़ी। शहर में कड़ी सुरक्षा के बीच अमन और शांति की दुआएं मांगी गईं। मुंबई सेंट्रल स्थित वाईएमसीए ग्राउंड और माहिम दरगाह पर हजारों लोग एकत्रित हुए और ईद-उल-फितर की नमाज अदा की। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान समेत बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा की। घाटकोपर की पंखे शाह दरगाह, माहिम दरगाह और शहर की अन्य प्रमुख मस्जिदों में सुबह 7:00 से 9:00 बजे के बीच नमाज अदा की गई। सुबह-सुबह ही मस्जिद और दरगाहों पर नमाजियों की भारी भीड़ देखी गई। कोलाबा, मोहम्मद अली रोड, भायखला, और बांद्रा सहित सभी प्रमुख मस्जिदों में शनिवार सुबह 7:00 बजे के बाद नमाज अदा की गई। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारक दी। इस मौके पर एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, 'मैं देश के सभी लोगों को ईद की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। '

युद्धाभ्यास 'अमोघ ज्वाला' में भारतीय सेना के हथियारों ने दुश्मन के ठिकानों को निशाना बनाया

जोधपुर। सरहदी जिले जैसलमेर में भारतीय सेना ने अमोघ ज्वाला नाम का एक बड़ा युद्धाभ्यास किया। इस अभ्यास में सेना ने दिखाया कि आज के समय में युद्ध सिर्फ हथियारों से नहीं, बल्कि डेटा, सिग्नल और इंटेलिजेंस से भी लड़ा जाता है। इस दौरान आसमान में उड़ रहे ड्रोन ने दुश्मन की सही लोकेशन पता लगाई। इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर की मदद से दुश्मन के सिग्नल को जाम कर दिया गया, ताकि वह कोई संपर्क न कर सके। यानी दुश्मन को बिना सीधे लड़ाई के भी कमजोर किया जा सकता है। इस अभ्यास का निरीक्षण दक्षिणी कमान के जीओसी-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने किया। रेगिस्तान और मैदानी इलाकों में सेना की मशीनीकृत टुकड़ियों ने अपनी ताकत दिखाई। टैंक और पैदल सेना (इन्फैंट्री) ने तेजी और सटीक निशाने के साथ काल्पनिक दुश्मन के ठिकानों को निशाना बनाया। अमोघ ज्वाला सिर्फ हथियारों का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि यह दिखाने का तरीका था कि भारतीय सेना नई तकनीक के साथ कितनी तैयार है। इसमें इंटेलिजेंस, सर्विलांस और रिकॉनिसेंस के जरिए दुश्मन की पूरी जानकारी जुटाई गई। अमोघ ज्वाला का सबसे बड़ा आकर्षण यह था कि इसमें आधुनिक, डिजिटल और आपस में जुड़े युद्ध का लाइव प्रदर्शन देखने को मिला। इस अभ्यास में खास बात यह रही कि नए जमाने के उपकरणों को बिना किसी रुकावट के एक साथ जोड़ा गया।

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बारिश का अलर्ट, तेज हवाएं भी चलेंगी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के बड़े हिस्से में घने काले बादल छाए हुए हैं और राज्य में अस्थिर मौसम की स्थिति बनी हुई है, जिससे तत्काल राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। लखनऊ स्थित भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, कई जिलों में भारी बारिश, बिजली गिरने और तेज हवाओं का सामना करना पड़ सकता है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि इससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। आज़मगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती और अम्बेडकर नगर सहित जिलों में तीव्र वर्षा की संभावना है।

मणिपुर में व्यापक भारी मात्रा में हथियार-गोला-बारूद बरामद, केवाईकेएल उग्रवादी गिरफ्तार

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर के विभिन्न जिलों में सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए व्यापक तलाशी अभियानों में भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किए गए। पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि इस दौरान एक प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के सक्रिय सदस्य को भी गिरफ्तार किया गया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, थौबल जिले के खोंगजोम और नोंगपोक सेक्मई थाना क्षेत्रों के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर चलाए गए अभियानों में कई सिंगल बैरल बंदूकें, कार्बाइन, पिस्तौल, मोर्टार, हैंड ग्रेनेड और विभिन्न कैलिबर के जिंदा कारतूस बरामद किए गए। टेंथा मारोंगबंद और आसपास के इलाकों से भी अतिरिक्त हथियार और गोला-बारूद जब्त किए गए। इंफाल पश्चिम जिले के लामदेंग और कामेंग क्षेत्र में की गई कार्रवाई

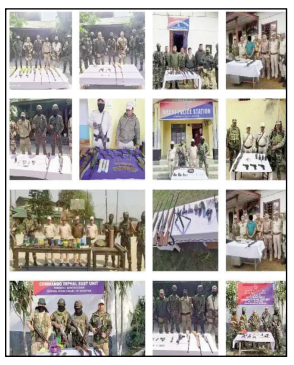

के दौरान सुरक्षा बलों ने एक एसएलआर, मॉडिफाइड स्नाइपर राइफल, कई पिस्टल, बड़ी मात्रा में कारतूस, कैमोफ्लाज उपकरण और अन्य सामरिक सामग्री बरामद की, जिससे संगठित हथियार भंडारण की आशंका जताई जा रही है।

काकचिंग जिले के वाबागाई तुरेल मामेई क्षेत्र से आईएनएसएएस और एके-56 राइफल, ग्रेनेड, डेटोनेटर, ट्यूब लॉन्चिंग डिवाइस और संचार उपकरण बरामद किए गए। तेंगनौपाल जिले में एसएल जौगाम, लोइसी और सैवोम गांवों के बीच के क्षेत्र तथा यांगौबुंग गांव के निकट अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास चलाए गए अभियानों में बड़ी संख्या में आईईडी, हथियार, ग्रेनेड और वायरलेस सेट जब्त किए गए। बरामद सभी आईईडी को सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए मौके पर ही निष्क्रिय कर नष्ट कर दिया गया। बीच, मणिपुर पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन केवाईकेएल के एक सक्रिय सदस्य लाईश्रम अशोक मैतेई (42) को काकचिंग जिले से गिरफ्तार किया।

उसके पास से एक .303 राइफल, जिंदा कारतूस और अन्य सामग्री बरामद की गई। इंफाल पूर्व जिले के चाम्फाई पहाड़ी क्षेत्र, केइराओ वांगखेम और हुईत्रुबी इलाकों में भी चलाए गए अभियानों के दौरान देशी हथियार, राइफल, ग्रेनेड, स्मोक बम, कारतूस और संचार उपकरण बरामद किए गए। अधिकारियों ने बताया कि इन लगातार अभियानों से राज्य में उग्रवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने में मदद मिल रही है।

कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने केरल विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने पर जताया दुख

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. शमा मोहम्मद ने केरल विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने पर दुख प्रकट करते हुए कहा कि पार्टी ने सिर्फ नौ महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया है, जो चिंता का विषय है। उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से महिला सीटें बढाने की अपील की। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. शमा मोहम्मद ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि, हमें नकारा गया है, लेकिन हम हारे नहीं हैं। मैं अपने नेता राहुल गांधी से आग्रह करती हूं कि केरल की कांग्रेस महिलाओं की मदद करें। 92 टिकटों में से सिर्फ 9 महिलाओं को ही टिकट दिए गए हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी 16 टिकटों में सिर्फ एक महिला को मौका मिला था। अगर कोई महिला प्रतिभाशाली हो, तब भी हालात बेहद खराब हैं। यह बहुत दुखद है। डॉ. शमा मोहम्मद ने कहा कि महिलाओं के प्रतिभाशाली होने के बावजूद भी उनको नाकारा जा रहा है, यह बहुत ही दुख की बात है। उन्होंने अपने नेता राहुल गांधी से अपील की है कि इस पर ध्यान दिया जाए ताकि कांग्रेस की प्रतिभाशाली महिलाओं को भी अवसर मिले। उल्लेखनीय है कि, डॉ. शमा मोहम्मद कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की सदस्य हैं। केरल में जन्मी और पेशे से दंत चिकित्सक है, शमा मोहम्मद 2015 में कांग्रेस में शामिल हुईं और पार्टी के मीडिया पैनल में सक्रिय भूमिका निभाती हैं, साथ ही महिला शिक्षा व सुरक्षा जैसे मुद्दों को उठाती हैं।

सिलीगुड़ी में एटीएम फ्रॉड का बड़ा खुलासा, जांच में सामने आया पाकिस्तान कनेक्शन

एजेंसी

सिलीगुड़ी। शहर में एटीएम फ्रॉड गैंग की जांच करने के दौरान पुलिस को चौंकाने वाली जानकारी मिली है। बिहार के चंपारण से पकड़े गए चार युवकों के मोबाइल की जांच में सीधे पाकिस्तान कनेक्शन का खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार, आरोपितों के व्हाट्सएप में कई पाकिस्तानी नंबर मिले है, जहां से पैसों के लेन-देन के निर्देश दिए जाते थे। जांच में सामने आया है कि यह गिरोह देश के अलग-अलग हिस्सों में गरीब लोगों को निशाना बनाकर उनके बैंक अकाउंट किराए पर लेता था। इन खातों में पाकिस्तान से सीधे पैसे ट्रांसफर किए जाते थे।

गिरफ्तार आरोपित रिजवान आलम, आजाद आलम और उनके साथी एटीएम कार्ड और पिन का इस्तेमाल कर पैसे निकालते और दूसरे खातों में ट्रांसफर कर देते थे। पुलिस को सिलीगुड़ी के एक स्थानीय व्यक्ति के खाते में भी पाकिस्तान से पैसे आने के सबूत मिले हैं।

सिलीगुड़ी के पुलिस कमिश्नर सैयद वकार रजा ने बताया कि आरोपितों के मोबाइल से पाकिस्तानी

नंबर मिलने की पुष्टि हुई है। उनके अनुसार, पाकिस्तान से पैसे आना किसी बड़े साजिश की आशंका को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि, पिछले सिलीगुड़ी थाना इलाके के एक होटल से चार आरोपितों रिजवान आलम, आजाद आलम, मोहम्मद इमरान और शेर मोहम्मद के एटीएम फ्रॉड के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। शुरुआत में मामला सिर्फ एटीएम धोखाधड़ी का लग रहा था, लेकिन मोबाइल जांच के बाद इसमें अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन सामने आया। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस नेटवर्क के तार और कहां-कहां जुड़े है और इसका असली मकसद क्या था।

गिरिराज सिंह ने आगरा में कालीन, हस्तशिल्प और तकनीकी वस्त्र क्षेत्रों की प्रगति की समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह ने उत्तर प्रदेश के शहर आगरा का आधिकारिक दौरा किया। यहां उन्होंने कालीन, हस्तशिल्प, फुटवियर और तकनीकी वस्त्र जैसे प्रमुख क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति तथा भविष्य की संभावनाओं की विस्तृत समीक्षा की।

इस दौरे का प्राथमिक उद्देश्य इन क्षेत्रों में स्थिरता, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देना था। दौरे की शुरुआत में मंत्री ने एक कालीन निर्माण इकाई का निरीक्षण किया। उन्होंने उद्योग द्वारा अपनाई जा रही पर्यावरण के अनुकूल प्रक्रियाओं, जैसे कि वनस्पति रंगों का उपयोग और जैविक ऊन के इस्तेमाल की सराहना की। श्री सिंह ने कहा कि ये प्रक्रियाएं भारतीय कालीन उद्योग को अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता और स्थिरता मानकों के अनुरूप तैयार करने में सहायक सिद्ध होंगी। निर्यातकों और डिजाइनरों के साथ बातचीत के दौरान मंत्री ने वैश्विक रुझानों और टिकाऊ रेशों विशेष रूप से केले के रेशे के बढ़ते महत्व पर चर्चा की। उन्होंने इंडिया हैंडमेड ब्रांड की वैश्विक पहचान मजबूत करने और डिजाइन क्षमताओं को आधुनिक बनाने के लिए स्वदेशी ट्रेंड फोरकास्टिंग टूल 'विजन एनएक्सटी' के उपयोग पर विशेष बल दिया।

आगरा के फुटवियर उद्योग की समीक्षा करते हुए उन्होंने एक निर्माण इकाई का दौरा किया और उत्पाद की गुणवत्ता सुधारने में तकनीकी वस्त्रों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। हितधारकों के साथ आयोजित बैठक में निम्न मुख्य बिंदुओं पर चर्चा की गई। इनमें फुटवियर निर्माण में तकनीकी वस्त्रों का उपयोग बढ़ाना, उत्पादन और डिजाइन प्रक्रिया में एआई और उन्नत तकनीकों का विस्तार और उच्च-मूल्य वाले तथा निर्यात-उन्मुख फुटवियर उत्पादन के लिए रणनीतिक रोडमैप तैयार करना

शामिल हैं। इस अवसर पर आयोजित एक हस्तशिल्प प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए मंत्री ने स्थानीय कारीगरों के कौशल की प्रशंसा की। उन्होंने दोहराया कि सरकार पारंपरिक हस्तशिल्प और उभरते हुए तकनीकी वस्त्र क्षेत्रों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि भारत वैश्विक बाजार में एक अग्रणी खिलाड़ी के रूप में उभर सके।

दिल्ली में ईद-उल-फितर का पर्व पूरी अकीदत के साथ मनाया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में ईद उल फितर का पर्व पूरी अकीदत और ऐहतराम के साथ मनाया जा रहा है। आज सुबह मुसलमानों के जरिए नमाज-ए-दोगाना अदा कर विश्व में शांति और देश की तरक्की और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं की गईं। ऐतिहासिक शाहजहानी जामा मस्जिद में इमाम सैयद अहमद बुखारी ने ईद की नमाज अदा कराई। इस अवसर पर मस्जिद में बड़ी संख्या में मुसलमानों ने नमाज अदा की। नमाज के बाद इमाम अहमद बुखारी ने विशेष दुआएं कीं। मस्जिद प्रांगण, सीढ़ियों और सड़क पर भी लोगों को नमाज पढ़ते हुए देखा गया।

पुरानी दिल्ली की एक और शाही मस्जिद फतेहपुरी में इमाम डॉ. मुफ्ती मुकर्रम अहमद ने ईद की नमाज अदा कराई। उन्होंने विश्व में व्याप्त अशांति के माहौल का जिक्र करते हुए शांति स्थापित करने की मांग की। उन्होंने विश्व में शांति, देश में खुशहाली और तरक्की के लिए विशेष दुआ की। यहां पर भी बड़ी संख्या में मुसलमानों ने नमाज अदा

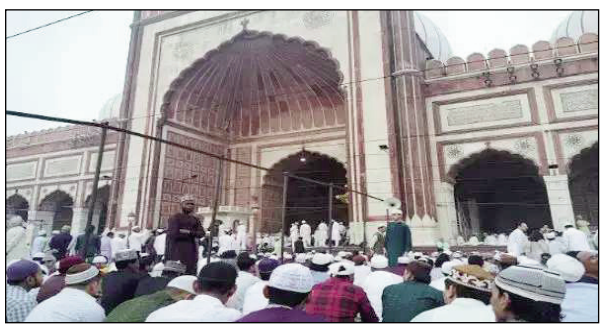

की। रानी झांसी रोड स्थित शाही ईदगाह में ईद उल फितर की नमाज का आयोजन किया गया। यहां पर भी बड़ी संख्या में मुसलमानों ने ईद की नमाज अदा की। एंग्लो अरेबिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल की मस्जिद में भी ईद की नमाज अदा की गई, जहां पर नमाजियों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किया गया था। इसके साथ ही दिल्ली के सभी मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों के मोहल्लों की मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की गई है। दरगाह हजरत निजामुद्दीन औलिया की मस्जिद और जामिया मिल्लिया इस्लामिया की मस्जिद में भी बड़ी संख्या में मुसलमानों ने ईद की नमाज अदा की। पुरानी दिल्ली के अलावा यमुना पार के लक्ष्मी नगर, शकरपुर, झील, खुरेजी, ताज एनक्लेव, शास्त्री पार्क, सीलमपुर, वेलकम, शाहदरा, नंदनगरी, सीमापुरी, मौजपुर, मुस्तफाबाद, करावल नगर, त्रिलोकपुरी, कल्याण पुरी, मयूर विहार, वसुंधरा, सराय काले खां, जामिया नगर, बटला हाउस, अबुल फजल एनक्लेव, बदरपुर, तुगलकाबाद, संगम विहार, हमदर्द नगर , मदनगीर, खानपुर, हौज रानी, महरौली, साकेत वसंत कुंज,वसंत विहार के साथ-साथ बाहरी दिल्ली के क्षेत्र में स्थित मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की है। इस मौके पर मस्जिदों के बाहर गुब्बारे और खिलौने आदि बेचने वालों की कतार देखने को मिली जहां बच्चों को खुशी-खुशी खरीदारी करते हुए भी देखा गया।

ममता ने विधानसभा चुनाव के लिए जारी किया घोषणापत्र, महिलाओं, युवाओं और किसानों के लिए कई वादे

एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने आगामी दो चरणों में होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए 10 प्रमुख वादों के साथ अपना चुनाव घोषणापत्र जारी किया। पार्टी ने सत्ता में लगातार चौथी बार वापसी की स्थिति में कई सामाजिक और आर्थिक योजनाओं को मजबूत करने का वादा किया है।

घोषणापत्र में सबसे प्रमुख वादा लक्ष्मी भंडार योजना को लेकर किया गया है। इसके तहत सामान्य वर्ग की महिलाओं को मिलने वाली मासिक सहायता राशि बढ़ाकर 1500 रुपये और आरक्षित वर्ग की महिलाओं के लिए 1700 रुपये करने का वादा किया गया है।युवाओं के लिए बंगाल युवा साथी योजना के तहत माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण 21 से 40 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को नौकरी मिलने तक हर महीने 1500 रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई है।

पार्टी ने यह भी वादा किया है कि दोबारा सत्ता में आने पर राज्य के हर परिवार को पक्का आवास उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। कृषि क्षेत्र के लिए 30 हजार करोड़ रुपये का बजट प्रस्तावित करने की बात कही गई है, जिसमें कृषि पर निर्भर परिवारों को आर्थिक सहायता और भूमिहीन किसानों के लिए विशेष पैकेज देने का आश्वासन शामिल है। घोषणापत्र में प्रशासनिक पुनर्गठन के तहत सात नए जिले बनाने और शहरी निकायों की संख्या बढ़ाने का भी वादा किया गया है ताकि नागरिक सुविधाओं में सुधार हो सके। वरिष्ठ नागरिकों के लिए मौजूदा पेंशन योजनाओं को बिना बाधा जारी रखने और अधिक पात्र लोगों को इसके दायरे में लाने की बात कही गई है। राज्य के हर घर तक पाइपलाइन से पेयजल पहुंचाने का भी वादा किया गया है।

सिंधी समाज ने परिश्रम और सकारात्मक सोच से दिया है देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदानः मोहन यादव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चाहे व्यापार हो, शिक्षा हो या समाज सेवा, सिंधी समाज ने अपने परिश्रम समर्पण और सकारात्मक सोच से समाज को नई दिशा देते हुए प्रदेश और देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। शीघ्र ही मुख्यमंत्री निवास में सिंधी समाज की विशेष पंचायत आयोजित की जायेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रात सिंधी समाज के नववर्ष के रूप में मनाये जाने वाले भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव चेटीचंड के अवसर पर रवीन्द्र भवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने समाज बंधुओं को पर्व की मंगलकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार विकास के साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोकर आगे बढ़ रही है। हर समुदाय की परंपराओं और संस्कृति को सम्मान देना और सभी को समान अवसर उपलब्ध कराना हमारा उद्देश्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चेटीचंड नव वर्ष के आरंभ का प्रतीक होने के साथ

आस्था, एकता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतिबिंब है। यह पर्व हमें भगवान झूलेलाल की शिक्षाओं के अनुरूप सद्भाव, सेवा और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि सिंधी समाज ने संघर्ष और कठिनतम परिस्थितियों में स्वयं को पुनः स्थापित करने के अनेक उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। लगभग 1200 वर्ष पहले राजा दाहिर द्वारा विधर्मियों से धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए किया गया योगदान इतिहास में दर्ज है। स्वतंत्रता प्राप्ति के समय देश विभाजन की कठिनाइयों का भी सिंधी समाज ने दृढ़ता और साहस के साथ सामना किया तथा संघर्ष कर पुनः स्वयं को स्थापित कर अपनी पहचान बनाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहीद हेमू कालानी का स्मरण किया और भारतीय राजनीति में लालकृष्ण आडवानी के योगदान की सराहना की। विधायक भगवान दास सबनानी तथा सिंधी सेंट्रल पंचायत के प्रतिनिधि कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पुष्प वर्षा का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में भजन और सांगीतिक प्रस्तुतियां भी हुईं। विधायक भगवान दास सबनानी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव आम आदमी की समस्याओं की प्रति संवेदनशील हैं। उनके नेतृत्व में व्यापार, उद्योग, कृषि सहित सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है और प्रदेशवासियों को इसका लाभ भी मिल रहा है। कार्यक्रम में महापौर मालती राय सहित समाज के वरिष्ठजन उपस्थित थे।

कांग्रेस के भीतर मतभेद उजागर, शशि थरूर व मनीष तिवारी ने पश्चिम एशिया नीति पर केंद्र का किया समर्थन

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के आंतरिक सुरक्षा ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) अकादमी के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता राष्ट्रीय सुरक्षा प्रशिक्षण को अकादमिक मान्यता प्रदान करने और पेशेवर उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया है।

दिल्ली स्थित एसएसबी मुख्यालय में आयोजित समारोह में आरआरयू के प्रो-वाइस चांसलर प्रो. कल्पेश एच. वांड्रा, संबद्धता एवं प्रत्यायन के डीन अविनाश खरेल तथा एसएसबी के महानिदेशक संजय सिंघल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। गृह मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि इस कार्यनीतिक साझेदारी के तहत आरआरयू, एसएसबी अकादमी में संचालित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों को शैक्षणिक मान्यता प्रदान करेगा। दोनों संस्थान संकाय विशेषज्ञता, शैक्षणिक संसाधनों और विशेष प्रशिक्षण सुविधाओं का आदान-प्रदान करेंगे, जिससे अकादमिक अनुसंधान और जमीनी सुरक्षा आवश्यकताओं के बीच की खाई को पाटा जा सके। इस अवसर पर प्रो. वांड्रा ने बताया कि सहयोग के तहत

'स्मार्ट सीमा प्रबंधन' जैसे विशेष पाठ्यक्रम पहले ही शुरू किए जा चुके हैं। आरआरयू अपनी अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं और क्षेत्र-आधारित कार्यशालाओं के माध्यम से एसएसबी कर्मियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिससे प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आधुनिक और तकनीक-आधारित बन सकें। एसएसबी महानिदेशक संजय सिंघल ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि यह साझेदारी बल के अधिकारियों और कर्मियों के कौशल विकास तथा पुनः कौशल पर विशेष ध्यान केंद्रित करेगी, जिससे वे बदलती आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों के अनुरूप खुद को तैयार कर सकें। इस समझौते के तहत आरआरयू एसएसबी के मौजूदा और भावी पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन कर उन्हें प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर की मान्यता प्रदान करेगा। इसके लिए मानकीकृत मूल्यांकन प्रणाली और नियमित पाठ्यक्रम समीक्षा की व्यवस्था भी लागू की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में स्थापित आरआरयू का उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा और पुलिसिंग के क्षेत्र में एक अग्रणी शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थान के रूप में कार्य करना है। यह पहल गृह मंत्रालय के 'एकीकृत प्रशिक्षण' दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक सीमा प्रबंधन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करेगी। साथ ही एसएसबी कर्मियों को शैक्षणिक मान्यता और करियर उन्नति के नए अवसर भी प्रदान करेगी। विशेषज्ञों के अनुसार यह साझेदारी भारत की सुरक्षा प्रणाली को और अधिक पेशेवर और तकनीक-सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी।

समाचार एजेंसी यूएनआई के मुख्यालय से पत्रकारों-कर्मचारियों को पुलिस ने बलपूर्वक बाहर निकाला, परिसर सील

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के समाचार जगत में शाम एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में प्रतिष्ठित समाचार एजेंसी यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया (यूएनआई) के परिसर को दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के सैकड़ों जवानों के साथ पत्रकारों कर्मचारियों पर बल प्रयोग करके खाली करा लिया गया। पिछले कई दशकों से संसद मार्ग से लगे 09 रफी मार्ग पर स्थित परिसर से यूएनआई का संचालन हो रहा था। दिल्ली उच्च न्यायालय में शहरी विकास मंत्रालय द्वारा आवंटन रद्द होने के बाद लंबित याचिका पर आज शाम फैसला आने के बाद कुछ घंटों बाद आनन फानन में कुछ सरकारी अधिकारी बिना किसी पूर्व नोटिस के दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के करीब 300 जवानों एवं अफसरों और कुछ वकीलों के साथ परिसर में घुस आये और वहां कार्यरत पत्रकारों एवं अन्य कर्मचारियों से तुरंत न्यूजरूम खाली कर परिसर से बाहर जाने का दबाव डालने लगे। जबकि उस समय खबरें प्रेषित करने का काम सबसे ज्यादा था। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश से की जा रही है, लेकिन वे कोई लिखित आदेश नहीं दिखा सके। उन्होंने कठोर शब्दों में कहा कि यदि कर्मचारी आराम से बाहर नहीं निकलते हैं तो उन्हें बल प्रयोग करना पड़ेगा। उस समय तक कर्मचारियों को दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले की जानकारी नहीं हो पाई थी। उल्लेखनीय है कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में जमीन आवंटन रद्द करने के शहरी विकास विभाग के भूमि विकास कार्यालय के निर्णय को उचित ठहराया है।

कर्मचारियों के कुछ समय देने और कंपनी प्रबंधन के आने का इंतजार करने के अनुरोध तथा नोटिस दिखाने की मांग पर उन्होंने महिला कर्मचारियों सहित कुछ कर्मचारियों को जबरन घसीटकर और धक्का देकर उनकी सीटों से हटाया और न्यूजरूम से बाहर निकाला। इस दौरान उनके साथ गाली-गलौच भी किया गया। पुलिस अमले ने परिसर के गेट पर कब्जा कर लिया और खबरों के सिलसिले में बाहर गये पत्रकारों और प्रबंधन के अधिकारियों को अंदर प्रवेश नहीं करने दिया। वे अपने व्यक्तिगत सामान भी नहीं ले पाये। इस परिसर को अचानक खाली कराये जाने से यूएनआई की अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू सेवा के करीब 500 से भी अधिक सब्सक्राइबरों को खबरों का प्रेषण अचानक रुक गया। इससे ऐतिहासिक संवाद समिति के अस्तित्व और सैकड़ों कर्मचारियों तथा उनके परिवारों के भविष्य पर भी तलवार लटक गयी है।

आईपीएल 2026 : विराट कोहली की आरसीबी को चेतावनी, बोले- अब मुकाबला और कठिन होगा

मुम्बई (एजेंसी)। मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने खिताब का बचाव करने की तैयारी कर रही है। ऐसे में भारतीय बल्लेबाजी के सुपरस्टार विराट कोहली ने अपनी टीम को एक प्रेरक भाषण दिया, जिसमें उन्होंने टीम से सतर्क रहने और प्रशिक्षण के दौरान अपने दिनों को बर्बाद न करने का आग्रह किया, क्योंकि खिताब का बचाव करते समय उनके लिए चीजें और भी कठिन होने वाली हैं।

आरसीबी 28 मार्च को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने खिताब का बचाव शुरू करेगी। नंबर 18 की जर्सी पहने विराट कोहली ने आरसीबी के प्रति वफादार रहते हुए अपने 18वें सीजन में अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था। अब उनकी नजर बल्ले से एक और धमाकेदार प्रदर्शन पर होगी जो दर्शकों को खुश रखेगी और आंकड़ों के विश्लेषकों को व्यस्त रखेगी। सीज़न के पहले अभ्यास सत्र के दौरान टीम को संबोधित करते हुए विराट ने आरसीबी की प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि पिछले साल हमने जो हासिल किया, उसके लिए हमने पिछले दो-तीन सीज़न में कड़ी मेहनत की है, और अब यह और भी कठिन होने वाला है क्योंकि अन्य टीमें हमें कड़ी टक्कर देने वाली हैं।

शुरुआत से ही उच्च मानकों को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि हम इन दिनों को व्यर्थ नहीं जाने देंगे। हम आगे रहेंगे। इसलिए अभी से तैयार हो जाइए। हम जिस भी सत्र में भाग लें, उसका एक मिनट भी बर्बाद न करें। हमें इन ढाई महीनों में अपना 120 प्रतिशत देना होगा। फ्लावर ने कहा कि हमारी नीलामी काफी दिलचस्प रही, और सच कहूँ तो मुझे लगता है कि हमने अपनी टीम को और मजबूत किया है। हमने कुछ बेहतरीन नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया है। विराट और रजत (पाटीदार) की अगुवाई में स्थापित खिलाड़ियों के साथ उन्हें आरसीबी की शैली में ढालना इस टीम को बनाने का एक रोमांचक हिस्सा है।

इरफान पठान की पसंदीदा सीएसके टीम में धोनी को नहीं मिली जगह, सरफराज शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने आईपीएल के 19 वें सत्र के लिए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की अपनी पसंदीदा अंतिम ग्यारह चुनी है। हैरानी की बात है कि इरफान ने इस टीम में पांच बार टीम को खिताब जिताने वाले कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को शामिल नहीं किया है। इरफान ने इसमें धोनी की जगह पर सरफराज खान को रखा है। रुतुराज गायकवाड़ को कप्तान बनाया है पर जिस प्रकार से उन्होंने टीम में धोनी को जगह नहीं दी है उससे सभी हैरान हैं।सीएसके टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में राजस्थान रॉयल्स से खेलेगी।

इरफान का कहना है कि नंबर-6 पर बल्लेबाजी के लिए सरफराज सही विकल्प हैं। साथ ही कहा कि धोनी अगर बल्लेबाजी में कोई बड़ी जिम्मेदारी उठाने को तैयार हैं तो ठीक है नहीं तो सरफराज को नंबर-6 पर अवसर मिलना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'अगर धोनी कहते हैं कि वो नियमित खेलेंगे तो बात अगल है पर अगर उनका खेलना तय नहीं है तो विकल्प जरुरी है। सवाल उठता है कि क्या वो हर मैच खेलेंगे या नहीं? मैं काफी समय से कह रहा हूं कि उनका केवल दो ओवर के लिए मैदान में आना उनके प्रशंसकों को तो अच्छा लगता है, लेकिन टीम को इसका ज्यादा लाभ नहीं मिलता। अगर धोनी को खेलना है, तो उन्हें चार ओवर खेलने चाहिए, तभी टीम को लाभ होगा। अगर वो नहीं खेलते हैं, तो वह भी ऐसी टीम चाहेंगे जिसमें बल्लेबाजों को पूरा अवसर मिले?'

इरफान पठान की पसंदीदा टीम

आयुष म्हात्रे, रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, डेवाल्ड ब्रेविस, सरफराज खान, कार्तिक शर्मा, प्रशांत वीर, अकील हुसैन, मैट हेनरी, नूर अहमद, खलील अहमद (इम्पैक्ट प्लेयर)।

शुभमन की कप्तानी में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में उतरेगी भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के खिलाफ जून में होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच में शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम उतरेगी। इस टीम में सभी प्रमुख खिलाड़ी उतरेंगे और किस को भी आराम नहीं दिया जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार ये टेस्ट मैच 6 जून से न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस टेस्ट के बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी खेली जाएगी। रिपोर्ट्स के अनुसार चयनकर्ता इस मैच में किसी भी तरह का प्रयोग नहीं करते हुए मुख्य टीम ही उतारना चाहते हैं। टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे प्रमुख तेज गेंदबाजों को भी शामिल किया जाएगा।

यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि यह सीरीज आईपीएल 2026 के तत्काल बाद खेली जाएगी जबकि ऐसे समय में कमजोर टीम के खिलाफ सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जाता है पर इस बार बोर्ड ने साफ कर दिया है कि टेस्ट क्रिकेट में किसी तरह की लापरवाही नहीं चलेगी।

भारतीय टीम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में टेस्ट में अच्छा नहीं रहा है। भारत ने बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज जीती पर उसे न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका व ऑस्ट्रेलिया से हार मिली। इसी कारण विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र में भारत की स्थिति अच्छी नहीं है। टीम ने 9 मैचों में सिर्फ 4 जीत के साथ ही अंक तालिका में छठे स्थान पर है।

बीसीसीआई ने चयन समिति को अगले एकदिवसीय विश्वकप की तैयारियों में लगाया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अभी से अगले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम की तैयारियों पर नजर रखना शुरु कर दिया है। इसी के तहत ही इस बार अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति को आईपीएल में खेल रहे उन खिलाड़ियों पर नजर रखने को कहा है जो एकदिवसीय विश्वकप के लिए संभावितों में शामिल हैं। इससे साफ है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के प्रदर्शन पर भी नजरें रहेंगी। ये दोनो ने ही एकदिवसीय विश्वकप खेलने की इच्छा जतायी है।

पांच राष्ट्रीय चयनकर्ता इन खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखेंगे। चयनसमिति में एस.एस दास, आर.पी सिंह, अजय रात्रा और प्रज्ञान ओझा शामिल हैं। एकदिवसीय विश्वप अक्टूबर और नवंबर 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाने वाला है। इसी के लिए चयनकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में मैच देखेंगे।

अगरकर मुंबई में रहते हैं, दास कोलकाता में जबकि आरआर सिंह और रात्रा एनसीआर में, और ओझा बेंगलुरु और हैदराबाद में आईपीएल मैच देखेंगे। बोर्ड चाहता है कि हर चयनकर्ता सप्ताह में कम से कम एक मैच देखे, वहीं बेच हुए मैच टीवी पर देखे जा सकते हैं। इस दौरान चयनकर्ता किसी नए आईपीएल स्टार को एकदिवीसय कप के लिए नहीं देखेंगे। वे केवल उन विशेष खिलाड़ियों पर नजर रखेंगे जो एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में रखे जाने है। तेज गेंदबाज हर्षित राणा अभी तक फिट नहीं होने के कारण आईपीएल से बाहर हैं ऐसे में बचे हुए चार तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पर सबकी नजरें रहेंगी।

चयन पैनल बीसीसीआई की उपसमिति और चयनकर्ताओं का अनुबंध इस साल सितंबर तक है। अगरकर का अनुबंध सितंबर में समाप्त होना है। ऐसे में बीसीसीआई देखेगा कि अगरकर को आगे भी रखा जाये या किसी अन्य को ये जिम्मेदारी दी जाये। नियमों के अनुसार एक वरिष्ठ चयनकर्ता चार साल तक रह सकता है और उसे करार आगे बढ़ाने के लिए अनुरोध करने की जरूरत नहीं होती है। अगरकर जुलाई 2023 में चयनसमित के अध्यक्ष बने थे ऐसे में अगले साल सितबंर में उनके चार साल हो जाएंगे।

पथिराना के आईपीएल खेलने की संभावना से केकेआर को मिली राहत

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। पाथिराना को श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने फिट घोषित कर दिया है। बोर्ड के सचिव बंदुला दिसानायके ने कहा है कि पथिराना फिट हो गये है और उसे आईपीएल में खेलने के लिए एनओसी भी दे दी गयी है। पथिराना के फिट होने से उनकी आईपीएल फ्रैंचाइजी कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को भी राहत मिली है। वह टी20 विश्वकप के दौरान पिंडली की चोट से परेशान थे। इससे केकेार की भी परेशानी बढ़ गयी थी। वहीं अब उनका फिट होने से टीम का गेंदबाजी आक्रामक बेहतर होगा।

केकेआर का गेंदबाजी आक्रमक पहेल ही हर्षित राणा के बाहर होने से कमजोर हुआ था। इसके अलावा टीम से बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को पहले ही बाहर कर दिया गया था। ऐसे में उसके लिए पथिराना की वापसी जरुरी हो गयी थी। टीम ने हालांकि विकल्प के तौर पर जिम्बाब्वे के तेज़ गेंदबाज़ ब्लेसिंग मुजरबानी को शामिल किया है,। इसके अलावा आकाश मधवाल और नवदीप सैनी को भी रखा है पर पथिराना जैसा गेंदबाज उसके पास नहीं था। पथिराना अपने अजीब एक्शन और यॉर्कर के कारण किसी भी मुकाबले में अंतर पैदा कर देते हैं। कठिन हालातों में विकेट निकालने की उनकी क्षमताएं उन्हें एक अलग तरह का गेंदबाज बनाती है। ऐमें में उनके आने से केकेआर की गेंदबाज बेहतर होगी।

अवार्ड समारोह में जो इलेक्ट्रिक ब्लू रंग की ड्रेस पहनकर पहुंची थी मंधाना वह है विशेष

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना खेल के साथ ही अपने स्टायलिश अंदाज के कारण चर्चाओं में बनी रहती हैं। मंधाना हाल ही में बीसीसीआई के साल 2024-25 सत्र के अवार्ड समारोह में जब पहुंची थीं तब उनकी 4.50 लाख रुपये की खास ड्रेस सभी देखते रह गये थे। मंधाना जब सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेटर के अवॉर्ड के लिए मंच पर पहुंची तो उन्होंने इलेक्ट्रिक ब्लू रंग की चमकती ड्रेस पहनी हुई थी। ये उनकी ऊर्जा और आत्मविश्वास को बताती है। इस ड्रेस को सिल्क नहीं, बल्कि मेटल वायर से तैयार किया जाता है। ये ड्रेस पिघली धातु जैसी चमकती नजर आती है। इसे बनाने में कॉर्डेड टेक्स्चर तकनीक इस्तेमाल होती है, जिससे सतह पर उभरा हुआ स्ट्रक्चर बनता है और रोशनी पड़ने पर बिजली जैसी लकीरें दिखती हैं। इसकी कीमत तकरीबन 4.50 लाख रुपए पड़ती है। कई सप्ताह की मेहनत के बाद फैब्रिक बेस पर सिलकर तैयार किया जाता है। ये वायर 0.45 मिमी (बाल जितने पतले) होते हैं। हजारों वायर को फैब्रिक बेस पर सिलकर कपड़ा तैयार किया गया। इसके बाद सख्त धातु को इस तरह प्रोसेस किया जाता है कि वह मुलायम और पहनने लायक बन जाए।

दिल्ली कैपिटल्स के क्षेत्ररक्षण कोच बने मूनी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल के 19 वें सत्र के लिए आयरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जॉन मूनी को क्षेत्ररक्षण कोच बनाया है। मूनी से पहले ये जिम्मेदारी ज्ञानेश्वर राव के पास थी। मूनी को कोच के तौर पर काफी अनुभव है । वह वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान के

कोच रहे हैं। हाल ही में उन्होंने एशिया कप के दौरान अफगानिस्तान टीम के कोच की जिम्मेदारी संभाली थी। टीम में सहायक कोच के तौर पर मूनी मुख्य कोच हेमांग बदानी के साथ काम करेंगे। टीम में उनके अलावा मुनाफ पटेल गेंदबाजी कोच, इयान बेल सहायक कोच है। मूनी ने आयरलैंड की ओर से 64 एकदिवीसीय और 27 टी-20 मैच खेले हैं। दिल्ली कैपिटल्स पिछले सत्र में पांचवें स्थान पर रही थी और अब तक कोई भी आईपीएल खिताब उसने नहीं जीता है। आईपीएल की शुरुआत 28 मार्च को हो रही है। दिल्ली कैपिटल्स का लक्ष्य इस बार बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। पिछले सत्र में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं था। पिछले सत्र में टीम के मेंटोर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन रहे थे। पीटर ने इस बार मेंटोर की जिम्मेदारी संभालने से इंकार कर दिया था। पीटरसन ने कहा, मैं इस आईपीएल सत्र में दिल्ली कैपिटल्स का मेंटोर नहीं बन सकता। मैं इस काम के लिए जरूरी समय नहीं दे सकता। इस सत्र के लिए सभी खिलाड़ियों को मेरी शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, हालांकि मैं आपको कमेंट्री बॉक्स करते हुए नजर आउंगा। साथ ही कहा कि आईपीएल दुनिया की सबसे अच्छी लीग है और मैं आप सभी से जल्द मिलने का मुझे बेसब्री से इंतजार है।' दिल्ली कैपिटल्स अपने आईपीएल 2026 सत्र की शुरुआत एक अप्रैल को लखनऊ में इकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच से करेगा।

कर्स्टन ने पाकिस्तान टीम के कोच पद छोड़ने के कारणों का खुलासा किया

-पीसीबी अधिकारियों के हस्तक्षेप से काम करना था मुश्किल

जोहांसबर्ग (एजेंसी)। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के नये मुख्य कोच गैरी कर्स्टन इससे पहले पाकिस्तान टीम के भी मुख्य कोच रहे थे पर उन्हें कोच बनने के कुछ समय के अंदर ही अपना पद छोड़ना पड़ा था। कर्स्टन ने अब इसके कारणों का खुलासा किया है। इस पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर का कहना है कि जब वह पाकिस्तान के कोच थे तो हालात इतने अधिक खराब थे कि उनके लिए काम करना कठिन हो गया था। कर्स्टन के

अनुसार पाक बोर्ड पीसीबी के अधिकारियों को कामकाज में दखला बना रहता था। कोच अपने तौर पर फैसले नहीं ले पाता था। । पाकिस्तान क्रिकेट टीम अपने लगातार बदलते कप्तानों और कोचों की वजह से चर्चा में रहती है। गैरी कर्स्टन को भी पीसीबी ने बड़े शोर गुल के साथ पाकिस्तान टीम का हेड कोच बनाया था, लेकिन उनका कार्यकाल भी निश्चित समय तक नहीं चल सका। कर्स्टन ने इसकी वजह बताई है। कर्स्टन ने कहा है कि टीम के मामलों में बाहरी दबाव इतना अधिक था कि खिलाड़ियों के साथ एक स्थिर माहौल बनाना संभव नहीं था। जिससे वह परेशान हो गये थे। मुझे नहीं लगता कि मैंने इसे पहले कभी उस स्तर पर ऐसा देखा है।

उन्होंने कहा कि जब परिणाम टीम के हिसाब से नहीं होते, तो कोच सबसे पहले निशाने पर होता है। ऐसी हालातों में टीम के साथ काम करना संभव नहीं था।

साथ ही कहा कि पीसीबी अनुबंध का सही से पालन नहीं कर रहा था। बकाया राशि भी नहीं मिल रही थे। इन कारणों से भी उन्हें पद छोड़ना पड़। इससे पहले वह भारतीय टीम के भी कोच रहे थे। टी20 विश्व कप 2026 में श्रीलंका टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद मुख्य कोच सनथ जयसूर्या के इस्तीफे के बाद उन्हें कोच की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। वह अगले माह से अपना पद संभालेंगे।

रवांडा की 15 साल की फैनी सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाली महिला क्रिकेटर बनी

लागोस। रवांडा की 15 साल की फैनी उतागुशिमानिंदे ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। फैनी ने नाइजीरिया इनविटेशनल महिला टी20 टूर्नामेंट में घाना के खिलाफ ये शतक लगाया। फैनी उम्र अभी केवल 15 साल और 223 दिन ही है। इसी के साथ ही फैनी महिला टी20आई इतिहास में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाली पहली खिलाड़ी बन गयी हैं। उन्होंने पारी के 18वें ओवर में शतक लगाया। फैनी से पहले ये रिकार्ड युगांडा की प्रोस्कोविया अलाको के नाम था। प्रोस्कोविया ने साल 2019 में 16 साल और 233 दिन की उम्र में माली के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी। फैनी ने इस बार नाबाद 111 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया की करेन रोल्टन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2005 में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 96 रन बनाए थे। फैनी के रिकॉर्ड शतक की सहायता से रवांडा ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 210 रन बनाये। इसके बाद घाना को 8 विकेट पर 88 रन ही बना पायी और उसे 122 रन से हार का सामना करना पड़ा। वहीं पुरुष टी20आई में सबसे कम उम्र में शतक लगाने का रिकॉर्ड फ्रांस के गुस्ताव मैक्योन के नाम है। उन्होंने 2022 में स्विट्जरलैंड के खिलाफ 18 साल और 280 दिन की उम्र में शतक लगाया था।

वैभव को मीडिया से दूर रहते हुए खेल पर ही ध्यान देना चाहिये : रियान

-दबाव में न आते हए निडर होकर खेलें

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के नये कप्तान रियान पराग ने कहा है कि टीम के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल सत्र में मीडिया से दूरी बनाये रखते हुए अपनी बल्लेबाजी पर ही ध्यान देना चाहिये। रायल्य की टीम 30 मार्च को अपने आईपीएल अभियान की शुरुआत चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले से करेगी। आईपीएल में पिछले सत्र में वैभव ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था और रियान को उम्मीद है कि वह इस बार भी ऐसा ही प्रदर्शन करेंगे। पराग के अनुसार वैभव पर सभी की नजरें रहेंगी। ऐसे में उन्हें दबाव से बचना होगा। उन्होंने कहा, ÷इस साल स्वाभाविक रूप से इस उभरते खिलाड़ी पर दबाव रहेगा पर मेरा मानना है कि उसे किसी भी बात पर ध्यान दिये बिना निडर होकर खेलना चाहिये। उसे किसी बात की चिंता नहीं करते हुए अपना स्वाभाविक खेल खेलना है। कप्तान के तौर पर मैं उसे कहूंगा कि वह मीडिया से दूर रहकर खेल पर ही ध्यान दें।÷

उन्होंने पिछले आईपीएल सत्र में पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। इसके बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में शतक लगाया था। इसके अलावा अंडर-19 विश्व कप में भी बेहतर प्रदर्शन किया था। वैभव के लिए ये सत्र आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि विरोधी टीमों के निशाने पर वह रहेंगे। उनकी कमजोरियों पर इन टीमों के गेंदबाज प्रहार करेंगे। पूर्व क्रिकेटर लक्ष्मीपति बालाजी ने कहा, ÷दूसरा सत्र किसी भी बल्लेबाजी के लिए हमेशा कठिन होता है। वहीं वैभव का लक्ष्य इस बार सबसे अधिक स्कोर का क्रिस गेल का रिकार्ड तोड़ना रहेगा।

आईपीएल2026:इन 5 भारतीय गेंदबाजों पर रहेंगी खास नजरें, अच्छा प्रदर्शन दिला सकता है वनडे वर्ल्ड कप 2027 का टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। Board of Control for Cricket in India ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियां अभी से शुरू कर दी हैं। चयन समिति ने करीब 20 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है, जिनकी फॉर्म और फिटनेस पर आईपीएल 2026 के दौरान कड़ी नजर रखी जाएगी। खास बात यह है कि इस बार चयनकर्ता सिर्फ टीवी पर नहीं, बल्कि मैदान पर मौजूद रहकर खिलाड़ियों का प्रदर्शन देखेंगे।

आईपीएल 2026 में चयनकर्ताओं का रडार और वेन्यू रोटेशन

28 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2026 के लिए चयन समिति ने एक विशेष स्काउटिंग प्लान तैयार किया है। इस चयन समिति में

एसएस दास, आरपी सिंह, अजय रात्रा और प्रज्ञान ओझा शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हर चयनकर्ता हर हफ्ते कम से कम एक मैच स्टेडियम में जाकर देखेगा, जिससे हर हफ्ते लगभग पांच मैचों का सीधा आकलन किया जा सके। इस बार फोकस नए खिलाड़ियों की खोज पर नहीं, बल्कि पहले से स्थापित खिलाड़ियों के प्रदर्शन और फिटनेस के डेटा पर रहेगा।

इन 5 तेज गेंदबाजों पर सबसे ज्यादा नजर

चयनकर्ताओं ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए तेज गेंदबाजों की एक कोर टीम तैयार की है। जिन पांच खिलाड़ियों पर सबसे ज्यादा नजर रहने वाली है, उनमें Jasprit Bumrah, Mohammed Siraj, Prasidh Krishna, Arshdeep Singh और ऑलराउंडर Hardik Pandya शामिल हैं। हर्षित राणा फिलहाल घुटने की चोट से उबर रहे हैं, ऐसे में पेस अटैक की जिम्मेदारी इन अनुभवी खिलाड़ियों पर रहने वाली है।

2027 वनडे वर्ल्ड कप पर पूरा फोकस

दिलचस्प बात यह है कि बोर्ड फिलहाल 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक या टी20 वर्ल्ड कप के बजाय पूरी तरह से 2027 वनडे वर्ल्ड कप पर फोकस कर रहा है। इसी वजह से खिलाड़ियों की फिटनेस, वर्कलोड मैनेजमेंट और लगातार प्रदर्शन पर खास ध्यान दिया जाएगा, ताकि वर्ल्ड कप से पहले एक मजबूत टीम तैयार हो सके।

अफगानिस्तान टेस्ट में नहीं होगा कोई प्रयोग

6 जून से मुल्तांपुर में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच को लेकर भी BCCI ने अपना रुख साफ कर दिया है। हालांकि यह मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं है, फिर भी भारत इस मैच में अपनी फुल स्ट्रेंथ टीम उतारेगा और किसी नए खिलाड़ी पर प्रयोग नहीं किया जाएगा।

BCCI के एक सूत्र ने कहा, 'इंडिया की टेस्ट कैप प्रयोग के लिए नहीं है। उसके लिए इंडिया-ए के दौरे होते हैं। टेस्ट में बुमराह, सिराज और प्रसिद्ध हमारी पहली पसंद हैं।'

आईपीएल प्रदर्शन से तय होगा वर्ल्ड कप का रास्ता

आईपीएल2026 कई खिलाड़ियों के लिए बेहद अहम होने वाला है। इस टूर्नामेंट में प्रदर्शन के आधार पर ही 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया की कोर टीम लगभग तय होगी। ऐसे में इस सीजन में खासकर तेज गेंदबाजों और ऑलराउंडर्स के प्रदर्शन पर चयनकर्ताओं की सबसे ज्यादा नजर रहने वाली है।

गेंदबाजी कोच कोच भरत अरुण के आने से सुपरजायंट्स को लाभ होगा : ऋषभ

लखनऊ । लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने कहा है कि नए गेंदबाजी कोच कोच भरत अरुण के आने से टीम को लाभ होगा। ऋषभ ने कहा, तेज गेंदबाजों के साथ अभ्यास शिविर अच्छा रहा है। जब से भरत अरुण टीम से जुड़े है सभी खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ा है, वह हर खिलाड़ी के प्रदर्शन पर नजरें रखते हुए अपने सुझाव देते हैं। उनके साथ हर मामले में हमारी बातें होती हैं। वह इसका ध्यान रखते हैं कि मैं गेंदबाजों से क्या चाहता हूं और उन्हें क्या लगता है कि वह टीम में क्या जोड़ सकते हैं। माहौल बहुत ही सकारात्मक है। वह सबसे बेहतरीन गेंदबाज कोच में से एक हैं और मुझे उन पर पूरा भरोसा है। अरुण का अनुभव और गेंदबाजों के साथ उनका तालमेल, खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाने और उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए ये बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा, वह अपना अनुभव साथ लाते हैं। गेंदबाज उन पर भरोसा करते हैं और उनसे खुलकर बात करते हैं, एक गेंदबाज कोच से से सभी यही चाहते हैं। इससे टीम के सिस्टम को और मजबूती मिलती है। जब हम पिछले सत्र पर नजर रखते हैं, तो हमें लगा था कि हमें अपनी गेंदबाजी में कुछ और सुधार करने की जरूरत है।

गोलमाल 5 में अक्षय कुमार की एंट्री

निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी ने अपने फैंस को एक बड़ा तोहफा दिया है। निर्देशक ने अपनी सबसे सफल फ्रेंचाइज 'गोलमाल 5' की घोषणा कर दी है। इसकी घोषणा करते हुए रोहित ने एक लंबा नोट लिखा है, साथ ही एक मजेदार वीडियो भी साझा किया है। सबसे खास बात ये है कि इस वीडियो में मेकर्स ने फैंस को एक बड़ा सरप्राइज भी दिया है।

अक्षय कुमार की हुई फिल्म में नई एंट्री

'गोलमाल 5' में असल सरप्राइज शरमन जोशी नहीं बल्कि अक्षय कुमार हैं। जी हां, गोलमाल फ्रेंचाइज में अब अक्षय कुमार की भी एंट्री हो गई है। रोहित द्वारा शेयर किए गए वीडियो में अंत में अक्षय कुमार की एंट्री होती है। अक्षय फिल्म में बिल्कुल अलग लुक में नजर आएंगे। वीडियो में अक्षय काले रंग का तहमद और कुर्ता पहने बाल्ड लुक में नजर आए। बिना बालों के अक्षय को देखकर अजय देवगन और रोहित शेट्टी भी हंसते दिखाई दिए। अक्षय कुमार की एंट्री और शरमन जोशी की वापसी के बाद अब गोलमाल 5 के और भी रोचक होने की उम्मीद है।

शरमन जोशी की हुई वापसी

रोहित शेट्टी ने फिल्म की घोषणा करते हुए अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। इस पोस्ट में उन्होंने एक लंबा नोट लिखते हुए एक मजेदार वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में फिल्म की प्रमुख कास्ट नजर आ रही है, जिसमें अजय देवगन, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े और कुणाल खेमू नजर आ रहे हैं। वीडियो में फिल्म की शूटिंग के कुछ सीन शामिल है। वीडियो के अंत में जब पूरी कास्ट एक साथ होती है, तो अजय देवगन एक सरप्राइज की बात करते हैं, तभी पहली गोलमाल 'गोलमाल फन अनलिमिटेड' का हिस्सा रहे शरमन जोशी की एंट्री होती है। सभी को लगता है कि वो ही इस बार का सरप्राइज हैं। लेकिन ऐसा नहीं है।

शादी के बाद काम पर लौटीं रश्मिका मंदाना, शुरू की अगली फिल्म की शूटिंग

विजय देवकरोंडा से शादी के बाद रश्मिका मंदाना अब काम पर लौट आई हैं। उन्हें हाल ही में फिल्म के सेट पर देखा गया। रश्मिका ने फिल्म 'मैसा' की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म के निर्देशक रविन्द्र पुले ने यह जानकारी एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा की है।

रश्मिका मंदाना कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाली हैं। इनमें फिल्म 'मैसा' भी शामिल है। रश्मिका मंदाना ने शादी के बाद इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। डायरेक्टर रविंद्र पुले ने आज मंगलवार को इंस्टाग्राम स्टोरी से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने सेट से फोटो शेयर करते हुए रश्मिका को टैग किया है। साथ ही कैप्शन लिखा है, 'मैसा'। शुरुआत हो गई है'।

उदयपुर में हुई रश्मिका विजय की शादी

निर्देशक रविंद्र पुले ने जो तस्वीर शेयर की है, उसमें जंगलनुमा एरिया नजर आ रहा है। कास्ट और क्रू के सदस्य दिख रहे हैं। हालांकि, रश्मिका मंदाना नजर नहीं आ रही हैं। रविंद्र ने एक अन्य फोटो भी साझा की है, जिसमें वे खुद सेट पर दिख रहे हैं। बता दें कि रश्मिका मंदाना ने 26 फरवरी 2026 को विजय देवरकोंडा से उदयपुर में शादी रचाई।

रश्मिका की आगामी फिल्में

रश्मिका मंदाना आने वाले वक्त में कई फिल्मों में नजर आएंगी। इनमें 'कॉकटेल 2', 'रणबाली', 'एनिमल पार्क', 'पुष्पा 3' और 'मैसा' के नाम शामिल हैं। फिल्म 'रणबाली' में रश्मिका को उनके एक्टर पति विजय देवरकोंडा के साथ देखा जाएगा। बात करें फिल्म 'मैसा' की तो इसमें रश्मिका बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आएंगी। 27 जून 2025 को इस फिल्म का पहला पोस्टर रिलीज किया गया था, जिसमें रश्मिका को दमदार अंदाज में देखा गया था।

क्या 'सरकार 4' में नजर आएंगे अमिताभ और अभिषेक बच्चन?

निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने किया बड़ा खुलासा

हाल ही में फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने 'सरकार 4' का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि वो इस पर काम कर रहे हैं। निर्देशक ने बताया था कि इस फिल्म की शूटिंग अगले महीने से शुरू होने वाली है। अब उन्होंने इसकी कास्ट को लेकर बड़ा खुलासा किया है। फिल्म की कास्ट पर क्या बोले राम गोपाल वर्मा? एक इंटरव्यू में राम गोपाल वर्मा ने बताया कि सरकार 4 की स्क्रिप्ट पर काम हो चुका है। उन्होंने कहा, 'मैं इस फिल्म की शूटिंग इस साल के बीच में करूंगा। जब निर्देशक से फिल्म की कास्ट के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन दोनों इस फिल्म का हिस्सा होंगे। हालांकि उन्होंने फिल्म के बाकी कलाकारों के बारे में कोई खुलासा नहीं किया। राम गोपाल वर्मा ने आगे कहा कि वो इस फिल्म को एक साल में ही खत्म करना चाहते हैं। इसके बाद वो 'सिंडिकेट' मूवी पर काम करना चाहते हैं, जिसका ऐलान उन्होंने पहले किया था।

'सरकार' फ्रेंचाइजी के बारे में

'सरकार' सीरीज की शुरुआत साल 2005 में हुई थी, जिसमें अमिताभ बच्चन ने सुभाष नागरे का दमदार किरदार निभाया था। फिल्म में उनके साथ अभिषेक बच्चन भी नजर आए थे, जिन्होंने इस फिल्म में अमिताभ के बेटे 'शंकर' के किरदार निभाया था। इसके बाद इस फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म 'सरकार राज' 2008 में रिलीज हुई, जिसमें ऐश्वर्या राय बच्चन भी अहम भूमिका में थीं। फिर 2017 में 'सरकार 3' आई, जिसमें अमिताभ और अभिषेक के अलावा यामी गौतम, मनोज बाजपेयी और अमित साध जैसे कलाकार दिखाई दिए थे। अब 'सरकार 4' की घोषणा के बाद फैंस में एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

नवाजुद्दीन ने बॉलीवुड में 'फेक मूवीज' पर कसा तंज

एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी, जिन्हें आखिरी बार नेटफ्लिक्स की क्राइम थ्रिलर 'रात अकेली है: बंसल मर्डर्स' में देखा गया था, उन्होंने एक इवेंट में बॉलीवुड पर 'फेक फिल्में' बनाने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि सच्चाई जानते हुए, उसके बारे में कोई बोलता नहीं है। लेकिन उस पर फिल्में बनाई जा रही हैं। इस पर लोगों को लग रहा है कि एक्टर ने 'धुरंधर' और 'द केरल स्टोरी' जैसी फिल्मों को निशाना बनाया है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने एक इवेंट में हिस्सा लिया और वहां पर उनसे ईरान-इजराइल युद्ध के बारे में पूछा गया कि मौजूदा हालात को देखते हुए और जिस तरह से फिल्में ऐसे विषयों को स्क्रीन पर ला रही हैं, तो क्या फिल्ममेकर्स के पास भी समाज को गाइड करने की जिम्मेदारी होती है तो एक्टर ने जवाब दिया, 'समाज को गलत दिखा में ले जाने की जरूरत नहीं है। सच्चाई बहुत इम्पॉर्टेंट है और सच्चाई हर इंसान आज की डेट में जानता है। जिस तरह की फिल्में बन रही हैं, उनके पीछे की सच्चाई क्या है, आप जानते हैं लेकिन आप बोलेंगे नहीं।' जब उनसे नैरेटिव-बेस्ड फिल्मों के बारे में पूछा गया तो वह बोले, 'झूठी फिल्में बन रही हैं हमारे यहां। फेक फिल्में बन रही हैं। ये सब जानते हैं। दुनिया में क्या हो रहा है। सब जानते हैं।

भूमि पेडनेकर ने अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर की बात

करियर के शुरुआती दिनों में अपने अभिनय से प्रशंसा बटोरने वाली अभिनेत्री भूमि पेडनेकर पिछले काफी वक्त से बड़े पर्दे से दूर हैं। हालांकि, ओटीटी पर उनकी सीरीज 'दलदल' इसी साल रिलीज हुई है। इसे क्रिटिक्स और दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई। अब अभिनेत्री ने अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने 'द रॉयल्स' के बाद लिए अपने ब्रेक के बारे में भी बताया। 'दलदल' को मिली प्रतिक्रिया और ईश्वर के साथ अपने जुड़ाव पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि जैसा रिस्पॉन्स मिलना था, वैसा ही मिला।

युवाओं को दी ईश्वर से संबंध खोजने की सलाह

भूमि ने कहा कि आप जिस भी आस्था में विश्वास करते हैं, जिस भी ऊर्जा में आप विश्वास करते हैं, वह आपको बहुत स्थिर रखता है। युवाओं को सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि मेरी सबसे बड़ी सलाह युवाओं को यही है कि ईश्वर के साथ, ब्रह्मांड के साथ अपना संबंध खोजें। जो कुछ भी है उसके साथ बहुत जरूरी है। इमरान खान के साथ इमरान खान के साथ अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म के बारे में बात करते हुए भूमि ने कहा कि सौभाग्य से मैंने इस ब्रेक से ठीक पहले एक बहुत ही प्यारी फिल्म की शूटिंग की थी। यह आखिरी दिन था जब मैंने तय किया कि ठीक है, अब मैं आगे बढ़ रही हूं।

कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहीं भूमि

खुद को इमरान खान की फैन बताते हुए भूमि ने कहा कि इमरान के साथ काम करना मेरी ख्वाहिशों में से एक था। मैं उनकी बहुत सारी फिल्मों की फैन रह चुकी हूं। बचपन से ही 'जाने तू या जाने ना', और वह सबके चहेते थे। इसके अलावा भी मैं कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हूं।

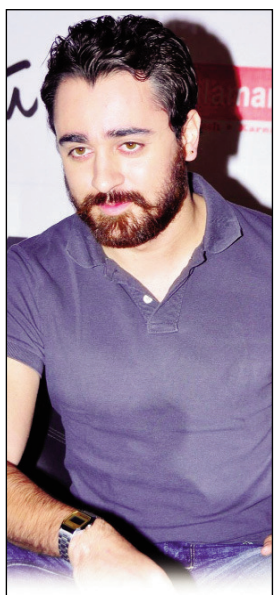

लीड एक्टर के तौर पर एक दशक बाद वापसी करेंगे इमरान

खबरों के मुताबिक, भूमि और इमरान खान की आने वाली फिल्म का नाम 'अधूरे हम अधूरे तुम' है। इस फिल्म का निर्देशन 'ब्रेक के बाद' के निर्देशक दानिश असलम करेंगे। इसके साथ ही इमरान खान एक दशक बाद बड़े पर्दे पर लीड एक्टर के तौर पर वापसी करेंगे। हालांकि, वो इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में नजर आए थे। लेकिन इसमें उनका कैमियो ही था।

मैं एक्टर्स से फिल्म के लिए भीख नहीं मांगता

वेटरन फिल्ममेकर प्रियदर्शन ने अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ काम करने को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि एक समय उन्होंने अपनी फिल्म हंगामा-2 के लिए कार्तिक आर्यन को अप्रोच किया था, लेकिन एक्टर ने फिल्म करने से मना कर दिया था। इस पर प्रियदर्शन ने कहा कि उन्हें किसी भी अभिनेता से काम के लिए भीख मांगना पसंद नहीं है।

इंटरव्यू में प्रियदर्शन ने कहा कि कई बार अभिनेता सीधे मना नहीं करते, बल्कि सम्मानपूर्वक बात करके प्रोजेक्ट से दूरी बना लेते हैं। उनके मुताबिक, अगर किसी कलाकार को निर्देशक या स्क्रिप्ट पर भरोसा नहीं है तो वह जबरदस्ती उसे मनाने में विश्वास नहीं रखते। उन्होंने साफ कहा, 'मैं किसी भी अभिनेता से फिल्म करने के लिए भीख नहीं मांगता। जो मेरे काम पर भरोसा करता है, मैं उसी के साथ काम करता हूं।

कार्तिक समेत इन स्टार्स ने ठुकराई थी फिल्म

प्रियदर्शन ने खुलासा किया कि हंगामा-2 का कॉन्सेप्ट सिर्फ कार्तिक आर्यन को ही नहीं, बल्कि आयुष्मान खुराना और सिद्धार्थ मल्होत्रा को भी सुनाया गया था। हालांकि तीनों कलाकारों ने यह फिल्म करने से मना कर दिया। इसके बाद प्रियदर्शन ने फिल्म में मिजान जाफरी को लीड रोल में लेकर प्रोजेक्ट पूरा किया। देशक का मानना है कि कई बार कलाकार स्क्रिप्ट या निर्देशक पर भरोसा नहीं कर पाते, इसलिए प्रोजेक्ट से दूर हो जाते हैं। लेकिन वह इस बात को व्यक्तिगत रूप से नहीं लेते और नए कलाकारों के साथ काम करने को तैयार रहते हैं।

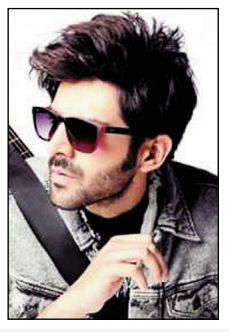

स्क्रिप्ट के बाद तय करते हैं कास्ट

प्रियदर्शन ने कहा कि वह कभी भी किसी खास अभिनेता को ध्यान में रखकर फिल्म नहीं लिखते। पहले पूरी कहानी और किरदार तैयार करते हैं, उसके बाद तय करते हैं कि कौन-सा कलाकार उस रोल के लिए सबसे फिट रहेगा। उनके मुताबिक, अगर कोई स्टार फिल्म करने से मना कर देता है तो यह इंडस्ट्री का सामान्य हिस्सा है। निर्देशक के तौर पर उनका काम अच्छी कहानी बनाना है, न कि कलाकारों के पीछे भागना।

जल्द रिलीज होगी 'भूत बंगला'

वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियदर्शन इन दिनों अपनी नई हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार लीड रोल में नजर आएंगे और यह फिल्म 10 अप्रैल 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। करीब 14 साल बाद अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी एक साथ लौट रही है। फिल्म में कॉमेडी के साथ हॉरर का तड़का देखने को मिलेगा और दर्शकों को इससे काफी उम्मीदें हैं। प्रियदर्शन हिंदी सिनेमा के सबसे सफल कॉमेडी डायरेक्टर्स में गिने जाते हैं। उन्होंने हेरा फेरी, हंगामा, चुप चुप के और भूल भुलैया जैसी कई लोकप्रिय फिल्में बनाई हैं।

रूखे बालों में चमक लाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

जब हम अपने बालों को खोल कर ज्यादा धुल-मिटटी में जाते है तो ऐसे मे हमारे बाल रूखे और बेजान हो जाते है। ऐसे मे उनकी केयर करनी बहुत ही जरूरी होती है नही तो हमारे बोल टूट कर झड़ जाते है। कभी-कभी तो ज्यादा हेयर ड्रायर करने से, क्लोरीनेटर पानी से और स्टाइलिंग प्रोडक्ट भी हमारे बालों को बेजन बना देते हैं। ऐसे में रूखे बालों को कंघी करना बेहद मुश्किल काम हो जाता है। कंघी बालों में फंसती है और बाल टूट जाते हैं। आज हम आपके सामने रूखे और बेजान बालों की देखभाल करने के लिए ऐसे ही कुछ घरेलू उपाय लेकर आए हैं जिनहे अपनाकर आप अपने बालों में चमक ला सकती है।

1. दूध रूखे बालों को मुलायम करने के लिए एक कटोरी में कच्चा दूध लेकर रुई के फाहे से बालों की जड़ों और बालों में लगाएं और एक घंटे बाद सिर धो दें। 2. सीसम ऑइल

आप घर में सीसम ऑइल में नींबू का रस मिलाकर बालों और स्कैल्प पर आधा घंटा लगा कर रखें। बाद में गर्म पानी में एक टॉवेल को भिगो कर इसमें अपने बालो को लपेट लें और आधे घंटे बाद बालों को धो लें।

3. कद्दू बालों में चमच पाना चाहते है तो कद्दू के टुकड़ों को बॉयल कने के बाद ठंड़ा होने पर दही में मिलाकर 20 मिनट के लिए लगाएं।

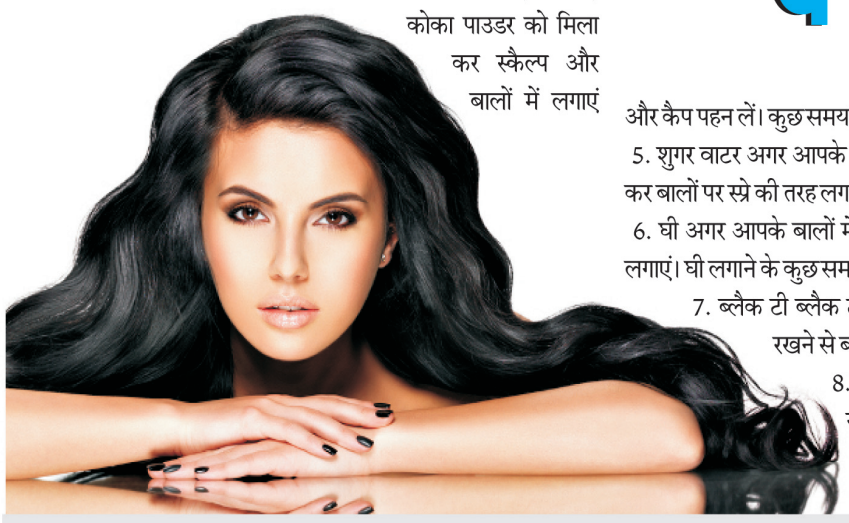

4. कोका पाउडर दही में शहद, विनेगर, कोका पाउडर को मिला कर स्कैल्प और बालों में लगाएं और कैप पहन लें। कुछ समय बाद में इनहे धो लें।

5. शुगर वाटर अगर आपके बाल झड रहें है तो पानी में एक चम्मच चीनी मिला कर बालों पर स्प्रे की तरह लगाएं। बाद में सूख जाने पर पनी से धो लें।

6. घी अगर आपके बालों में चमक नहीं है और रूखापन ज्यादा है तो देसी घी लगाएं। घी लगाने के कुछ समय बाद ही बालों को सैपू से धो लें।

7. ब्लैक टी ब्लैक टी बनाकर हफते में एक बार आधा घंटा लगा कर रखने से बालों में चमक आती है।

8.टी ट्री ऑयल टी ट्री ऑयल में शैंपू मिलाकर लगाने से बालों में चमक आती है क्योंकि इसमें एंटी फंगल और एंटी बेक्टेरिअल गुण होते है जो बालो को मजबार बनाए रखता है।

1 मिनट में चमकेगा चेहरा, बस अपनाएं ये बेस्ट तरीका!

लड़का हो या लड़की आजकल हर कोई गोरा और चमकदार चेहरा पाना चाहता है, जिस पर न तो पिंपल के दाग-धब्बे हो न ही झुर्रियां। वैसे तो जैसा हमारा खाना-पीना होगा, वैसे ही हमारे फेस और बालों की ग्रोथ होगी। अगर हमारा आहार पौष्टिक तत्वों से भरपूर नहीं है तो उसका असर हमारे चेहरे और बालों पर पड़ता है लेकिन खाने के साथ-साथ चेहरे और बालों की अलग से केयर करने की भी जरूरत होती है। इसके लिए आज के यंगस्टर्स महंगे से महंगे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं लेकिन अगर कास्मेटिक की बजाए अगर घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल किया जाए तो बेहतर है क्योंकि इनका न तो कोई साइड इफैक्ट होता है और न ही पैसे की बर्बादी होती है। उबले हुए चावल का पानी जिसे हम मांड कहते हैं, सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है लेकिन शायद आप यह नहीं जानते होंगे कि यह पानी सेहत के साथ साथ स्किन के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद है। इससे आपकी खूबसूरती में चार चांद लग जाएंगे। हफ्ते में एक बार इस घरेलू तरीके को अपना कर आप सौंदर्य सबंधी कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं।

स्किन के लिए चावल का पानी

चावल का पानी क्लींजर का काम करता है। चावल के पानी में प्रोटीन, विटामिन और एंटी-ऑक्सीडेंट की पर्याप्त मात्रा के कारण त्वचा में नमी बनी रहती है। साथ ही त्वचा की रंगत में निखार आता है और दाग धब्बे, झुर्रिया दूर होती है। अगर आपके चेहरे की स्किन ढीली ढाली हो गई है तो चावल के पानी से कसावट और पोर्स टाइट होंगे।

कैसे करें इस्तेमाल

एक कप चावल को पानी में अच्छी तरह से भिगो लें। आधे घंटे के बाद उसे गैस पर पकने दें। चावल पकने के बाद उसका माड़ निकाल लें और इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दें। फिर उस पानी से अपने चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें। मसाज करने के 10 मिनट बाद चावल के पानी से ही चेहरा धोएं और सूखे कपड़े से पोंछे। आपको तुरंत ही अपनी त्वचा में बदलाव नजर आने लगेगा। बालों के लिए

फायदेमंद

त्वचा के साथ-साथ बालों के लिए भी चावल का पानी बहुत फायदेमंद होता है। अगर आपके बाल पतले या बेजान हैं तो चावलों के पानी से बालों को धोएं फिर शैम्पू और कंडीशनर करें लेकिन इन तरीकों को अपनाने से पहले डाक्टरी सलाह जरूर लें।

फटी एड़ियों से हैं परेशान तो इस तरह घर पर करें इलाज

ज्यादातर महिलाएं अपने पैरों की फटी एड़ियों से बहुत परेशान होती है। ऐसे में जब पैरों में हलकी सी भी दरार आ जाती है तो चलते समय पैरों में दर्द होता रहता है। यह सब आपकी लापरवाही के कारण होता है। फटी एड़ियों से इंफेक्शन भी हो जाती हैं। आज हम आपको इनकी दर्द से छुटकारा पाने के घरेलू उपायों के बारें में बताएगें। जिनसे आपके पैरों का दर्द गायब हो जाएगी और पैर कोमल और खूहसूरत दिखाई देगे। - बेकिंग सोडा और दूध का घोल अगर आप अपने पैरों की तकलीफ को कम करना चाहते है तो बेकिंग सोडा और दूध का घोल घर पर तैयार करके अपनाना चाहिए। दूध एक प्राकृतिक मॉइस्चाराइज़र है जिसमें लैक?टिक एसिड होता है जो कि आपकी त्वचा को मुलायम और कामल बनाता है।

- इस तरह से तैयार करें घोल

1. सबसे पहले एक टब लें और उसमें 1 कप दूध और थोड़ा सा बेकिंग पावडर मिक्स कर लें।

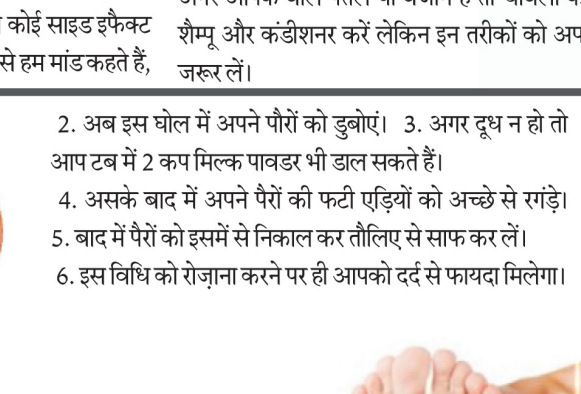

2. अब इस घोल में अपने पौरों को डुबोएं। 3. अगर दूध न हो तो आप टब में 2 कप मिल्क पावडर भी डाल सकते हैं।

4. असके बाद में अपने पैरों की फटी एड़ियों को अच्छे से रगंड़े।

5. बाद में पैरों को इसमें से निकाल कर तौलिए से साफ कर लें।

6. इस विधि को रोज़ाना करने पर ही आपको दर्द से फायदा मिलेगा।

बढ़ती उम्र को थामनें में मददगार साबित होते है ये 5 एंटी एजिंग तेल

आजकल हर कोई चाहता है कि उनका चेहरा खिला और चमकता रहें, फिर चाहे वह महिला हो या पुरुष। ऐसे में आपकी बढ़ती उम्र आपके चाहरे पर झुर्रियां, त्वचा में रुखापन अदि छोड़ जाती है जिससे आपकी उम्र ज्यादा लगने लगती है। पर यह सब आपके खानपान से भी हो सकता है। आजकल बाजार में बहुत से ऐसे प्रोडक्ट्स आ रहे है जिनहें अपनाकर आप इन सब प्रोब्लेम्स को दूर कर सकते है और बढ़ती उम्र को भी रोकते है। पर जरूरी नहीं है कि यह उत्पाद हमारी त्वचा को ठीक हो। कभी-कभी इनसे नुकसान भी पहुंच सकता है।

आज हम आपको कुछ ऐसे एंटी-एजिंग तेलों के बारे में बताएगें जिनहे आप मार्केट में आसानी से खरीद सकती है। यह तेल आपकी बढ़ती उम्र को थामने में आपकी मदद करेगे। इनहे अपनाने से अपको बहुत से सौंदर्य लाभ हो सकते है। तो आइए जानते यह कौन से तेल है।

1. खुबानी की गिरी खुबानी की गिरी से बने हुए तेल में भरपूर मात्रा में लिनोलेनिक एसिड होता है जिसें लगाने से आपकी त्वचा अंदर कोमल, कोशिकाएं और कोलेजन उत्पादन अच्छा होता है। इसे लगाने से झुर्रियां भी ठीक हो जाती है।

2. बादाम तेल बादाम के तेल में विटामिन ई और विटामिन के पाया जाता है जिससे लगाने से त्वचा को चमकदार बनाई रखता है।

3. गरी का तेल गरी के तेल से चाहरे की मालिश करने से रूखापन दूर हो जाता है और पोषक तत्व भी मिल जाते है क्योंकि इसमें एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन ई होता है

4. एवोकैडो तेल इस तेल में विटामिन ई और ए पाए जाते है। इसे लगाने से बढ़ती उम्र को रोका जा सकता है क्योंकि यह सबसे अच्छा स्वास्थ्यवर्धक तेल है।

5. आर्गन तेल अगर आपके चेहरे पर झुर्रियां पड़ गई है तो इसे लगाने से वह दूर हो जाती है और त्वचा को नमी व चमक आती है।